जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 4 नवम्बर, 2026

70 वर्षों का विश्वास

VOCAL FOR LOCAL

OSWAL SOAP GROUP • SINCE ओसवाल 1956

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

घर में साफ़-सफ़ाई और मन में विश्वास
आपके आँगन हो लक्ष्मी का वास



हैप्पी टच ब्रूम | सिल्वर ब्रूम | डायमंड ब्रूम | गोल्ड ब्रूम

ओसवाल फूल झाड़ू की विशेषताएँ

- मज़बूत हैंडल
- पकड़ने में आसान
- ज़्यादा चले
- मिट्टी कम उड़े
- बेहतर क्वालिटी के घास से बनी
- हर तरह की सतह पर इस्तेमाल योग्य

अन्य झाड़ू उत्पाद

ओसवाल सींक झाड़ू (मोती) | ओसवाल सींक झाड़ू (पन्ना) | ओसवाल स्मार्ट प्लास्टिक झाड़ू (प्लेटिनम) | हैप्पी टच झाड़ू (गोल्ड) | हैप्पी टच झाड़ू (डबल डायमंड) | हैप्पी टच झाड़ू (क्वीन)

Oswal ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और ओसवाल ऐप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

MercuryDesign.in

ओसवाल सोप ग्रुप

हर रिश्ते का रखे ख्याल...

VOCAL FOR LOCAL

6 करोड़ परिवारों का विश्वास

क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला

जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल

70 वर्षों का विश्वास

5Ltr. 1Ltr.
मूंगफली तेल

1Ltr. 5Ltr.
कच्ची घानी तेल

1Ltr. 5Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल

1Ltr.
रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच

1kg
बासमती चावल

1kg
ओसवाल चावल

800g
पोहा

1kg
चाय पत्ती

250g
डस्ट चाय

1kg
देसी खांड

1kg
धागा मिश्री

500g
हल्दी पाउडर

1kg
मिर्च पाउडर

500g
धनिया पाउडर

1kg
जीरा

1kg
सोया चंक्स

1kg
मैज स्टार्च पाउडर

1kg
सैंधा नमक

1kg
काला नमक

ओसवाल हींग

1kg
मूंग दाल

1kg
हरी मूंग दाल

1kg
उड़द धुली दाल

1kg
तूअर दाल

1kg
चना दाल

1kg
काबुली चना

साँभर मसाला

चना मसाला

रायता मसाला

चाट मसाला

गरम मसाला

पाव भाजी मसाला

स्टेन रिमूवर

ड्रिंकिंग वाटर

ओसवाल सोप 1kg

1kg
व्हाइट सोप

1kg
मल्टीकलर सोप

1kg
वॉशिंग पाउडर

1kg
डिटर्जेंट पाउडर
डिटर्जेंट केक

1Ltr.
डिटर्जेंट लिक्विड

500ml
डिशवॉश लिक्विड

ड्रेन क्लिनर

1kg
डिशवॉश टब
डिशवॉश केक

100g
बाथ सोप

75g
ग्लिसरिन बाथ सोप

250ml
लिक्विड हैंड वॉश

200ml
शॉवर जैल

500ml
ग्लास क्लीनर

1Ltr.
टॉयलेट क्लीनर

नीरवी पशु आहार

हैप्पी टच
फ्लोर वाइपर

फूल झाड़ू

1Ltr. 250gm
फ्लोर क्लीनर नेप्थलीन बॉल्स

50g
अगरबत्ती धूपबत्ती

शू क्लिनर किट

Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप

अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें

विपणन :
उत्तम चन्द देसराज

अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या
स्कैन करें और ओसवाल ऐप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play

नकली माल से सावधान

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 95 प्रभात जयपुर, बुधवार 4 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot



Main Yahin Hoon

"Chatting me feelings nahi ati." (A gentleman on a chat app, 2014)

The Stealing Of Mona Lisa

We Don't Qualify On The Poverty Grail | Bangladesh's Edge: Cheaper Labour and Fewer Tariffs?

राहुल ने प्र.मंत्री को घेरने के लिए, खुली बहस की चुनौती दी

''आपने मेरे खिलाफ 45 मानहानि के मुकदमे चला रखे हैं, पर, विदेश में संबंधों के बारे में आपकी चुप्पी कुछ रहस्यमय है''

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। प्र.मंत्री मोदी और राहुल गांधी, दोनों के बीच का अंतर अब इतना स्पष्ट होता जा रहा है कि उसे नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो गया है। राहुल गांधी पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ रहे हैं और लगातार आक्रामक रुख अपना रहे हैं।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। नए-नए विवादों, विपक्ष के लगातार हमलों और धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार तथा वोट चोरी जैसे आरोपों के बीच उनकी ''लार्जर देन लाइफ'' छवि कमज़ोर पड़ती नजर आ रही है।

सरकार के भीतर के सूत्रों का कहना है कि नेतृत्व इन घटनाक्रमों से परेशान है। यही वजह है कि अमित शाह को जवाबी रैलियां करने और यह बात प्रचारित करने के लिए कहा गया है कि रामलीला मैदान की रैली की तस्वीरें एआई से तैयार की गई थीं।

इंडिया गठबंधन द्वारा राहुल गांधी को नेता के रूप में स्वीकार करना और राहुल का आगे बढ़कर नेतृत्व करना मोदी के राजनीतिक प्रभाव तथा उनके आत्मविश्वास को चुनौती देता दिखाई दे रहा है।

- ''आप जहाँ चाहें, जब चाहें, खुली बहस करें और अपने मनपसंद व्यक्ति को जज भी बना लें। चाहे वह व्यक्ति मोहन भागवत ही क्यों न हों? अचरज की बात है, राहुल में इतना विश्वास अपनी क्षमताओं के बारे में कहाँ से आया।
- क्या यह बदलती परिस्थितियों का संकेत है या केवल गीदड़ भभकी है, क्योंकि राहुल जानते हैं कि बहस की उनकी चुनौती कोई भी प्र.मंत्री स्वीकार नहीं करेगा। क्योंकि, ऐसी बहस में प्र.मंत्री को खोने के लिए सब कुछ, पर पाने के लिए कुछ भी नहीं। तथा, शायद भारत में ऐसी सार्वजनिक बहस की कोई परम्परा कभी विकसित नहीं हुई।

अपने ताजा कदम में राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी को आमने-सामने खुली बहस की चुनौती दी है। उनका कहना है कि इस बहस में महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो और यह तय हो कि देश विरोधी कौन है और कौन नहीं।

राहुल गांधी ने कहा कि मोदी उन पर और विपक्ष पर देश विरोधी होने का आरोप लगाते रहे हैं। इसलिए दोनों को इस मुद्दे पर बहस करनी चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि वास्तव में देश विरोधी कौन है।

नरेन्द्र मोदी को दी गई राहुल गांधी की चुनौती का मुख्य अंश इस प्रकार है:

''मोदी जी, आपको चुनौती दिए मुझे 24 घंटे हो चुके हैं।''

आप कहते हैं कि विपक्ष देश विरोधी है। आप कोई भी मंच और कोई भी जगह चुन लीजिए और मुझसे इस मुद्दे पर बहस कीजिए कि देश विरोधी कौन है? विदेशी ताकतों से किसके संबंध हैं? और उन संबंधों की प्रकृति क्या है?

आइए, यह बहस जल्द से जल्द करते हैं। डरो मत!

हम दोनों वहां मौजूद रहेंगे। मीडिया भी होगा और देश के युवा भी। बीच में एक टेबल होगी। एक तरफ आप बैठेंगे और दूसरी तरफ मैं। आप जिसे चाहें, निर्णायक नियुक्त कर सकते हैं। यहां तक कि मोहन भागवत जी को भी निर्णायक बना सकते हैं।

वित्तीय व्यवस्था और आर्थिक ढांचे पर सवाल होंगे। अमेरिका के साथ समझौता कैसे हुआ, क्यों हुआ और इतनी जल्दबाजी में क्यों हुआ? आपने अकेले ही यह समझौता क्यों किया और मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी क्यों नहीं दी? अडानी मामले को क्यों बंद किया गया? एप्स्टीन और ऐसे ही कई अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होगी। हम इन सभी विषयों पर खुलकर बात करेंगे।

सच्चाई सामने आने दीजिए। हर बात पूरी तरह साफ हो जाने दीजिए।

आप मुझ पर आरोप लगाते हैं, है न? सामने आइए। सब कुछ साफ हो जाएगा।

आपने दूसरे मामलों में मेरे खिलाफ मानहानि के मुकदमे दायर किए हैं। मेरे विचार से, मेरे खिलाफ ऐसे करीब 45 मुकदमे हैं।

लेकिन इस बहस के मुद्दे पर, विदेशी संबंधों के सवाल पर, आपने मानहानि का मुकदमा नहीं किया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2027 में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा'

वाराणसी, 03 नवंबर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे इस बार खुद विधानसभा चुनाव

- अखिलेश यादव ने घोषणा करते हुए कहा वे इस बार दूसरों को ही चुनाव लड़ाएंगे।

नहीं लड़ेंगे, बल्कि पार्टी के दूसरे नेताओं को चुनाव लड़वाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि वह शुभ-अशुभ को मानते हैं और इस बार वही करेंगे, जो उनके लिए पहले शुभ रहा है।

अखिलेश यादव ने वर्ष 2012 का जिक्र करते हुए कहा कि जब वे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, तब लोकसभा के सांसद थे। उन्होंने इसी राजनीतिक घटनाक्रम को अपने लिए शुभ बताते हुए कहा कि इस बार भी वही करेंगे, जो उनके लिए शुभ रहा है।

उनके इस बयान से साफ है कि 2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव खुद प्रत्याशी के रूप में मैदान में नहीं उतरेंगे। हालांकि, पार्टी के चुनाव प्रचार और नेतृत्व की जिम्मेदारी उनके पास ही रहने की संभावना है।

आंतरिक खींचतान ले बैठेगी उमर की सरकार को?

नैशनल कॉन्फ्रेंस के 25 विधायकों ने 14 दिन का अल्टीमेटम दिया नेतृत्व को और धमकी दी, उनकी माँग नहीं मानी गई तो वे राज्यपाल से मिलकर समर्थन वापस भी ले सकते हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। पत्रकार निधि राजदान के साथ हाल ही में हुई शादी की खुशियों के बीच, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 2024 में सत्ता संभालने के बाद, अब तक के सबसे गंभीर राजनीतिक संकट का सामना कर रहे हैं।

रिपोर्टों के मुताबिक, सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के करीब 25 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व को 14 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उनकी मांग है कि 27 अक्टूबर को हुए मंत्रिमंडल विस्तार के बाद, राज्य मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल किया जाए। मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटाया जाए और दो साल का कार्यकाल पूरा कर चुके मंत्रियों की जगह, नए चेहरों को मौका दिया जाए। विधायकों ने 2024 के चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों, खासकर जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने और अनुच्छेद 370 से जुड़े मुद्दों, पर भी ठोस कार्रवाई की मांग की है।

विधायकों ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर वे राजभवन का रुख कर सकते हैं और सरकार से समर्थन भी वापस ले सकते हैं।

- विधायकों की मुख्य मांग है कि मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी को हटा दिया जाए और जिन मंत्रियों का दो साल का कार्यकाल हो चुका है, उनकी जगह नए चेहरों को मौका दिया जाए।
- श्रीनगर के लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी द्वारा संसदीय सीट और पार्टी से त्याग पत्र देने के बाद संकट और गहरा हो गया।
- 90 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए 46 सीटें चाहिए। नैशनल कॉन्फ्रेंस के पास 41-42 सीटें हैं, उसके अलावा उसे कांग्रेस के 6, निर्दलियों व माकपा के एक विधायक का समर्थन भी प्राप्त है। अगर 25 विधायकों ने समर्थन वापस लिया तो सरकार अल्पमत में आ जाएगी।

संकट उस समय और गहरा गया, जब श्रीनगर से लोकसभा सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी ने 3 नवंबर को नेशनल कॉन्फ्रेंस और अपनी संसदीय सीट से इस्तीफा दे दिया। ज्ञातव्य है कि 3 नवंबर को उनके पिता की पुण्यतिथि भी है। मेहदी ने 2024 के चुनाव में किए गए प्रमुख वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। इनमें अनुच्छेद 370, राज्य का दर्जा बहाल करना, राजनीतिक कैदियों का मुद्दा और अन्य संवैधानिक विषय शामिल हैं। उन्होंने पार्टी नेतृत्व पर अपने रुख से पीछे हटने और भाजपा की भाषा बोलने का आरोप लगाया। 90 सदस्यीय विधानसभा में नेशनल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अनिश्चितकाल तक किसी भी स्थान पर प्रदर्शन जारी नहीं रखा जा सकता'

गत माह जंतर-मंतर और हाल ही में रामलीला मैदान में हुए विरोध प्रदर्शन पर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सुनाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि कोई भी व्यक्ति धरना-प्रदर्शन के लिए किसी स्थान पर अनिश्चितकाल तक कब्जा नहीं कर सकता। यहां तक कि प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों पर भी धरना देने की समय-सीमा तय होनी चाहिए। अदालत की ये टिप्पणियां पिछले महीने मध्य दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए बड़े प्रदर्शन और हाल ही में विपक्षी दलों तथा अन्य संगठनों द्वारा चुनाव आयोग के खिलाफ रामलीला मैदान में आयोजित रैली पर सुनवाई के दौरान आईं।

- चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, आप हमेशा के लिए एक जगह पर कब्ज़ा नहीं कर सकते, अन्य प्रोटैस्टर्स भी हैं, जैसे किसान और वकील, वो कहाँ जाएंगे।
- सरकार के वकील तुषार मेहता ने कहा कि 20 जुलाई को एक दिन के लिए प्रदर्शनकारियों का जंतर-मंजर दिया था, पर उन्होंने यहाँ मानो कब्ज़ा कर लिया और संसद तक मार्च भी निकाला।

सरकार ने जंतर-मंतर से प्रदर्शन स्थल का दर्जा हटा दिया है और रामलीला मैदान सहित तीन वैकल्पिक स्थलों की घोषणा की है।

केन्द्र सरकार के शीर्ष वकील तुषार मेहता ने आज सुप्रीम कोर्ट से कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में दो हैलीकॉप्टर की भिड़ंत

काठमांडू, 03 नवंबर। सोलुखुम्बु जिले में आज सुबह डायनेस्टी और फिस्टेल एयर के दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिक की पहचान हो गई है। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी नवीनराज बुढ थोकी के

- हादसे में एक भारतीय वसंत कुमार की मौत हो गई तथा दूसरा अन्य भारतीय मूल का न्यूज़ीलैंड का नागरिक शैलेश किशन पटेल घायल हो गया।

अनुसार, मृतक की पहचान 47 वर्षीय भारतीय नागरिक वसंत कुमार बलारा माडू के रूप में हुई है।

वहीं, इस हादसे में भारतीय मूल के 53 वर्षीय न्यूजीलैंड नागरिक शैलेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अगर रतन टाटा जीवित होते तो भी क्या बोर्ड ऐसे ही बर्ताव करता'

वरिष्ठ अधिवक्ता डेरियस खंबाता ने ''टाटा संस'', ''टाटा ट्रस्ट'' के मतभेदों पर झकझोर देने वाला सवाल किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट के बीच मतभेद अब टाटा समूह के नेतृत्व और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के लिए एक बड़ी परीक्षा बनते जा रहे हैं। वरिष्ठ वकील डेरियस खंबाता ने टाटा संस के बोर्ड के कामकाज पर सवाल उठाए हैं, वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दोनों पक्षों से अपने मतभेद आपसी सहमति से सुलझाने की अपील की है।

ये घटनाक्रम टाटा संस के भविष्य को लेकर बढ़ते मतभेदों के बीच सामने आए हैं। इस विवाद में टाटा संस की प्रस्तावित स्टॉक मार्केट लिस्टिंग और एन. चंद्रशेखरन की अध्यक्ष के तौर पर दोबारा नियुक्ति जैसे मुद्दे शामिल हैं।

खंबाता, जो ''सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट'' और ''सर रतन टाटा ट्रस्ट'', दोनों के ट्रस्टी रह चुके हैं, ने दोबारा ट्रस्टी बनने से इनकार कर दिया है। साथ ही, उन्होंने 17 सितंबर को हुई टाटा संस के निदेशक मंडल की बैठक से जुड़ी घटनाओं की कड़ी आलोचना की है।

- खंबाता ''सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट'' और ''सर रतन टाटा ट्रस्ट'', दोनों में ट्रस्टी रह चुके हैं। अब उन्होंने दोबारा ट्रस्टी बनने से मना कर दिया है।
- खंबाता ने 17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्स की मीटिंग के घटनाक्रम की कड़ी आलोचना की और टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा और सी ई ओ सिद्धार्थ शर्मा को पत्र लिखा।
- खंबाता ने कंपनी को शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध करने की योजना का विरोध किया है।

टाटा ट्रस्ट के चेयर मैन नोएल टाटा और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) सिद्धार्थ शर्मा को लिखे पत्र में, खंबाता ने सवाल उठाया कि क्या बोर्ड ने तब भी ऐसा ही बर्ताव किया होता, अगर टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा जीवित होते?

मनीकंट्रोल की एक खबर के अनुसार, उन्होंने लिखा, ''अगर रतन टाटा आज जीवित होते, तो क्या टाटा संस का बोर्ड 17 सितंबर को वैसा ही बर्ताव करता, जैसा उसने किया? बिल्कुल नहीं।''

रिपोर्ट के अनुसार, खंबाता ने ''17 सितंबर की दुखद घटनाओं को ऐसा दिन बताया, जिसे हमेशा बदनामी के लिए याद किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि ''इन घटनाओं ने टाटा संस की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है और भारतीय कॉरपोरेट इंडिया की छवि को खतरे में डाल दिया है। कोई भी लीपापोती इस सच्चाई को नहीं छुपा सकती कि उस दिन क्या हुआ था।'' उनकी ये टिप्पणियाँ काफी महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इनसे टाटा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईडी ने अनिल अंबानी ग्रुप की 510 करोड़ की संपत्ति जब्त की

मुंबई, 03 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बैंक धोखाधड़ी और वित्तीय अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप पर एक बार फिर बड़ा

- इसके साथ ही अनिल अंबानी समूह की अब तक जब्त सम्पत्ति की राशि 23100 करोड़ रूपए हो गई।

कानूनी शिकंजा कसा है। जांच एजेंसी ने समूह से जुड़ी कंपनियों के बैंक फ्रॉड मामलों में कार्रवाई करते हुए, 510.17 करोड़ मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क (अटैच) कर लिया है। इस नई कार्रवाई के बाद, रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप की अब तक कुर्क और जब्त की गई कुल परिसंपत्तियों का आंकड़ा 23,100 करोड़ के पार पहुंच गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्रिमिनल रिट रजिस्ट्री बंद करने का फैसला पूर्णतः गलत'

राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा के निर्णय को गलत ठहराते हुए इस व्यवस्था को पुनः बहाल किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 3 नवम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट के तीन जजों की ''संवैधानिक बैंच'' ने पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा द्वारा 7 जुलाई 2026 के आदेश से बंद की गई आपराधिक रिट याचिकाओं के अलग पंजीकरण की व्यवस्था को पुनः बहाल किया है। हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को निर्देश दिया गया है कि वह राजस्थान हाईकोर्ट नियमावली के नियम 315 तथा अन्य लागू नियमों एवं न्यायालय की लंबे समय से चल रही प्रक्रिया के अनुसार, आपराधिक मामलों की रिट याचिकाओं को आपराधिक रिट याचिका के नाम से पंजीकृत करें। इसके अलावा, जो आपराधिक रिट याचिकाएं वर्तमान में लंबित हैं, लेकिन किसी दूसरे नाम से दर्ज की गई हैं, उन्हें दो सप्ताह के भीतर दोबारा आपराधिक रिट याचिका के तौर पर पंजीकृत किया जाए और बाद में उन्हें संबंधित रोस्टर के अनुसार उचित बेंच के समक्ष पेश करें। सीजे संजय के. अग्रवाल, जस्टिस समीर जैन और जस्टिस अनुरूप सिंघी की फुल बेंच ने ये आदेश रवि कुमार की याचिका पर भेजे रेफरेंस पर सुनवाई करते हुए दिए।

- हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल, जस्टिस समीर जैन और जस्टिस अनुरूप सिंघी की फुल बैंच ने यह आदेश रवि कुमार की याचिका पर जस्टिस आनंद शर्मा द्वारा भेजे गए रैफरैंस पर सुनवाई करते हुए दिए।
- अदालत ने माना कि रिट याचिकाओं में ''क्रिमिनल'' और ''सिविल'' की छंटनी बेहद महत्वपूर्ण है। छंटनी तय करती है कि याचिकाकर्ता किस प्रकरण में क्या राहत मांग रहा है? ऐसी रिट याचिकाओं को उन्हीं जजों के समक्ष लगाया जाये, जो कि उस संदर्भ में तय किए गए रोस्टर से सुनवाई कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी. शर्मा ने ''जिया व अन्य बनाम राजस्थान सरकार'' के एक मामले पर सुनवाई करते हुए गत 7 जुलाई को आदेश दिए थे कि संविधान में आपराधिक रिट याचिका नाम की कोई श्रेणी नहीं है, इसलिए हाईकोर्ट की रजिस्ट्री केवल रिट दायर करें, ''क्रिमिनल रिट'' दायर करने की प्रथा को बंद करें। एस.पी.शर्मा ने अपने आदेश में कहा था कि संविधान में केवल ''रिट'' परिभाषित है, उसका कोई ऐसा विभाजन नहीं है, जैसे ''सिविल रिट'' या ''क्रिमिनल रिट।''

न्यायाधीश आनंद शर्मा की एकलपीठ ने मुख्य न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल के समक्ष 5 प्रश्नों के साथ यह मुद्दा उठाया था और पूछा था कि क्या हाईकोर्ट के नियम 315 (1) (एच), जिसके तहत अपराधिक मामले व अपराधिक रिट याचिकाएं दर्ज की जाती हैं, क्या इस नियम को संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत ''सिविल रिट'' दायर की जा सकती है?

जस्टिस आनंद शर्मा ने यह सवाल भी पूछा कि क्या ''क्रिमिनल रिट'' केवल हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में केवल नामकरण का फर्क दिखाने के लिए है, इसके तहत जो मामले दर्ज होते हैं, उनमें कोई मूल आधार होता है, जिससे मालूम चले कि यह मामला आपराधिक जांच अथवा सुनवाई से संबंधित है?

इसके अलावा, न्यायाधीश शर्मा ने सवाल उठाए कि क्या हाईकोर्ट के मुख्य कार्यकारी न्यायाधीश का एक न्यायिक आदेश हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के नियमों व कानूनों को निष्क्रिय कर सकता है, बिना यह तय करे कि क्या वे नियम-कानून असंवैधानिक हैं?

हाईकोर्ट के तीन जजों की पूर्ण पीठ ने जब सम्पूर्ण बार एसोसिएशन को बुलाकर इस प्रकरण पर सुनवाई की तो एक तथ्य यह भी सामने आया कि जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिया मिर्ज़ा का वीडियो फिर से अपलोड किया जाए

मुंबई, 03 नवंबर। फिल्म अभिनेत्री दीया मिर्जा का दिवाली वाला वीडियो बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) के द्वारा हटाने जाने के बाद से जहां सियासी बवाल बढ़

- बॉम्बे हाईकोर्ट ने बीएमसी को, दिया मिर्ज़ा का वीडियो हटाने पर फटकारा। दिया मिर्ज़ा ने वीडियो संदेश में पटाखे नहीं जलाने की अपील करते हुए प्रदूषण रोकने का आव्हान किया था।

गया है, वहीं इस वीडियो के हटाए जाने पर बंबई उच्च न्यायालय ने नाराजगी जाहिर की और इसे दोबारा से अपलोड करने के निर्देश दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपराधी मन संदेह का अड्डा है। –शेक्सपीयर

दुरस्त शहरी प्रशासन नागरिकों का मौलिक अधिकार

ऑक्सफ़ोर्ड इकोनॉमिक्स ग्लोबल सिटीज़ इंडेक्स 2026 में भारतीय शहरों की कमज़ोरियां उजागर हुई हैं। यह कमजोरियां उन हालात पर ज़्यादा ध्यान देने की मांग करती हैं जो शहरों को उत्पादक और रहने लायक बनाते हैं। इन हालात में राजस्थान के शहरों की हालत तो और भी गई-बीती है। यह इंडेक्स शहरों को पांच श्रेणियों में आंकता है: आर्थिक, मानव संसाधन, जीवन की गुणवत्ता, वातावरण और गवर्नेंस। टूटे हुए फुटपाथ; खुली नालियां;खुदी हुई सड़कें; इधर-उधर बिखरा हुआ निर्माण का मलबा; काम वाली जगहों के आस-पास जमा होता कचरा; खतरनाक रास्ते; ट्रैफिक का तंग रास्तों से जबरदस्ती गुजरना; और सड़क पार करने के लिए मलबे के बीच से रास्ता बनाना जैसे बुरे हालात राजस्थान के शहरों की दु:ख भरी कहानी कहते हैं। शहरों के ऐसे नज़ारों के हम अभ्यस्त हो चले हैं। महीनों तक सड़कों और जल निकासी के ढांचों की मरम्मत के काम चलते रहते हैं। जयपुर के सिविल लाइन्स पर बन रहा रेल्वे ओवरब्रिज बरसों से बन रहा है और किसी को पता नहीं कब तक पूरा होगा राज्य का अकेला ऐसा निर्माण नहीं है। ऐसा लगता ही नहीं कि कोई जिम्मेवार अधिकारी इन कामों को देखता भी है। इन्हीं रास्तों से सारे कामों के जिम्मेवार अधिकारी ही नहीं शासन और प्रशासन के प्रमुख लोग भी गुजरते हैं। व्यवस्थित प्लानिंग या समय पर काम पूरा कराने के लिये बीच-बीच में अदालतें जरूर निर्देश देती रहती हैं, लेकिन काम में गति आने या उसके बेहतर होने के कोई खास सबूत जमीनी हक़ीक़त में दिखाई नहीं देते हैं। मसला यह नहीं है कि शहरी ढांचे को मरम्मत या रखरखाव की ज़रूरत है। मसला यह है कि यह काम कैसे किया जाता है। सड़कों को खोदकर हफ़्तों और महीनों तक खुला क्यों छोड़ दिया जाता है? नालियों को खुला क्यों छोड़ दिया जाता है? पैदल चलने वालों को इंसान क्यों नहीं समझा जाता है? मलबे को सार्वजनिक ज़मीन पर क्यों पड़ा रहने दिया जाता है? ट्रैफिक डायवर्जन का मैनेजमेंट इतना खराब क्यों होता है? काम के क्रम, तालमेल या जवाबदेही का कोई स्पष्ट एहसास प्रशासन को क्यों नहीं होता? ऐसे सवाल मीडिया पर भी आते रहते हैं, लेकिन शासन-प्रशासन के कर्ता-धर्ता लोगों की नींद नहीं खुलती। शहरों की ये मुश्किलें गवर्नेंस की समस्याएं हैं। भारत के शहरी संकट पर जब बातें होती है तो उनमें अक्सर इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी की चर्चा होती है, लेकिन हर तरफ जो नज़र आता है वह ज़्यादा बुनियादी चीज़ है। वह है नागरिक प्रबंधन की कमी। हम फ्लाईओवर, मेट्रो लाइन और टेक्नोलॉजी पार्क बनाते हैं, फिर भी फुटपाथ का रखरखाव करने में असफल रहते हैं। यहां तक कि हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय को बीच में पड़ कर चिन्हित फुटपाथों पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करना पड़ा है। हम विकसित देश बनने की बात करते हैं, फिर भी ऐसी अव्यवस्थित सार्वजनिक जगहों को बर्दाश्त करते हैं। इन हालात पर बाहरी लोगों की टिप्पणियां हमें चुभती हुई लगती हैं। सड़कों पर टूटे हुए कंक्रीट, खड्डों और बेतरतीब ट्रैफिक के बीच खड़े होकर, कोई भी इस आलोचना को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता।कड़वा सच यहहै कि हमारे शहर अक्सर सिस्टम की वजह से नहीं, बल्कि सिस्टम के बावजूद काम करते हैं।

सच पूछो तो हम जिन मुश्किलों का सामना करते हैं उसके समाधान के लिये न तो किसी प्रकार की क्रांति की जरूरत है और न ही बहुत महंगे उपायों की। परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तालमेल हो, उन्हें तय समय सीमा के भीतर पूरा किया जाय; फुटपाथ लगातार सुरक्षित और आसानी से इस्तेमाल करने लायक हों; रिहायशी इलाकों को बाज़ार बनने से रोका जाए तथा उनकी सड़कों को बेकाबू ट्रैफिक कॉरिडोर बनने से बचाया जाय; ट्रैफिक नियमों को सख्ती से लागू किया जाय; निर्माण के कचरे को तुरंत हटाया जाय; और सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के खराब होने के बाद मरम्मत करने की बजाय, उसके खराब होने से पहले उसका ठीक से रखरखाव किया जाय जैसी सामान्य चीजें ही सारी समस्याएं हल कर सकती हैं। यह स्वीकार करना होगा कि समय के साथ शहर बदलेंगे ही। विकास तो होगा ही। लेकिन बिना प्लानिंग के विकास से अव्यवस्था फैलती है और नागरिक अनुशासन के बिना विकास से कामकाज में गड़बड़ी आती है। किसी शहर को सिर्फ़ उसकी रियल एस्टेट की कीमत, स्टार्टअप्स की संख्या या टेक्नोलॉजी सेक्टर की तरक्की से नहीं मापा जासकता है। उसे इस बात से मापा जाना चाहिए कि वह अपने निवासियों को रोज़मर्रा की ज़िंदगी में कैसी सुविधाएं देता है। जिस चीज़ की यहां सबसे अधिक कमी है, वह है व्यवस्थित नागरिक प्रबंधन की, जो शहरी विकास को उचित तरीके से नहीं होने को बाधित करता है। शहर केवल ईंट, पत्थर और कंक्रीट के ढांचे नहीं होते हैं, बल्कि वे आर्थिक अवसरों, नवाचार और सामाजिक गतिशीलता के जीवंत केंद्र होते हैं। तीव्र और अनियोजित शहरीकरण ने नगरों के प्रशासनिक ढांचे और बुनियादी सुविधाओं के प्रबंधन पर अभूतपूर्व दबाव डाला है। पेयजल संकट, ठोस कचरा प्रबंधन, बदहाल यातायात, प्रदूषण और मलिन बस्तियों का विस्तार आज हमारे जीवन की कड़वी सच्चाई बन चुके हैं। सवाल उठना स्वाभाविक ही है कि आधुनिक शहरी प्रशासन एवं नागरिक सुविधाओं के प्रबंधन की चुनौतियां 21 वीं सदी के ढाई दशक बीत जाने के बाद भी कम होने की जगह बढ़ती ही क्यों जा रही है? यह अब आवश्यक हो गया है कि हम अपनी शहरी प्रशासन प्रणाली का पुनर्मूल्यांकन करें और नागरिक सुविधाओं के प्रबंधन को अधिक समावेशी, स्मार्ट और संधारणयोग्य (सस्टेनेबल) बनाएं।

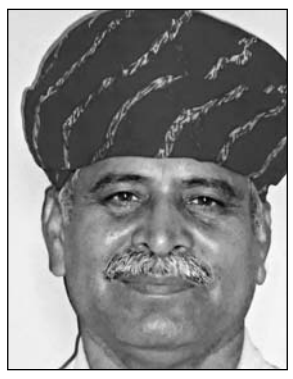
केवल तकनीक के भरोसे एक जीवंत शहर का निर्माण नहीं किया जा सकता। तकनीक एक साधन है, साध्य नहीं। जब तक बुनियादी ढांचे को ज़मीनी स्तर पर मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक डिजिटल स्क्रीन पर दिखने वाली स्मार्टनेस बेमानी साबित होगी। सफलता की असली कुंजीशहर के प्रशासन का दायित्वपूर्ण काम और व्यवहार में छुपी है। शहरी स्थानीय स्वशासन को वास्तविक अर्थ में लागू करना होगा। इसका अर्थ है कि नीति निर्धारण में आम जनता की आवाज़ सुनी जाए।

हमारा शहरी प्रशासन कई गंभीर संरचनात्मक और कार्यात्मक चुनौतियों से जूझ रहा है। सबसे बड़ी समस्या तीन चीजों की है: धन, कार्य और कर्मियों की कमी। नगर निकाय वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर नहीं हैं। वे राज्य और केंद्र सरकारों के अनुदानों पर निर्भर रहते हैं। संपत्ति कर और उपयोगकर्ता शुल्क की वसूली की व्यवस्था इतनी लचर है कि स्थानीय निकाय अपने प्रशासनिक खर्चे भी उनसे मुश्किल से निकाल पाते हैं। दूसरी समस्या कार्यप्रणाली में दोहराव की है। शहर के विकास के लिए विभिनं प्राधिकरण तथा विभाग अलग-अलग काम करते हैं। इन एजेंसियों के बीच समन्वय की भारी कमी होती है, जिसके कारण अक्सर एक ही सड़क को बार-बार खुदती दिखती है। इसके अलावा, नौकरशाही का अत्यधिक हस्तक्षेप तथा कुशल व तकनीकी रूप से दक्ष कर्मचारियों का अभाव शहरी निकायों को पंगु बना रहा है।

बुनियादी सुविधाओं के प्रबंधन में शहरी प्रशासन की सफलता की अंतिम कसौटी नागरिकों को मिलने वाली सुविधाएं होती हैं। यदि हम प्रमुख नागरिक सुविधाओं के प्रबंधन पर नज़र डालें, तो स्थिति बिल्कुल संतोषजनक नहीं है। हर कहीं 24 घंटे पीने के पानी की आपूर्ति एक सपना बनी हुई है। भूजल स्तर लगातार गिर रहा है, और जल निकायों पर अवैध कब्ज़े हो चुके हैं। इसके साथ ही, अनुपचारित सीवेज का नदी-नालों में गिरना एक बड़ी पर्यावरणीय आपदा है। हमारे शहरों में ड्रेनेज सिस्टम या तो बहुत पुराना है या पूरी तरह अवरुद्ध है, जिसके कारण थोड़ी सी बारिश में ही शहर बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। शहरों से रोज़ाना हज़ारों टन कचरा निकलता है, लेकिन इसके वैज्ञानिक निपटान की व्यवस्था नाममात्र की है। शहरों के बाहर विशाल कचरे के पहाड़ वायु और भूमिगत जल को जहरीला बना रहे हैं। कचरे का स्रोत पर अलग-अलग न किया जाना इस संकट को और गंभीर बनाता है। गांवों से आजीविका की तलाश में शहर आने वाले गरीब अनियोजित कच्ची बस्तियों या झुग्गी-झोपड़ियों में रहने को मजबूर हैं। इन मलिन बस्तियों में सार्वजनिक सुविधाएं नहीं के बराबर मिलती हैं। यह स्थिति शहरों में सामाजिक और आर्थिक असमानता की खाई को और चौड़ा करती है। स्मार्ट सिटी मिशन और तकनीकी नवाचार जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई स्मार्ट सिटीज़ मिशन और अमृत जैसी महत्वाकांक्षी योजनाएं दम तोड़ चुकी लगती हैं। उनसे नागरिक सुविधाओं को अधिक कुशल और उत्तरदायी बनाने की अपेक्षाएं पूरी नहीं हो सकी हैं। केवल तकनीक के भरोसे एक जीवंत शहर का निर्माण नहीं किया जा सकता। तकनीक एक साधन है, साध्य नहीं। जब तक बुनियादी ढांचे को ज़मीनी स्तर पर मजबूत नहीं किया जाएगा, तब तक डिजिटल स्क्रीन पर दिखने वाली स्मार्टनेस बेमानी साबित होगी। सफलता की असली कुंजीशहर के प्रशासन का दायित्वपूर्ण काम और व्यवहार में छुपी है। शहरी स्थानीय स्वशासन को वास्तविक अर्थ में लागू करना होगा। इसका अर्थ है कि नीति निर्धारण में आम जनता की आवाज़ सुनी जाए। वार्ड समितियों और स्थानीय वेलफेयर संगठनों को बजट बनाने और प्राथमिकताओं को तय करने में शामिल किया जाए। मगर दुर्भाग्य से जन भागीदारी के नाम पर राजनीति का खेल ही चलता है। खुद नागरिकों में भी अपने शहर के प्रति जिम्मेदारी का भाव कहीं नज़र नहीं आता। यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम अपने शहरों को कंक्रीट के ऐसे बेजान जंगलों में बदलना जारी रखते हैं, या फिर उन्हें ऐसे रहने योग्य, सुरक्षित और समृद्ध केंद्रों के रूप में विकसित करते हैं जो मानव क्षमता को नई उड़ान दे सकें। आधुनिक शहरी प्रशासन को अब अपनी तदर्थ या संकटकालीन प्रबंधन की नीति को छोड़कर दीर्घकालिक, भविष्यवादी और संधारणीय नियोजन को अपनाना होगा। शहरी प्रबंधन में सुधार आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाले कल को सुरक्षित रखने की अनिवार्य शर्त है।हालत तभी सुधरेंगे जब हम अव्यवस्था को सामान्य मानना छोड़ देंगे, और यह मानना शुरू करेंगे कि हम इससे बेहतर के हकदार हैं।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

किसान हितों के संरक्षण के लिए बीज विधान तैयार करने की दिशा?



रामपाल जाट

सामान्यतया देश की खेती सामुदायिक बीज प्रणाली पर निर्भर है, जिसे अनौपचारिक बीज प्रणाली के रूप में भी जाना जाता है। यह करोड़ों किसानों के परिवारों की आजीविका तथा देश की खाद्य सुरक्षा से जुड़ी हुई है। इसलिए बीज संप्रभुता व्यापक जनहित का विषय है। बीज पर किसानों की संप्रभुता देशवासियों के सामान्य जीवनचर्या का अभिन्न अंग है। इसके विपरीत बहुराष्ट्रीय कंपनियां सामुदायिक अनौपचारिक बीज प्रणाली को समाप्त कर औपचारिक बीज प्रणाली किसानों पर थोपने की दिशा में साम्राज्यवादियों के सहारे धनबल को आधार बनाकर कार्यरत हैं। वे बीज के व्यापार में एकाधिकार स्थापित करना चाहती हैं। इसी दिशा में वे प्रकृति एवं पर्यावरण को नष्ट कर 'जेनेटिकली मोडिफाइड' (जीएम) बीज के पक्ष में नितांत निराधार युक्तियां गढ़ती रहती हैं, उनके पक्ष में काम करने वाली 'लॉबी' भी सक्रिय रहती है। उनके पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह सर्वविदित होते हुए भी उनको छिपाने के असफल प्रयास करती रहती हैं। यथा- देश में जीएम के उत्पादों के आयात को रोकने के स्थान पर वे यह समझाने का प्रयास करते हैं कि जब जीएम उत्पाद खाद्य तेल एवं अन्य पदार्थों के रूप में देश में आयातित हो रहे हैं तो उसी जीएम से देश में उत्पादन होने से तो देश को लाभ ही होगा। इसी प्रकार वे उच्च प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के रूप में जीएम का गुणगान करते रहते हैं। इसके विरोध करने वाले को आधुनिक प्रौद्योगिकी के विरोधी होने की संज्ञा देकर अपशब्द तक कहते हैं। इसी पद्धित में नपुंसक बीज जैसे प्रयोगों में होने वाली लूट से ध्यान हटाने के लिए उच्च मूल्य प्रणाली को शोध एवं अनुसंधान के खर्चों के लिए अपरिहार्य बताते हैं। ऐसे खर्चों को सरकार द्वारा वहन करने का आग्रह करने के विपरीत वे चुप्पी साधे रहते हैं।

सरसों का पायनियर कंपनी का बीज अधिकतम 1200 रुपया किलो, अन्य कंपनियों में सिंजेंटा, एडवांटा, बायर, कॉस्को, जेके सीडस, जैक्सन, इंडो यूस बायोटेक, अजीत आदि हैं, जिनके बीज का मूल्य 300 से लेकर 1200 रुपए प्रति किलो है। अर्थात एक क्विंटल सरसों का बीज बेचकर पायनियर कंपनी 1,20,000 रुपए वसूल करती है, जबकि इस एक क्विंटल सरसों के दाम उत्पादक किसानों को लगभग 8,000 रुपए प्राप्त होते हैं। राष्ट्रीय बीज निगम ने एक किलो सरसों बीज का मूल्य 115 से लेकर 200 रुपए निश्चित किया हुआ है। जिस एक क्विंटल बाजरे के बीज का दाम बीज कंपनियां 60,000 वसूलती हैं, उसी एक क्विंटल बाजरा का दाम उत्पादक किसानों को 2100 से 2,400 रुपए प्राप्त होते हैं। फल, सब्जी, मसाला के बीजों को बेचकर कंपनियां एक क्विंटल पर 90 लाख रुपए प्राप्त करती हैं। देश में चार दशक से कंपनियों के उत्पादों पर 'लागत मूल्य' अंकित करने की मांग की स्थिति अभी तक भी ढाक के तीन पात जैसी ही है। भारतीय संविधान में आय की समानता के लिए प्रावधान होते हुए भी आय की विषमता बढ़ाने के लिए यह भी प्रमुख कारक है। ब्रांडेड बीजों के लिए अधिकतम मूल्य निश्चित किए जाने के वैधानिक प्रावधान करने में सरकारों की विफलता विषमता की खाई को चौड़ा करने के लिए उत्तरदायी है।

देश में 70 से अधिक बीज गैर अधिसूचित श्रेणी में है। अनौपचारिक सामुदायिक बीज प्रणाली किसानों के हाथों में होने के कारण कुछ सीमा तक किसान बीज कंपनियों की लूट से बचे हुए है। फिर बीजों के लिए बीज कंपनियों पर निर्भरता कृषि उत्पादों में स्वावलंबन में बाधक है। पराधीनता इसी से जन्म लेती है।

तीसरी ओर बीज कंपनियां अपना ब्रांडेड बीज बेचने के लिए आकर्षक विज्ञापन के साथ लालच एवं डर का वातावरण तैयार करती है। कानूनी दांव पेंच में किसानों को उलझाकर वे अपने दुष्प्रयोजन को सफल बनाने में बेझिझक -बेशर्मी से व्यवहार करती है। 'राष्ट्रीय बीज निगम' द्वारा किसानों को लूट से बचाने की चुनौती स्वीकार कर इसे सही दिशा दी जा सकती है, इसमें सरकारों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, अन्यथा छलावा द्वारा कंपनियों की लूट चलती रहेगी। इसी क्रम में आलू उत्पादक किसानों की व्यथा से सीख ली जा सकती है। जिसमें गुजरात के आलू उत्पादक किसानों को 8-9 वर्ष तक इसी प्रकार की व्यथा का दंश झेलना पड़ा।

सर्वोच्च न्यायालय ने बीज के संबंध में किसानों के अधिकारों की सुनिश्चितता व्यापक जनहित की रक्षा के लिए आवश्यक मानते हुए विधानों का मंतव्य स्पष्ट किया। इसके अनुसार देश के किसान बीज के उपयोग अथवा उपभोक्ता के रूप में प्रयोग के लिए पूर्णत स्वतंत्र हैं, वे अपनी पसंद के बीज बो सकते हैं, 'बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण' के किसी भी प्रकार के प्रावधान विद्यमान हो, उसका कोई भी स्त्रोत हो, किसानों को बीज बोने में कोई रुकावट उत्पन्न नहीं करता है। 'ब्रांडेड बीज' के अतिरिक्त सभी प्रकार के बीजों का उत्पादन, विक्रय, अंतरण का किसानों को अधिकार प्राप्त है। पंजीकरण निरस्त करने के लिए आवेदन करने वाले पक्ष द्वारा दर्शाए अनुसार भारत की संसद में वर्ष 1999 में प्रस्तुत विधेयक में संयुक्त संसदीय समिति द्वारा विभिन्न हित धारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के उपरांत अनेक परिवर्तन किए जाने के सुझाव दिए, उसके बाद किसानों के अधिकारों को स्पष्ट रूप से सम्मिलित करने के लिए किसानों के अधिकारों हेतु विधेयक में नया अध्याय सृजित किया गया। तब ही पौध प्रजाति एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 को संसद ने विधान का स्वरूप प्रदान किया।

भारत सरकार द्वारा 'बीज अधिनियम 1966' एवं 'नियम 1968' के स्थान पर 'बीज विधेयक 2026' की तैयारी की श्रृंखला में देश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा दिल्ली स्थित कृषि भवन में परिचर्चा का आयोजन किया गया। उससे बीज विधान चर्चा में आया। वर्ष 2025 में बीज विधेयक का प्रारूप तैयार हुआ, उसी का परिवर्धित स्वरूप 'बीज विधेयक 2026' है। जिसमें बीजों के पंजीकरण की अनिवार्यता का प्रावधान है, उसी अनुसार राज्य एवं केंद्रीय स्तर पर पंजीकरण की व्यवस्था का उल्लेख है। यहां यह चर्चा भी प्रासंगिक है कि कृषि एवं किसान कल्याण से संबंधित विषय संविधान की राज्य सूची में वर्णित है, जिसके आधार पर इस संबंध में विधान निर्माण का दायित्व एवं अधिकार राज्यों का है। बीज अधिनियम 1966 के प्रावधानो की वैधानिकता के संबंध में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय 18 अगस्त 2025 में बीज को समवर्ती सूची की प्रविष्टि संख्या 33 में सम्मिलित करने को भारत सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया गया।

प्रस्तावित बीज विधेयक 2026 के प्रयोजन में अधिसूचित प्रजातियों के बीजों की गुणवत्ता के लिए समुचित प्रणाली स्थापित कर बीजों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने, बीजों के उत्पादन, वितरण, बिक्री की व्यवस्था को विनियमित करने, दंड के प्रावधानों को कठोर एवं प्रभावी बनाने, बीज क्षेत्र में निजी भागीदारी एवं आयात -निर्यात को सुविधाजनक बनाने, 70 गैर अधिसूचित श्रेणी के बीजों का विनियमन करने, बीजों के निष्फल होने पर किसानों को तात्कालिक अनुतोष देने, बीजों की पहचान में उत्तरदायित्व का निर्धारण करने जैसे विषयों का उल्लेख किया गया है। किसानों को प्रभावी एवं स्पष्ट संरक्षण देने की चर्चा के साथ आयात- निर्यात जैसी वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देने, नई प्रजातियों की गति को तेज करने, सभी राज्यों की प्रक्रियाओं में समानता लाने संबंधी प्रावधानों से उत्पन्न आशंकाओं के निवारण हेतु समुचित एवं अर्थपूर्ण भाषा की आवश्यकता है। अनेकों बार द्विअर्थी शब्दों, वाक्यांशों एवं वाक्यो से कंपनियों एवं वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित करने वालों को लाभान्वित किया जाता रहा है। किसान हितों के नाम पर किसानों की लूट का खेल चलते रहने के कारण अविश्वास का वातावरण बना हुआ है, उसके खण्डन के लिए किसानों को विश्वास में लेने हेतु संसद /विधान मंडलों में विधेयक प्रस्तुति के बाद विधेयक को जनमत के लिए सौंपा जाना एवं राज्यों के विधान मंडलों को विधान निर्माण में सम्मिलित रखना श्रेयस्कर रह सकता है। दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है इस लोकोक्ति को व्यवहार में उतारना सरकार का पवित्र धर्म है।

देशभक्त जागरूक किसानों को बीज विधान की सामान्य जानकारी तो रखनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उसके प्रभाव एवं परिणाम संबंधी अध्ययन के उपरांत चर्चा-विचार-विमर्श की निरंतरता किसान हितों के संरक्षण के लिए आवश्यक सौपान हैं।

विधान निर्माण के साथ बीज ठाम की अवधारणा को बलवती बनाने हेतु पूर्व की भांति किसानों को अपनी आवश्यकता के लिए बीज उत्पादन करने के लिए संकल्पित होना चाहिए। बीज कंपनियां भी धरती पर ही बीज का उत्पादन करती है। इस कार्य को तो हजारों वर्षों से अनुभव प्राप्त किसान अधिक सरलता से कर सकता है। शोध एवं अनुसंधान की आवश्यकता के लिए सरकारों द्वारा संकल्पयुक्त इच्छा शक्ति प्रकट करने की पहल देश की खाद्य सुरक्षा एवं किसानों की आजीविका के लिए सार्थक कदम सिद्ध होगा। इससे बीज क्षेत्र में कंपनियों की लूट से किसानो की रक्षा के साथ ही किसान हितों का संरक्षण सुनिश्चित होगा।

रामपाल जाट-राष्ट्रीय
अध्यक्ष किसान महापंचायत

पुस्तक समीक्षा : चिड़ावा का गौरवशाली इतिहास



बाल मुकुन्द ओझा

राजस्थान के चिड़ावा, जिला झुंझुनूं के बहुमुखी प्रतिभा के धनि, साहित्यकार और समाजिक सांस्कृतिक चिंतक महेश कुमार शर्मा आजाद की गिनती देश और प्रदेश में अन्वेषी लेखक के रूप में की जाती है। आज़ाद 1980 से सार्वजनिक क्षेत्र में सक्रीय है और विभिन्न पत्र पत्रिकाओं के संपादक पत्रकार रहे है। आज़ाद की हाल ही में चिड़ावा का गौरवशाली इतिहास - ऐतिहासिक हवेलियां, कुएं, छतरी, शख्सियत और संस्थाएं 'प्रथम भाग' शीर्षक से एक पुस्तक प्रकाशित हुई है। इससे पूर्व उनकी झुंझुनूं जिले की जुझारू महिलाएं, चिड़ावा के प्रमुख दर्शनीय मंदिर तथा राजस्थान के प्रसिद्ध मंदिर नामक तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है।

लेखक ने चिड़ावा को केवल एक कस्बे के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवंत विरासत के रूप में देखा है। चिड़ावा का गौरवशाली इतिहास पुस्तक का प्रथम भाग चार स्तंभों पर टिका है। हवेलियां: चिड़ावा की वो प्रसिद्ध हवेलियां जिनके भित्ति-चित्रों, नक्काशीदार दरवाजों और झरोखों में मारवाड़ी सेठों की समृद्धि और कला-प्रेम बसता है। लेखक ने इन हवेलियों के निर्माण काल, उनके मालिकों और उनकी वर्तमान स्थिति का प्रामाणिक विवरण दिया है। आवरण पर दिख रही नीले दरवाजे वाली हवेली इसी उपेक्षित सौंदर्य का प्रतीक है। कुएं और छतरियां: शेखावाटी के जल-प्रबंधन और स्मृति-स्थापत्य की पहचान रहे कुएं, बावड़ियां और छतरियां। ये केवल ईंट-पत्थर नहीं, बल्कि उस दौर के सामाजिक परोपकार और जल-संस्कृति की कहानी कहते हैं।

पुस्तक में इनके ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व को उजागर किया गया है। शख्सियत और संस्थाएं: किसी भी नगर का इतिहास उसके लोगों से बनता है। लेखक ने चिड़ावा की स्वतंत्रता संग्राम से लेकर व्यापार, शिक्षा और समाज सेवा में योगदान देने वाली विभूतियों और पुरानी संस्थाओं को भी सहेजा है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं। आज़ाद जी की भाषा सहज,



प्रवाहमयी और तथ्यपरक है।

उन्होंने यह इतिहास केवल किताबों से नहीं, बल्कि जमीन पर जाकर, बुजुर्गों से बात करके और खंडहर होती इमारतों को देखकर लिखा है। यही इस पुस्तक की सबसे बड़ी ताकत है। वास्तव में यह पुस्तक सांस्कृतिक एलबम है, जिसे आम पाठक भी रुचि से पढ़ सकता है। आज जब आधुनिकता की दौड़ में हमारी हवेलियां ढह रही हैं और कुएं भरते जा रहे हैं, ऐसे में यह पुस्तक एक चेतावनी भी है और एक दस्तावेज भी।

यह हमें याद दिलाती है कि विकास के साथ विरासत को बचाना कितना जरूरी है। चिड़ावा का गौरवशाली इतिहास केवल चिड़ावा के लोगों के लिए नहीं, बल्कि शेखावाटी, राजस्थान और स्थानीय इतिहास में रुचि रखने वाले हर पाठक, शोधार्थी और विद्यार्थी के लिए एक अनिवार्य पुस्तक है। पुस्तक 35 सचित्र अध्यायों से सज्जी है। लेखक महेश कुमार शर्मा आजाद बधाई के पात्र हैं जिन्होंने अपने कस्बे के गौरव को शब्दों में अमर कर दिया।

समीक्षक कृति : चिड़ावा का गौरवशाली इतिहास।

लेखक : महेश कुमार शर्मा आजाद। समीक्षक - बाल मुकुन्द ओझा वरिष्ठ लेखक और पत्रकार

चाय पर संविधान

शाम का समय था। मौसम में उमस थी। मन में उससे थोड़ी ज़्यादा। सोचा, मोहल्ले में जाकर चाय पी जाए और किसी से अपने मन की बात की जाए।

मोहल्ले में पहुंचा तो मन खिन्न हो गया। वहां मेरी बात सुनने वाला कोई नहीं था। अचानक हमारी नजर एक सज्जन पर पड़ी जो कि बार-बार हमें ही देखे जा रहे थे। चाय की चुस्की लेकर मैंने पूछा, आप कौन? पहचाना नहीं! उन्होंने आश्चर्य से हमे देखा और गंभीरता से कहा– मैं संविधान। मैं हंस पड़ा, आज के जमाने में इस तरह का नाम कौन रखता है? वह बोले सिर्फ नाम नहीं, मैं वास्तव में संविधान, इस देश का विधान हूँ। सोचा, आज संसद से निकलकर भारत यात्रा पर निकला जाए और जनता के बीच खुद को परखा जाए। पर यहां मुझे कोई पहचान ही नहीं रहा हैं।

चाय वाला हमारी बात सुन रहा था। वह मेरी तरफ मुखातिब होकर बोला, बाबूजी, ये तो रोज का है कोई न कोई अपने को बड़ा आदमी बताता है और चाय मुफ्त में पीने की कोशिश करता है। परंतु मुझे लगा, यह जरूर कोर्ट कचहरी में उलझा व्यक्ति है जो अपने संवैधानिक हितों की बात कर रहा है।

फिर मैंने विनोद में कहा यदि आप वास्तव में संविधान है, तो प्रस्तावना सुनाइए। इतना सुनते ही उनके चेहरे पर तेज आ गया और कंठ में शंख सा उद्घोष हुआ वे बोले हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसकी समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए, दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ईस्वी को एतदद्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

अचानक चाय वाले ने जोरदार ताली बजाई, और कहा वाह। क्या संवाद है किसी अभिनेता की तरह। वे बोले, मैं विश्व का सबसे बड़ा विस्तृत लिखित संविधान हूँ। मेरे पास न्याय है, समानता है, स्वतंत्रता है। तभी चाय वाला बोला साहब, किताब मोटी होने मात्र से बात गहरी हो जाती है क्या? संविधान थोड़ा सकपकाया। क्या मतलब?

चाय वाला बोला कहां पर है न्याय, देश में कितने लोग न्याय के लिए भटक रहे हैं जिन्हें अपने मूलभूत अधिकारों तक का पता नहीं। तभी एक लड़का वहां से गुजरा। हाथ में एडमिट कार्ड था, कुछ हताश -परेशान सा। संविधान ने पूछा, बेटा, परीक्षा कैसी हुई। वो बोला– अंकल परीक्षा तो बाद में होगी, पेपर लीक हो गया। चाय वाले ने उबलती चाय की तरह संविधान को देखा। संविधान चुप हो गया। उसने जेब में हाथ डाला जेब खाली थी, दूसरी जेब टटोली, उसमें एक डिग्री निकली, उसने डिग्री लड़के को दे दी। डिग्री लेकर लड़का चाय वाले की दुकान पर ही बर्तन धोने लगा। मैंने संविधान की तरफ देखा। पहली बार वह गर्व से नहीं बोल रहा था। मैंने कहा संविधान बनता तो सदन में है पर लागू समाज पर होता है, जहाँ संविधान लोक नीति से ज्यादा वोट नीति हो वहां जनमानस की भावनाएं नेताओं के हाथों की कठपुतली बन जाती है। संविधान धीरे से बोला, मैं दोषी नहीं हूँ। लेकिन मेरे नाम पर जो हो रहा है, उससे भी अनजान नहीं रह सकता। संविधान और कुछ कहता तभी चाय वाला बोला–साहब बुरा मत मानना, संविधान और चाय तब तक ही अच्छी लगती है जब उसकी प्रक्रिया सही हाथों में हो, बंदर के हाथ में उस्तरा आता है तो वह दाढ़ी नहीं बनाता है।

इतने में बूंदाबांदी शुरू हो जाती है संविधान कहता है जनता ही असली लोकतंत्र और संविधान है, जनता का दिया सही मतदान ही सारी समस्याओं का एकमात्र समाधान है।

संविधान की बात सुनकर चाय वाले ने चाय आगे बढ़ाते हुए कहा उमस होगी तो बरसात होगी, बरसात होगी तो चाय होगी, चाय होगी तो बात होगी, बात होगी तो निश्चित उजाले की राह होगी। और संविधान भी कभी दरकते कुल्हड़ में से गिरती अपनी चाय को तो कभी चाय वाले के झोपड़ी में से गिरती बूँदों को देखे जा रहा था। और मैं सोच रहा था यह कोई साधारण पुस्तक नहीं, इस देश की आत्मा का सम्मानित विधान है।

–मनोज गोयल,
स्वतंत्र टिप्पणीकार

राशिफल



पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 4 नवम्बर, 2026

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत–2083, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 3:30 तक, ब्रहम योग प्रात: 8:01 तक, विष्टि करण दिन 11:04 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य-तुला, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-तुला, गुरू-सिंह, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज भद्रा दिन 11:04 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:26 तक, शुभ 10:18 से 12:10 तक, चर 2:54 से 4:16 तक, लाभ 4:16 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:42, सूर्यास्त 5:38

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में वाद-विवाद एवं स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है।

मिथुन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ सड़कों पर मुख्यमंत्री भजनलाल उतरेंगे सड़कों पर

एसआईआर पर भाजपा की आर-पार की तैयारी, कांग्रेस के आरोपों का हर मोर्चे पर जवाब देगी पार्टी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस के आरोपों और कथित दुष्प्रचार का जवाब देने के लिए भाजपा ने अब सड़क से सदन तक आर-पार की लडाई के लिए मोर्चा खोल दिया है।

पार्टी ने साफ संकेत दिए हैं कि सांसद हो या विधायक, विधानसभा हो या सड़क हर मोर्चे पर जनता के बीच जाकर कांग्रेस के आरोपों का जवाब दिया जाएगा और एसआईआर को लेकर फैलाए जा रहे कथित भ्रम को बेनकाब किया जाएगा। इसी रणनीति के तहत 5 नवंबर को जयपुर में होने वाली "लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ" पदयात्रा में केंद्रीय सूचना प्रसारण और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल होंगे।

- **जयपुर के रामलीला मैदान की जनसभा में मुख्यमंत्री सहित जुटेंगे पार्टी के दिग्गज**

कार्यक्रम संयोजक सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि रामलीला मैदान में जनसभा के बाद भाजपा की सांकेतिक पदयात्रा चौड़ा रास्ता होते हुए त्रिपोलिया गेट तक जाएगी। रेलमंत्री वैष्णव , मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ प्रदेश के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी जनसभा और पदयात्रा में शामिल होंगे। इस आयोजन के जरिए एसआईआर पर अपना पक्ष जनता तक पहुंचाने के साथ कांग्रेस के आरोपों का राजनीतिक जवाब देने की तैयारी में है। पार्टी ने कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है।

सांसद मंजू शर्मा ने बताया कि 5 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली जनसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी एसआईआर को लेकर जनता के बीच अपना पक्ष मजबूती से रखेगी। भाजपा का मानना है कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और सूची को अधिक विश्वसनीय बनाने की प्रक्रिया है।

मंजू शर्मा के अनुसार, कांग्रेस इस मुद्दे पर भ्रम पैदा कर रही है और चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास का माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। भाजपा कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर इन आरोपों का जवाब देंगे। भाजपा ने पदयात्रा का मार्ग तय करते समय दीपावली के खरीदारी सीजन और परकोटे के बाजारों की व्यावसायिक गतिविधियों को भी ध्यान में रखा है। त्योहार के दौरान बाजारों में बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में लंबे मार्च से यातायात और कारोबार प्रभावित होने की आशंका थी। इसी कारण रामलीला मैदान से त्रिपोलिया गेट तक सांकेतिक पदयात्रा रखी गई है। पार्टी की कोशिश है कि राजनीतिक संदेश भी प्रभावी ढंग से पहुंचे और व्यापारियों तथा आमजन को कम से कम परेशानी हो।

इस कार्यक्रम के लिए विधानसभा क्षेत्र, मंडल और वार्ड स्तर पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गई है। मंडल अध्यक्षों, पार्षदों, पार्षद प्रत्याशियों और वार्ड प्रभारियों को कार्यकर्ताओं की ज्यादा से ज्यादा संख्या जुटाने के निर्देश दिए गए हैं।

आई.डी.बी.आई. बैंक विदेशी कंपनी को बेचने के विरोध में धरना-प्रदर्शन

निजीकरण के विरोध में राजस्थान की सभी शाखाओं में कर्मचारियों ने हड़ताल करके विरोध जताया

जयपुर । केंद्र सरकार की ओर से आईडीबीआई बैंक को कनाडा के फेयरफैक्स समूह को बेचे जाने के विरोध में यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लाइज के आव्हान पर राजस्थान की सभी शाखाओं में दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल के तहत पूर्ण हड़ताल रही।



आईडीबीआई बैंक की जयपुर की सी-स्कीम शाखा पर कर्मचारियों ने धरना देकर विरोध जताया।

इस दौरान जयपुर के सी-स्कीम स्थित मुख्य शाखा के सामने कर्मचारियों और अधिकारियों ने धरना-प्रदर्शन कर निजीकरण के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन में जयपुर सहित प्रदेश की विभिन्न शाखाओं से बड़ी संख्या में कर्मचारी शामिल हुए। खास बात यह रही कि महिला कर्मियों ने भी बड़ी संख्या में भागीदारी निभाते हुए निजीकरण को महिला और परिवार विरोधी बताया।

सभा को राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाइज यूनियन के नेता आर.ए. शर्मा, सहकार नेता सूरज भान सिंह आमेरा, महेश शर्मा, आर.जी. शर्मा, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन (एआईबीओए) के महासचिव नरेश शर्मा, आईडीबीआई इकाई अध्यक्ष हरीश मीणा, सचिव मनोज मीणा और नीलिमा सोलंकी ने संबोधित किया। सूरज भान सिंह आमेरा ने कहा कि सरकार और एलआईसी ने 46 हजार करोड़ रुपये की पूंजी लगाकर तथा कर्मचारियों की मेहनत से आईडीबीआई बैंक को पुनर्जीवित किया है। बैंक लगातार 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का लाभ कमा रहा है और उसका एनपीए 31.78 प्रतिशत से घटकर 2.30 प्रतिशत रह गया है। ऐसे लाभकारी बैंक को विदेशी कंपनी को बेचना जनता के साथ धोखा और बैंकिंग व्यवस्था का विदेशीकरण है। नरेश शर्मा ने कहा कि एआईबीओए, राजस्थान प्रदेश बैंक एम्प्लाइज यूनियन और सहकार आंदोलन इस संघर्ष में आईडीबीआई कर्मचारियों के साथ खड़े हैं, यह लडाई केवल आईडीबीआई की नहीं, बल्कि देश की सार्वजनिक बैंकिंग व्यवस्था को बचाने की है।

प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार से निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल रद्द कर बैंक को सार्वजनिक क्षेत्र में बनाए रखने की मांग की। धरने में 'आईडीबीआई बैंक बचाओ, देश बचाओ', 'निजीकरण वापस लो' और 'विदेशीकरण बंद करो' के नारे लगाए गए।

कुएं में गिरी बुजुर्ग महिला को पुलिस ने बचाया

जयपुर। दौलतपुरा थाना क्षेत्र के चोंप गांव में सास-बहू के बीच विवाद के बाद एक बुजुर्ग महिला के कुएं में गिरने का मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से महिला को करीब 50 फीट गहरे सूखे कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद महिला को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। दौलतपुरा थानाधिकारी महेंद्र सिंह यादव ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को चोंप गांव की अहीरों की ढाणी में एक महिला के कुएं में गिरने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस की पीसीआर वैन करीब दस मिनट में मौके पर पहुंच गई। घटनास्थल पर पता चला कि महिला घर से करीब 200 मीटर दूर स्थित बिना मुंडेर के सूखे कुएं में गिरी हुई है। पुलिस की महिला कांस्टेबल राज किरण और चालक सिपाही तेजपाल ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। तेजपाल कुएं में उतरे और खाट की मदद से महिला को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि सोमवार रात घर पर सास और बहू के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद बुजुर्ग महिला घर से चली गई। परिजन रातभर उसकी तलाश करते रहे। मंगलवार सुबह महिला के कुएं में गिरने की जानकारी मिलने पर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य पूरा कर महिला की जान बचाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

'लीवर स्क्रीनिंग में राजस्थान है देश में अव्वल, 3.20 करोड़ लोगों की जांच'

"मिशन लीवर स्माइल" के तहत 7 हजार से अधिक चिकित्सकों को प्रशिक्षण दिया

जयपुर (कासं)। राजस्थान में लीवर संबंधी बीमारियों की समय पर पहचान और रोकथाम के लिए संचालित मिशन लीवर स्माइल के तहत अब तक 3.20 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। इसके साथ राजस्थान देश में सर्वाधिक लीवर स्क्रीनिंग करने वाला राज्य बन गया है। मंगलवार को अभियान के तहत प्रदेश के 7 हजार से अधिक चिकित्सकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया। इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस), नई दिल्ली के निदेशक एवं चांसलर प्रो. (डॉ.) एस.के. सरीन ने कहा कि बेहतर जीवनशैली और उपयुक्त खानपान की सलाह भी चिकित्सकीय पर्चे जितनी महत्वपूर्ण है। फैटी लीवर और फाइब्रोसिस की समय पर जांच तथा संभावित मरीजों की पहचान के लिए एएलटी टेस्ट पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।



इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलियरी साइंसेज नई दिल्ली के निदेशक एवं चांसलर प्रो. डॉ. एस.के. सरीन और प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित प्रशिक्षण में डॉ. सरीन और उनकी विशेषज्ञ टीम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मेडिकल कॉलेज से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर तक के चिकित्सकों एवं अधिकारियों को फैटी लीवर रोग की स्क्रीनिंग, जोखिम की पहचान, जांच और प्रबंधन की जानकारी दी।

गायत्री राठौड़ ने बताया कि दिसंबर से आयोजित होने वाले ग्रामीण स्वास्थ्य शिविरों में लीवर की जांच एवं परामर्श पर विशेष जोर दिया जाएगा। स्कूलों में भी विद्यार्थियों को स्वस्थ लीवर, बेहतर जीवनशैली, खानपान और लीवर संबंधी बीमारियों के लक्षणों के प्रति जागरूक किया जाएगा। डॉ. सरीन ने एएनएम, सीएचओ और आशा सहयोगिनियों के प्रशिक्षण के साथ शिविर लगाने तथा स्थानीय भाषाओं में जागरूकता सामग्री तैयार करने का सुझाव दिया।

जांच की तकनीक और जोखिम आंकलन का प्रशिक्षण

आईएलबीएस के डॉ. बी.बी. रेवारी और डॉ. कनिका कौशल ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के तहत फैटी लीवर की स्क्रीनिंग एवं प्रबंधन की जानकारी दी।

प्रशिक्षण में कमर की माप, एफआईबी-4 स्कोरिंग तथा एलएसएम और सीएपी पैरामीटर से लीवर की स्थिति का आकलन करने की प्रक्रिया समझाई गई। इसमें मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्य, अस्पताल अधीक्षक, प्रोफेसर, जोनल संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला एवं उप जिला अस्पतालों के पीएमओ, मिशन के नोडल अधिकारी, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी और विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी शामिल हुए। प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र दिए गए।

एएनएम-सीएचओ का प्रशिक्षण 4 से 6 नवंबर तक

मिशन के तहत 4 से 6 नवंबर तक एएनएम एवं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) का ऑनलाइन प्रशिक्षण होगा। इसमें जोखिम वाले व्यक्तियों की पहचान, खानपान एवं जीवनशैली संबंधी परामर्श, स्क्रीनिंग के लिए प्रेरित करने और जरूरतमंद मरीजों को उचित स्वास्थ्य संस्थान तक भेजने की प्रक्रिया बताई जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंस में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन डॉ. नरोत्तम शर्मा और राज्य नोडल अधिकारी एनसीडी डॉ. सुनील सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

लोक लेखा समिति का दायरा बढ़ाने की जरूरत : जूली

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने तिरुवनंतपुरम में आयोजित लोक लेखा समिति (पीएसी) के सभापतियों के सम्मेलन में समितियों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि पीएसी का दायरा केवल वित्तीय अनियमितताओं की जांच तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि सरकारी योजनाओं के प्रदर्शन, उनके परिणामों और खर्च की उपयोगिता का भी आंकलन होना चाहिए। जूली ने सुझाव दिया कि समितियों की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं और प्रत्येक माह चार विभागों के कामकाज की समीक्षा की जाए। उन्होंने सार्वजनिक-निजी भागीदारी, स्वायत्त संस्थाओं और विशेष प्रयोजन संस्थाओं को भी समिति की जांच के दायरे में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विभागों से समय पर जवाब लेना और उनकी ओर से की गई कार्रवाई रिपोर्ट का नियमित फॉलोअप जरूरी है।

सार-समाचार

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 125 लाभांवित



जयपुर । राइजिंग होप्स सोसायटी और विकास समिति सेक्टर-12, मानसरोवर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत नि:शुल्क चिकित्सा आउटरीच शिविर आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय और शहरी सामुदायिक केंद्र सेक्टर-12, इंद्रपथ के सहयोग से आयोजित शिविर में करीब 125 महिला, पुरुष और बच्चों ने स्वास्थ्य जांच करवाई। शिविर में सीबीसी, हीमोग्लोबिन, लीवर, किडनी, शुगर, इलेक्ट्रोलाइट, विटामिन, फेरिटिन और एएनसी सहित सभी जांचें नि:शुल्क की गईं। मरीजों को चिकित्सालय की ओर से दवाइयां भी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। राइजिंग होप्स सोसायटी के अध्यक्ष श्याम सुंदर सारस्वत ने बताया कि शिविर में डॉ. तरुण तिवाड़ी, ब्लॉक सीएमएचओ सहित छह चिकित्सा विशेषज्ञों ने सेवाएं दीं। इनमें डॉ. रजनी शर्मा (प्रभारी), डॉ. मीनाक्षी धाकड़ (स्त्री रोग), डॉ. जितेंद्र शर्मा (शिशु रोग), डॉ. परीक्षिता शर्मा (मेडिसिन), डॉ. निशा शर्मा (चिकित्सा अधिकारी) और होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. विवेक मोहन गुप्ता शामिल रहे। नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने भी सहयोग किया। सर्वर बंद होने के कारण कुछ समय मरीजों को जांच के लिए इंतजार करना पड़ा। विकास समिति के अध्यक्ष सुरेश चंद जैन ने चिकित्सकों और चिकित्सा कर्मियों का सम्मान कर आभार जताया। शिविर में आनंद प्रकाश माथुर, नितेंद्र माथुर, प्रिया ज्ञानानी, दामोदर दास माहेश्वरी, दिनेश शर्मा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद शर्मा, डॉ. के.के. अग्रवाल, मूलचंद बसंतानी, इंदर ज्ञानानी, भगवान दास, प्रदीप सक्सेना, प्रकाश कुमार मूलवानी, शिक्षक चंद जैन, सुरेश कुमार भम्मानी और राधेश्याम उपाध्याय सहित कई लोग उपस्थित रहे।

सहकारी बैंकिंग व्यवस्था पर चर्चा



जयपुर । सहकारिता रजिस्ट्रार एवं शासन सचिव डॉ. समित शर्मा की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारी समितियों के कम्प्यूटरीकरण, ई-पैक्स एवं एम-पैक्स के प्रभावी क्रियान्वयन तथा किसानों को सुलभ बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने निर्देश दिए कि सहकारी समितियों के कम्प्यूटरीकरण के शेष कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करते हुए उन्हें शीघ्र ऑनलाइन प्रणाली से जोड़ा जाए। कम्प्यूटरीकृत समितियों को गो-लाइव करने तथा उनकी कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ई-पैक्स एवं एम-पैक्स के प्रभावी संचालन पर जोर देते हुए कहा कि कम्प्यूटरीकरण के साथ-साथ सिस्टम ऑडिट, डायनेमिक डे-एंड प्रक्रिया तथा अन्य तकनीकी गतिविधियों की नियमित निगरानी की जाए, ताकि सहकारी संस्थाओं का संचालन सुचारू रूप से हो सके। डॉ. शर्मा ने सहकारी बैंकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट, किसान क्रेडिट कार्ड तथा माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं के माध्यम से किसानों को गांव स्तर पर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करते हुए सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में सहकारी संस्थाओं के तकनीकी सुदृढ़ीकरण, डिजिटल सेवाओं के विस्तार तथा किसानों को सहकारिता के माध्यम से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया।

'जल संरक्षण जरूरत और जिम्मेदारी'

जयपुर। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल में 'ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026' के तीसरे दिन मंगलवार को 'जल संरक्षण' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमलाल ने कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जल संरक्षण की शपथ लेकर पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने का संकल्प लिया। मुख्य पर्यावरण अभियंता विष्णु दत्त पुरोहित ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। पानी की बर्बादी रोकने और दैनिक जीवन में छोटे-छोटे उपाय अपनाने से बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने व्यक्तिगत एवं संस्थागत स्तर पर जल बचत को जीवनशैली का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। सहायक मुख्य पर्यावरण अभियंता भुवनेश माथुर ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की जानकारी देते हुए जल प्रदूषण की रोकथाम, अपशिष्ट जल के उपचार और जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखने में मंडल की भूमिका बताई। वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता विजय शर्मा ने वर्षा जल संचयन, जल के पुन: उपयोग और घरों, कार्यालयों एवं औद्योगिक इकाइयों में पानी की बर्बादी रोकने के व्यावहारिक उपाय बताए।

राजीविका दिवाली मेले में ब्लू पॉटरी, कोटा डोरिया, बंधेज व हस्तनिर्मित उत्पादों की मांग

जयपुर (कासं)। राजीविका दिवाली मेला-2026 में खरीदारी का उत्साह चरम पर पहुंच गया है। सातवें दिन भी बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार हस्तनिर्मित उत्पादों, पारंपरिक हस्तशिल्प, सजावटी सामग्री और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की जमकर खरीदारी की।

मेले में ब्लैक पॉटरी, ब्लू पॉटरी, कोटा डोरिया, मोडल सिल्क, अजरख प्रिंट और बंधेज की साड़ियों व सूट की खूब मांग रही। टेराकोटा, मीनाकारी, कशीदाकारी, हैंडमेड अगरबत्ती, जूट के बैग, पापड़-अचार और चमड़े के उत्पाद भी खरीदारों को आकर्षित कर रहे हैं। इन उत्पादों के जरिए ठाामीण महिलाओं को अपने हुनर और उद्यमशीलता के लिए बड़ा बाजार मिल रहा है।

मेले में 10 से अधिक खानपान स्टॉल्स पर भी भीड़ रही। यहां राजस्थानी थाली, बाजरे की खिचडी, मिस्सी रोटी के साथ दाबेली, भेल, फास्ट फूड और प्राकृतिक हस्तनिर्मित आइसक्रीम उपलब्ध हैं। परिवारों ने खरीदारी के साथ विभिन्न व्यंजनों का भी आनंद लिया। 28 अक्टूबर से शुरू हुए राजीविका दिवाली मेले का बुधवार, 4 नवंबर को अंतिम दिन है। मेला सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। प्रवेश नि:शुल्क है। शहरवासी अंतिम दिन ग्रामीण महिला उद्यिमयों के हस्तशिल्प, पारंपरिक कलाओं और स्थानीय उत्पादों की खरीदारी कर सकते हैं।



घर में चल रहा था जुए का अड्डा, चार गिरफ्तार

जयपुर। दीपावली के मद्देनजर जुआ-सट्टा और संगठित अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गलतागेट थाना पुलिस ने लुहार बस्ती में एक मकान पर दबिश देकर चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 1 लाख 4 हजार 400 रुपए की दांव पर लगी राशि और ताश के 52 पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि गलतागेट थानाधिकारी धर्मेंद्र शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम ने लुहार बस्ती स्थित एक मकान में दबिश देकर अनिल लुहार उर्फ बल्लू (27), योगेश लुहार (32), मोहम्मद उस्मान (35) और दयाल लुहार (24) को जुआ खेलते गिरफ्तार किया। अनिल, योगेश व दयाल गणेशपुरी कच्ची बस्ती, गलतागेट के निवासी हैं, जबकि मोहम्मद उस्मान करीम कॉलोनी, ईदगाह का रहने वाला है।

घर बैठे अपडेट होगा पेंशनर्स का डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र

जयपुर। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के समन्वय से पेंशनर्स को घर बैठे नि:शुल्क डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) अपडेट कराने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए 1 से 30 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जाएगा।



ईपीएफओ जयपुर की ओर से पेंशनर्स को पत्राचार, दूरभाष और प्रतिमाह आयोजित होने वाले 'निधि आपके निकट 2.0' शिविरों के माध्यम से जीवन प्रमाण पत्र समय पर अपडेट कराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इस संबंध में ईपीएफओ क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर के क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-द्वितीय (पेंशन) तुषार उत्तम जाधव और आईपीपीबी परिमंडल कार्यालय राजस्थान के वरिष्ठ प्रबंधक अशोक कुमार भुराड़िया के बीच बैठक हुई। इसमें अधिक से अधिक पेंशनर्स को इस सुविधा से जोड़ने पर चर्चा की गई। पेंशनर्स डाक सेवा के माध्यम से घर बैठे जीवन प्रमाण पत्र अपडेट करवा सकेंगे। इसके लिए नजदीकी आईपीपीबी शाखा या ग्रामीण डाक सेवक से संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा उमंग ऐप के जरिए मोबाइल से ऑनलाइन भी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र जमा करने की सुविधा उपलब्ध है।

'बिना वैध अधिसूचना के दूसरे राज्यों की कारों से टैक्स नहीं वसूल सकते'

हाईकोर्ट ने दूसरे राज्यों की प्राइवेट कार-जीप के राजस्थान में 30 दिन से ज्यादा संचालन पर परिवहन विभाग की ओर से की गई कार्रवाई को अवैध करार दिया

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि परिवहन विभाग बिना वैध अधिसूचना के दूसरे राज्यों की गैर परिवहन कार-जीप पर टैक्स वसूलने की कार्रवाई नहीं कर सकता। वहीं अदालत ने दूसरे राज्यों की प्राइवेट कार-जीप के राजस्थान में 30 दिन से ज्यादा संचालन पर परिवहन विभाग की ओर से की गई कार्रवाई को अवैध करार दिया है।

सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश हार्पी कोर नेटवर्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सहित करीब 90 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ताओं से टैक्स के तौर पर वसूली गई राशि 30 दिन में परिवहन विभाग वापस करे और उनके जब्त वाहनों को भी तुरंत रिलीज करें। इस मामले में कई वाहन मालिकों की निजी कारें राजस्थान के बाहर के राज्यों में रजिस्टर्ड थी। इनमें हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, गुजरात, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व अन्य राज्यों के वाहन शामिल थे। इन वाहनों का संबंधित राज्यों में रजिस्ट्रेशन था और उन पर लाइफटाइम टैक्स भी जमा किया हुआ था, लेकिन जब ये वाहन प्रदेश में चल रहे थे तो परिवहन विभाग की उड़नदस्ते टीम ने कई वाहनों को रोककर कार्रवाई की थी।

परिवहन विभाग का कहना था कि दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड निजी वाहन राजस्थान में 30 दिन से अधिक समय तक रखे जा रहे हैं। वाहन मालिकों ने राजस्थान में निर्धारित रोड टैक्स जमा नहीं किया। इसलिए राजस्थान मोटर वाहन कराधान अधिनियम-1951 के तहत इन वाहनों पर टैक्स बकाया है। दूसरी ओर वाहन मालिकों की दलील थी कि वाहन का रजिस्ट्रेशन और लाइफटाइम टैक्स दूसरे राज्य में पहले जमा है तो राजस्थान में एकमुश्त टैक्स की मांग का कोई आधार नहीं है। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद कहा कि 10 जुलाई 2024 की अधिसूचना में यात्री वाहनों और माल वाहनों के लिए टैक्स की दरें निर्धारित की थी। गैर-परिवहन निजी कारों के लिए संबंधित धारा में अलग अधिसूचना उपलब्ध नहीं थी। इसलिए मौजूदा अधिसूचना से दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड निजी कारों से एकमुश्त टैक्स नहीं वसूल सकते।

विद्याधर का बाग में शादी-समारोह और सभी व्यावसायिक गतिविधियों पर तत्काल लगाओ पूर्ण प्रतिबंध : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरक्षित वन क्षेत्र में स्थित विद्याधर का बाग में शादी समारोह सहित अन्य सभी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित करने पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश दिए हैं।

- **अदालत ने वन क्षेत्र के निकट की संपत्ति में रेस्तरां संचालन का टैंडर देने पर सवाल खड़ा करते हुए केस के प्रभारी अधिकारी को 8 दिसंबर को हाजिर होने के आदेश दिए**

अदालत ने वन क्षेत्र के निकट की संपत्ति में रेस्तरां संचालन का टेंडर देने पर सवाल खडा करते हुए केस के प्रभारी अधिकारी को 8 दिसंबर को हाजिर होने को कहा है। अदालत ने मामले में अधिवक्ता अपेक्षा बापना को कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए उन्हें मौका निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सीजे संजय के अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश सिटीजन प्रोटेक्शन सोसायटी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि यह संपत्ति वन्यजीव क्षेत्र के ठीक बगल में है। यहां देर रात के समय आतिशबाजी और लेजर लाइट के उपयोग से वन्यजीवों को असुविधा होती है। ऐसे में इन पर प्रतिबंध लगाना उचित है। अदालत ने कहा है कि गत 29 सितंबर को आदेश जारी कर याचिका को अंतिम सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने को कहा गया था, लेकिन इसे फिर से एडमिशन की श्रेणी में लिस्ट किया गया है। ऐसे में हाईकोर्ट की रजिस्ट्री इस संबंध में पेश करे।

जनहित याचिका में कहा गया कि विद्याधर का बाग एक घोषित स्मारक है और रिजर्व फॉरेस्ट एरिया में स्थित है। यहां शादी और निजी समारोह जैसे आयोजन किए जाते हैं। जिसके कारण देर रात तक तेज संगीत, लेजर लाइट और आतिशबाजी होती है। इसके अलावा 14 सितंबर, 2022 को टेंडर जारी कर रेस्तरां का संचालन भी किया जा रहा है। जिससे वन्यजीवों के विचरण पर प्रभाव पड रहा है। वहीं ऐसी गतिविधियां फॉरेस्ट एरिया में नहीं चल सकती है।

दूसरी ओर राज्य सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता माही यादव ने कहा कि साल 2022 में जारी टेंडर की अवधि पूर्व में ही समाप्त हो चुकी है इसके अलावा वर्तमान में यहां ऐसी कोई गतिविधि संचालित नहीं हो रही है। वन विभाग की ओर से हाजिर अधिवक्ता ने भी एएजी के बात को दोहराया। सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने यहां शादी समारोह सहित सभी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधियों पर तत्काल पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

ARBiT
it happens here...



National Easy-Bake Oven Day: Celebrating a Timeless Culinary Toy

National Easy-Bake Oven Day, celebrated on November 4, honours the iconic toy that has inspired generations of young bakers. Introduced in the 1960s, the Easy-Bake Oven allowed children to create miniature cakes, cookies, and treats safely, sparking creativity and a love for baking from an early age. Beyond its nostalgic charm, the day highlights the joy of experimentation in the kitchen and the confidence that comes from crafting something with your own hands. National Easy-Bake Oven Day is a reminder of how simple tools can ignite imagination, culinary curiosity, and lifelong memories.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
04 November 2026
A-B

#THAROOR

We Don't Qualify On The Poverty Grail

Bangladesh's Edge: Cheaper Labour and Fewer Tariffs?





According to Tharoor, one of the most crucial reasons for Bangladesh's success lies in labour costs. Bangladesh has maintained significantly lower wages than India, making it an attractive destination for global apparel brands seeking to minimize production expenses.

But wages alone didn't explain the entire picture.

Tharoor emphasizes a major structural advantage Bangladesh enjoyed: its status as a Least Developed Country (LDC). Under international trade agreements, LDCs receive preferential treatment in the global trading system. This includes duty-free and quota-free access to many developed markets, particularly in Europe and North America.

"Bangladeshi cloth can be sold in the developed world, with zero percent duty. Indian cloth, on the other hand, might come in at 10, 15, or even 20 percent duty," Tharoor explained in one discussion.

This created a massive pricing advantage for Bangladesh over India. Even if Indian textile products were of equal or superior quality, the tariff disadvantage often made them less competitive in key export markets.

India's Structural and Policy Challenges

While Bangladesh focused aggressively on scaling its readymade garment (RMG) industry, India struggled with infrastructure bottlenecks, regulatory red tape, and labour law rigidity that made it harder for manufacturers to operate efficiently.

India's textile and garment sector has always had enormous potential, given its access to raw materials (like cotton), skilled artisans, and a large domestic market. However, Tharoor suggests that missed policy opportunities and failure to leverage trade agreements held India back from realizing this potential in the global export market.

The Role of International Trade Agreements

Bangladesh's access to tariff-free markets was largely enabled by its participation in Everything But Arms (EBA), an initiative by the European Union that allows LDCs to export all products (except arms and ammunition) duty-free and quota-free.

India, being classified as a developing (not least developed) country, does not qualify for these benefits. Thus, Indian exports often face significant import duties, especially in the European Union.

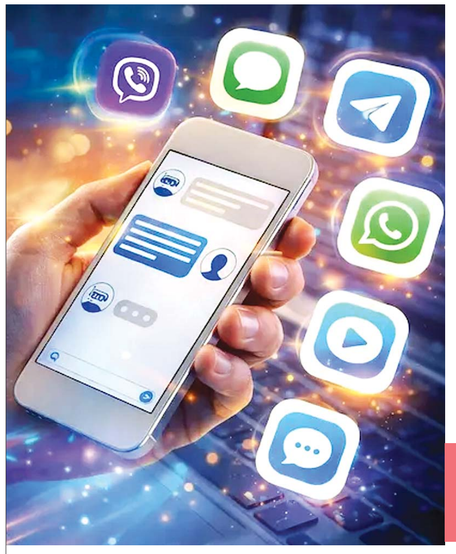
Tharoor points out that this disparity had real-world consequences:

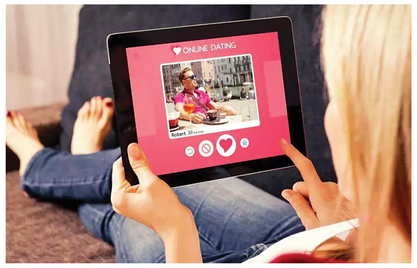
"Therefore, [Bangladesh] became the principal garment exporting country," he noted, pointing to how international classification and policy frameworks can shape industrial outcomes in a very material way.

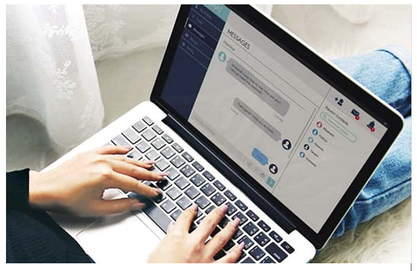
Bangladesh's success as a global garment exporter didn't happen by accident, it was the result of targeted policy, advantageous trade status, and global market alignment. As Shashi Tharoor highlights, India must now reassess its approach, learn from its neighbour's success, and find ways to remain competitive in an increasingly globalized market.

The story of Bangladesh's garment industry is not just a case of regional competition, it is a lesson in how global rules, when strategically leveraged, can transform an economy.









Twelve years of dating apps, and more 'hmms' than I can count. In the last part, I go back to a time when strangers on the internet wrote letters, open my oldest chats, and find one woman saying the same thing for years. That woman is me.

Main Yahin Hoon

PART:4



Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

'Kahan gayab hoooo,' Mr. Byron had written. Before I tell you what I typed back, let me tell you about the short films on my phone.

Many are clearly made with AI, and every one is the same film. A man keeps running to another woman, more glamorous, more lipstick. The woman who loves him waits, and one day quietly picks up her bag and leaves. The moment she leaves, the man wakes up. He runs after her in the rain if the budget allows, and the other woman is left standing there with her lipstick.

Four hundred episodes. Same story. Clearly, the AI has been trained on Indian men.

My phone, it turns out, has been playing the same film for twelve years, with one difference. In the films, the man who runs after the woman gets her back. On the apps, he sends 'kahan gayab ho.'

It was not always like this.

Uh-Oh!

My first chats were on ICQ and Yahoo Messenger, when every new message announced itself with a sound loud enough to wake the whole mohalla. ICQ actually said 'Uh-oh!' The only software in history that knew exactly what was about to happen. More than once, a sentence composed for one gentleman landed in another gentleman's window.

I was the original wrong-window woman. Mr. Bean had his Teddy. I had Yahoo Messenger.

Then, there was MSN Personals, where people wrote about themselves. Not one line. Paragraphs. A name, a photograph, an email address, and a few honest sentences about who they were. The VP of Undergoing's profile was an SUV.

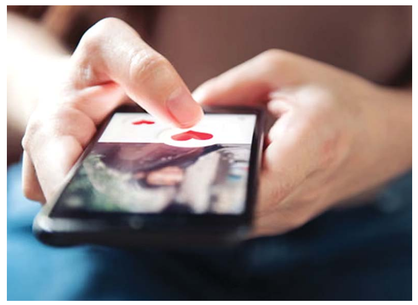
That is where I found Hans, in Denmark. We wrote letters. Real ones, with stamps. I bought onion paper letter pads in those days, the thin kind that crackled, and filled page after page. We exchanged photographs. Nobody wrote 'hmm' in a letter. It would have been a waste of a stamp.

On Yahoo chat, I met Sergeant Brian of the US Army, posted in Afghanistan. He told me about America. He told me he dreamt of visiting India one day.

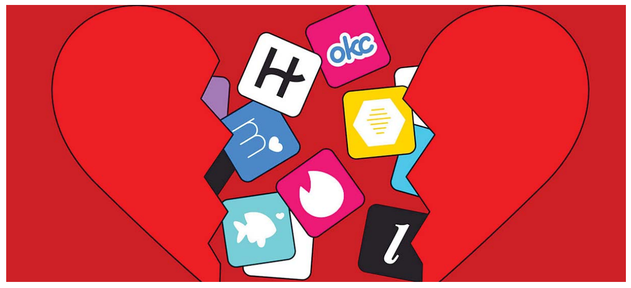
A man sitting in a war zone, dreaming of India. Today's men, sitting in Delhi, cannot dream of visiting Jaipur.

I will be honest. I do not remember a single line Hans or Brian wrote. Nothing was romantic. Nobody asked where I lived, nobody asked to meet, nobody asked whether my kid was okay with it. And when it faded, it simply faded, like a train journey ending at a station. No 'kahan gayab ho.' No 'uth jao g.'

Neither of them ever met me. Neither of them needed to.



#KAHAN GAYAB HO?



Twenty Years Younger

In my twenties, before video calls, I chatted with a man who had a great voice, great humour and great photos. I went to meet him. When I got there, an old uncle was waiting for me. The photos had been taken, at a conservative estimate, twenty years earlier.

I ran. Yes, I stood him up. But he had sent his younger self and turned up as his current one, so, we are even.

And the woman on the chat and the woman who turned up were not always the same person either. One of us had a better filter.

The Father's Ear

And then, there was Vikrant. That is not his name.

We met through a chat. He was nice to talk to, and when we met, he was nice and cool in person too. Then, he started getting possessive. I withdrew. He wanted a relationship. I did not.

So, he threatened me. He would tell my father all about me.

Every Indian girl knows this weapon. It is not a knife. It is her father's ear. It has kept more girls quiet than any lock.

I did not go back. He called my father.

And my father stood up for me. So did my brother. They told him that if he came anywhere near me again, he would have them to deal with. For days after that, the two of them dropped me to work and picked me up, a two-man Z-plus security, minus the safari suits. Vikrant never contacted me again. He had threatened to tell my father. He had not checked whose side my father was on.

So, when a man today asks to meet on the second day, it is not coyness when I say no. I have met a man from a chat before. I know exactly how much a chat can hide.

> Then, there was MSN Personals, where people wrote about themselves. Not one line. Paragraphs. A name, a photograph, an email address, and a few honest sentences about who they were. The VP of Undergoing's profile was an SUV. That is where I found Hans, in Denmark. We wrote letters.

2014: Feku Master

My oldest surviving chat is from January 2014. It began with 'Hey nice pic yar too cute.'

I told him clearly, 'I need a friend nothing more.' 'That's good, same here,' he said, and asked if he could call me. Friendship, it seems, has a very short probation period.

Then, I went quiet, and he did what the men in the short films do. 'Hiiiii.' 'Hiiii, you there?' 'Shellyyyyyyyyy.' Every letter of my app name, and then some 'Yar kuch to bolo.' In November, he found me again. 'Kaha chali gai thi?' He asked if I was single, and when I said yes: 'Gooooddddd. I knew tumhara first boyfriend me hi banunga.'

First boyfriend. At my age. I was flattered and insulted in the same breath. He asked for my number again. 'Nope. Yahin,' I said.

I was like a coconut, he said, 'no nonsense, stubborn and emotionless but very sweet.' Hard outside, sweet inside. Finally, a man who understood me, and he had to go to a fruit market to do it. When I asked why he was wasting his time on me: 'Time waste nahi kar raha, pehli baar time utilize kar raha hu. Baki puri zindagi waste hi kiya tha.'

I asked him if he was a script writer or a feku master.

But the line I keep going back to is his. 'Chatting me feelings nahi ati,' he said. And I, very proudly, replied, 'Feelings are not needed in chats. They are just needed with people u really care about.'

Hold on to that line. It will come back to bite me.

After that, he wrote in January 2017: 'Hi, how are you.' October 2019: 'Hi.' October 2022: 'Hi.' Once every few years, like Halley's comet, except that Halley's comet at least brings a tail.

Breadcrumbing, the young people call it. A crumb every few years, just enough to make sure the bird does not fly away. In my case, the bird flew away in 2014. He is still throwing crumbs.

2022: Three Apps In Three Days

In 2022, a man moved our chat from the app to Telegram. 'This is more comfortable,' he said. Three days later: 'Suno, WhatsApp par connect karein.' 'Why?' 'I feel more comfortable there.' I told him I thought his ghost was speaking.

Three apps in three days. Even my Airbnb guests do not check out this fast.

He asked about me and my son. I have a daughter. Clearly, he had read my profile the way I read terms and conditions. My daughter does not mind whom I chat with, as long as he does not irritate her. This one did not even know she was a girl. By my chat kundli, her gun milan with all of them is a perfect thirty-six. They have never met.

He called once. It lasted one minute. The rest of our great romance happened in 'Gm,' 'Ok,' 'Nice' and 'Hmm.' My own contribution to the literature of that week was 'I apmgoodp.'

Two weeks later: 'Kahan gayab. Koi khabar nahee.'

'Yahin,' I wrote.

Exhibit A: Me

So, here is the one thing I did not expect to find. Me. In every one of these chats.

Asking about wives before saying hello. When I asked the gentleman who loved mathematics, he never replied. Perhaps, he is still solving it. Carry forward one wife.

Saying 'Cool,' 'Ok' and 'Was busy' to men who had written me whole paragraphs.

Telling a man in 2014 that feelings are not needed in chats.

And in 2022, the same woman who cannot stand 'dear' from strangers wrote to one, at 8:47 in the morning, 'Nothing my love..' With a grinning emoji. I have checked. It is my number.

That was the closest I came. Some nights I was tempted to play the woman these men are looking for. Return his I love yous. Call him baby back. I imagined typing 'Missed you, baby.' My thumbs refused. Somewhere inside me sits a satire switch, factory-fitted, no off button. The moment I picture the scene, I start writing the column about it.

Greedy

I am not looking. But I have not stopped noticing. So, what do I actually want? Not a prince. Not a palace. Not even the SUV with the red ribbon.

All I want, at times, is a man who can talk. A man who reads the newspaper and has an opinion on it. Who has a book he loved and one he could not finish, and can tell me why. Who asks how my day was, waits for the answer, and still remembers it on Thursday. And when I am low, does not prescribe honey and cinnamon, just asks, 'Kya hua?' and actually listens.

I want a man who will argue with me. Hold his ground, make me work for mine. And then, if there is logic in what I say, accept it without sulking. Say 'You're right' and not feel smaller for it. Say 'I was wrong' and not feel finished. Yes, I know. Greedy. What I got instead was hmm, okay, acha and dear. Not one of them ever disagreed with me. And no, it was not because I was always right. They simply were not listening.

They reminded me of the nodding toy on a car dashboard. Every bump, it nods. I have seen that toy on a hundred dashboards, and not one of them has ever argued with me either.

Twelve years of dashboard toys. Just once, I would like to lose an argument.

Hans wrote me pages, and never once asked to meet. These men ask to meet, and never once write a page.

And they come looking only when I go quiet. When I reply on time, they reply with 'hmm.' When I disappear, they discover vowels. 'Hiiiii.' 'Shellyyyyy.' 'heloooo.' The longer my silence, the longer their words.

I noticed this long ago. I have learnt to go quiet too.

So, when Mr. Byron's message arrived that night, I typed the same word I had typed in 2014, and again in 2022.

'Yahin.'

Field Notes

And I am. Still on the apps, still chatting. Where else would a VP confess that his divorce is undergoing? Where else would a farmer tell a stranger that every day is Sunday?

So, if you are a gentleman on a chat app, and you have just told a woman in Jaipur that you are separated, kindly check the newspaper.

You may be in it.

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com



#LOUVRE

The Stealing Of Mona Lisa

The daring heist, carried out by a man with an unlikely background, shocked the world and led to a global search for the priceless painting





In 1911, one of the most famous art thefts in history took place when Vincenzo Peruggia, an Italian handyman, stole Leonardo da Vinci's "Mona Lisa" from the Louvre Museum in Paris. The daring heist, carried out by a man with an unlikely background, shocked the world and led to a global search for the priceless painting. The theft, which lasted for over two years, ended up changing the history of art and cementing the Mona Lisa's place as one of the most iconic works of art in the world.

Vincenzo Peruggia: The Man Behind the Theft

Vincenzo Peruggia was born in Italy in 1881 and had worked as a painter and handyman in various locations, including in the Louvre Museum. His connection to the art world was not as a master artist, but rather as an ordinary man who had access to the museum's inner workings. Peruggia was not a career criminal, but rather someone driven by a deep sense of patriotism and frustration with the circumstances of the Mona Lisa's whereabouts. Peruggia believed that the painting, which was acquired by King Francis I of France in the early 16th century, belonged in Italy, not France. His theory was that the painting had been stolen from Italy by Napoleon Bonaparte during his conquests, and that it should be returned to its homeland. Driven by this belief, Peruggia set his sights on stealing the Mona Lisa and returning it to Italy.

The Search for the Stolen Masterpiece

For over two years, the Mona Lisa was missing. When the theft was discovered the following day, it caused a massive uproar across France and the world. The Louvre Museum was immediately closed, and authorities launched an extensive investigation to locate the painting. The theft made headlines worldwide, with newspapers covering the story relentlessly. Famous detectives, including those from the French police and international law enforcement, searched for clues, but the Mona Lisa remained elusive.

The Recovery of the Mona Lisa

The breakthrough came in 1913, when Peruggia finally tried to sell the Mona Lisa to an art dealer in Florence, Italy. The dealer, Giovanni Poggi, was suspicious of the authenticity of the painting, so, he contacted museum authorities. After a careful investigation, it was confirmed that the painting was indeed the original Mona Lisa. The authorities quickly arrested Peruggia. His motive, it turned out, had been driven by nationalism, not personal gain. He had no intention of selling the painting for profit but believed that returning the Mona Lisa to Italy would bring pride to his country. His actions were seen as patriotic by some in Italy, but Peruggia was still charged with theft.

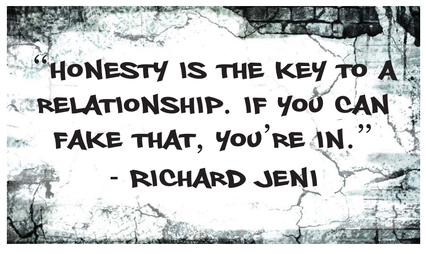
The Aftermath and Legacy

In 1914, Vincenzo Peruggia was tried and convicted for the theft. However, he received a relatively light sentence, just one year and fifteen days in prison. Peruggia's crime was not seen as one of personal greed, but rather as an act of nationalistic fervor. He became something of a folk hero in Italy, with some viewing his actions as a form of resistance against foreign appropriation of Italian culture.

The Mona Lisa was returned to the Louvre in 1913, and its fame soared to unprecedented heights. While it had always been considered a masterpiece, the theft and recovery of the painting only added to its allure. The publicity surrounding the heist helped cement the Mona Lisa as one of the most famous paintings in the world, an icon of Renaissance art.

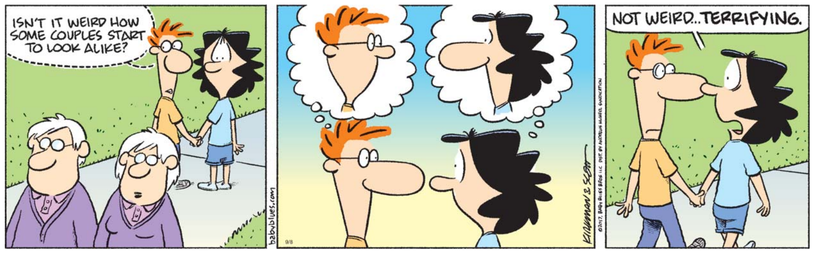


THE WALL



BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman





अगर फैसला मेरे हाथ में होता और सभी खिलाड़ी फिट होते, तो मैं वर्ल्ड कप में खेलने वाले सभी खिलाड़ियों को पूरी वनडे सीरीज में मौका देना चाहता। अगर पहले वनडे, फिर टी-20 और उसके बाद टेस्ट सीरीज होती, तो हम पांचों वनडे में अपनी मजबूत टीम उतार सकते थे। - शुभमन गिल

भारतीय कप्तान, वनडे सीरीज को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **शुभमन गिल**



भारत और न्यूजीलैंड के बीच आज से वनडे सीरीज का आगाज होने जा रहा है। इस सीरीज में टीम इंडिया की कमान शुभमन गिल के हाथों में होगी। शुभमन गिल के लिए न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज सिर्फ कप्तानी और टीम की तैयारियों को परखने का मौका नहीं होगी, बल्कि उनके पास बल्ले से एक बड़ा इतिहास रचने का भी सुनहरा अवसर है। भारतीय कप्तान साल 2026 में क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने से महज 105 रन दूर हैं। अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो इस साल में 1000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान की टीम ने श्रीलंका के खिलाफ लाहौर में 326 रनों का पीछा कर जीत हासिल की। यह किसी भी वनडे टूर्नामेंट के फाइनल में किया गया संयुक्त रूप से सबसे बड़ा सफल रन चेज़ है।

राजस्थान स्टेट सब जूनियर बैडमिंटन चैम्पियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में जयपुर में चल रही राजस्थान स्टेट सब जूनियर (अंडर-15) बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 में मंगलवार को खिलाड़ियों के बीच विभिन्न वर्गों में रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में बालक एकल, बालिका एकल, बालक युगल एवं मिश्रित युगल वर्ग के मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, दमदार स्मैश और बेहतरीन कोर्ट कवरेज का प्रदर्शन किया। मंगलवार को क्वालीफिकेशन मुकाबलों के साथ मुख्य ड्रॉ के राउंड-128 एवं बालक युगल वर्ग के राउंड-64 के मैच खेले गए। कई मुकाबले तीन गेम तक चले, जिनमें खिलाड़ियों ने अंतिम अंक तक संघर्ष किया। क्वालीफिकेशन मुकाबलों के प्रमुख परिणाम: मिश्रित युगल क्वालीफिकेशन राउंड-2 में कान्हा गुर्जर एवं पर्ल पारीक ने वासु देव एवं अनुषा चौधरी को 15-10, 15-8 से हराया। उत्कर्ष सिंह राठौड़ एवं आराध्या ढींगरा ने भूमिक एवं बृंदा लखियानी को 15-3, 15-4 से पराजित किया। अमन गुर्जर एवं साक्षी सिंह ने लक्ष्य राज सिंह नाथावत एवं अरिन सिंह को 15-11, 15-10 से हराया। वहीं हर्ष कंडपाल एवं ओजस्विता दुबे ने नैतिक बंसल एवं राशि सिंघल को 15-6, 15-12 से शिकस्त दी। बालक एकल क्वालीफिकेशन राउंड-4 में अनंशुल कौशिक, विवान सिंह, आर्यन प्रताप तक्षक, मानवेंद्र चौधरी, एकमजीत सिंह, लवित्र अग्रवाल एवं मयंक यादव ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। वहीं क्वालीफिकेशन के अन्य मुकाबलों में सूर्यवीर सिंह चुंडावत, हर्षित चौधरी, दिव्यांश व्यास, आयुष सिंह गोगावत, मुदित सिंह, अद्विक मित्तल, पुण्य मिगलानी, अर्जुन विजयवर्गीय, हर्ष कंडपाल, अंश जैन, नक्ष जैन, आरव सैनी एवं लक्ष्य देवेंदा ने भी जीत दर्ज की।

अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी में सचिन और पार्थ के शतक

जयपुर, 3 नवंबर। जयपुर में राजस्थान और बिहार के बीच शुरू हुए अंडर-23 सीके नायडू ट्रॉफी मुकाबले के पहले दिन राजस्थान के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज सचिन लखेसर और पार्थ यादव ने शानदार शतकीय पारियां खेलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। राजस्थान ने पहले दिन का खेल समाप्त होने तक तीन विकेट पर 332 रन बना लिए। सचिन लखेसर ने 213 गेंदों पर 17 चौकों की मदद से 137 रन बनाए, जबकि पार्थ यादव ने 182 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की सहायता से 101 रन की पारी खेली। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। प्रशांत माली ने 33 रन का योगदान दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर कप्तान मुकुल चौधरी 21 और करण सिंह 27 रन बनाकर नाबाद थे। राजस्थान की टीम दूसरे दिन इसी मजबूत शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के इरादे से उतरेगी।

अंडर-14 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 10 को

जयपुर, 3 नवंबर। जयपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से अंडर-14 चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयन ट्रायल 10 नवंबर को सुबह 9 बजे केएल सैनी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। ट्रायल में केवल जयपुर के खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। इसके लिए खिलाड़ी का जन्म 1 सितंबर 2012 से 31 अगस्त 2015 के बीच होना अनिवार्य है। ट्रायल में शामिल होने के इच्छुक खिलाड़ियों को अपना रजिस्ट्रेशन 4 और 5 नवंबर को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक केएल सैनी स्टेडियम में करवाना होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक दस्तावेज: कंप्यूटर से जारी जन्म प्रमाण पत्र।, खिलाड़ी एवं माता-पिता के आधार कार्ड।, मूल निवास प्रमाण पत्र।, पिछले तीन वर्षों की मार्कशीट।

सीनियर टी-20 चैलेंजर प्रतियोगिता में दौसा के दिव्यांशु सिंह गौसिंगा का चयन

जयपुर, 3 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से 4 नवंबर से जयपुर में आयोजित होने वाली सीनियर टी-20 चैलेंजर प्रतियोगिता के लिए दौसा जिले के क्रिकेटर दिव्यांशु सिंह गौसिंगा का चयन हुआ है। उन्हें प्रतियोगिता में टीम-बी में शामिल किया गया है। जिला क्रिकेट संघ दौसा के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि इस प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों के करीब 50 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें दौसा जिले से दिव्यांशु सिंह का चयन होना जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने बताया कि चैलेंजर प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम में चयन का अवसर मिलेगा। दिव्यांशु के चयन पर जिला क्रिकेट संघ के पदाधिकारियों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं और प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

स्टेप हेड क्रिकेट अकादमी ने मिनर्वा क्रिकेट क्लब को 204 रन से हराया

जयपुर, 3 नवम्बर। यू-14 मानसून कप क्रिकेट प्रतियोगिता में स्टेप हेड क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मिनर्वा क्रिकेट क्लब को 204 रन से पराजित किया। स्टेप हेड क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में 8 विकेट पर 293 रन बनाए। इसमें दिगेश्वर ने 73, नवीन शर्मा ने 51 और रुद्र प्रताप सिंह ने 45 रन का योगदान दिया। मिनर्वा क्रिकेट क्लब की ओर से लेबास सिंह, सुहन और शशांक ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में मिनर्वा क्रिकेट क्लब की टीम 30 ओवर में 89 रन पर सिमट गई। करण शर्मा ने सर्वाधिक 35 रन बनाए। स्टेप हेड की ओर से अभय सिंह शेखावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट झटके, जबकि निर्भय सिंह शेखावत ने 2 विकेट लिए।

भारत बनाम न्यूज़ीलैंड वनडे : अनुभवहीन गेंदबाजी के साथ उतरेगी भारतीय टीम

ऑकलैंड, 3 नवम्बर। रोहित शर्मा और विराट कोहली पर एक बार फिर से सभी की निगाहें टिकी रहेंगी लेकिन भारत के अनुभवहीन गेंदबाजी आक्रमण के कारण न्यूजीलैंड बुधवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की वनडे श्रृंखला में बेहतर स्थिति में नजर आ रहा है। वनडे श्रृंखला के बाद होने वाली टेस्ट श्रृंखला को ध्यान में रखकर जसप्रीत बुमराह को विश्राम दिया गया है जबकि प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा चोटिल होने के कारण टीम से बाहर हैं। ऐसे में अनुभवी मोहम्मद सिराज को अतिरिक्त जिम्मेदारी उठानी होगी। सिराज के अलावा भारतीय टीम में शामिल अन्य चार विशेषज्ञ गेंदबाजों अर्शदीप सिंह (18), गुरनूर बराड़ (09), अंशुल कंबोज और आकिब नबी (एक-एक) के पास कुल मिलाकर 29 वनडे मैचों का अनुभव है। टौरंगा में पांचवें और अंतिम वनडे के तुरंत बाद शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए अंतिम दो वनडे में भारत के कुछ स्टार खिलाड़ी नहीं खेलेंगे। वनडे श्रृंखला 15 नवंबर को समाप्त होगी और पहला टेस्ट मैच 19 नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा। यहां तक कि कप्तान शुभमन गिल भी टेस्ट मैचों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेलेंगे। गिल ने पहले वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, "अगर वनडे श्रृंखला और टेस्ट श्रृंखला के बीच कुछ अधिक अंतराल होता तो हम सभी पांच मैच में खेलते लेकिन वनडे और टेस्ट मैचों के बीच बहुत कम अंतराल होने



के कारण हमें कार्यभार का प्रबंधन करना होगा। इसलिए टेस्ट टीम में शामिल कुछ खिलाड़ी आखिरी दो वनडे नहीं खेल पाएंगे।" दक्षिण अफ्रीका की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में चौथे नंबर पर काबिज भारत के लिए फाइनल में पहुंचने की राह कठिन हो गई है। उसे अब बाकी बचे सात टेस्ट मैचों में से कम से कम छह जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि कुछ अन्य मैचों के परिणाम उसके अनुकूल रहें। यही वजह है कि भारत टेस्ट श्रृंखला को ज्यादा प्राथमिकता दे रहा है। वनडे में भारत के शीर्ष पांच बल्लेबाज लगभग तय हैं। रोहित और कप्तान गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और उप कप्तान श्रेयस अय्यर का नंबर आता है। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर अक्षर पटेल और नितीश कुमार रेड्डी (जो केवल पहले वनडे के लिए उपलब्ध हैं) को छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है।

टीम इस प्रकार हैं- भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, इशान किशन, कुलदीप यादव, नमन धीर। **न्यूजीलैंड:** मिचेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, टॉम लैथम (विकेट कीपर), विल यंग, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, माइकल ब्रैसवेल, जैकब डफी, काइल जैमीसन, मैथ्यू फिशर, मैट हेनरी, ब्लेयर टिकनर, नाथन स्मिथ। मैच भारतीय समयानुसार सुबह 7:30 बजे शुरू होगा।

मैक्सवेल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

टी-20 इंटरनेशनल में ऑस्ट्रेलिया के तीसरे टॉप स्कोरर

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब इंटरनेशनल क्रिकेट में नहीं खेलेंगे। 38 साल के मैक्सवेल ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है। वे जून 2025 में वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह चुके हैं। उन्होंने लिस्ट- और फर्स्ट-क्लास क्रिकेट से भी संन्यास लिया है। हालांकि, वे मेलबर्न स्टार्स के लिए बिग बैश लीग खेलते रहेंगे। टीम के साथ उनका कॉन्ट्रैक्ट 2027-28 सीजन तक है। वे में भी खेल सकते हैं। मैक्सवेल ने आखिरी इंटरनेशनल मैच फरवरी 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप में ओमान के खिलाफ खेला था। यह ऑस्ट्रेलिया का आखिरी ग्रुप मैच था।

130 टी-20 इंटरनेशनल खेले: मैक्सवेल ने 2012 में पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया था। उन्होंने 130 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 2,897 रन बनाए। वे इस फॉर्मेट



में ऑस्ट्रेलिया के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 5 शतक दर्ज हैं। भारत के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी टी-20 इंटरनेशनल में इतने ही शतक हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 7 टेस्ट भी खेले। इसमें 339 रन बनाए। उनका इकलौता टेस्ट शतक 2017 में भारत के खिलाफ रांची में आया था।

फ्यूचर को लेकर लगातार बातचीत, पर दबाव नहीं था: मैक्सवेल ने कहा कि उनके भविष्य को लेकर कुछ समय से बातचीत चल रही थी। 'द फाइनल वर्ड' पॉडकास्ट में उन्होंने बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में इस पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, टीम मैनेजमेंट की ओर से कोई दबाव नहीं था। हमने वापसी का रास्ता खुला रखा था। कुछ सीरीज में टीम नए खिलाड़ियों को मौका देना चाहती थी। बांग्लादेश में ऐसा हुआ और खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

एमसीजी में विदाई मैच की उम्मीद थी: इंग्लैंड के खिलाफ व्हाइट-बॉल दौरे में मेलबर्न में एक टी-20 मैच खेला जाएगा। मैक्सवेल को उम्मीद थी कि ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड उन्हें अपने घरेलू मैदान पर विदाई मैच खेलने का मौका देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल में यह फॉर्मेट उनके लिए घर जैसा रहा है, इसलिए वे मेलबर्न में यादगार विदाई चाहते थे। मैक्सवेल ने बताया कि इंग्लैंड के खिलाफ इस मैच में खेलने का विकल्प था, लेकिन उन्होंने की तैयारी को प्राथमिकता दी। वे घुटने की चोट से उबरने के लिए 8 हफ्ते तक रिहैब करेंगे, ताकि बिग बैश लीग के लिए फिट हो सकें।

वनडे सीरीज के पहले मैच से डेवोन कॉन्वे बाहर

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज का आगाज होने में अब कुछ ही घंटे का वक्त बाकी है, इस बीच न्यूजीलैंड की टेंशन कम होने का नाम नहीं ले रही है। अब मैच से एक दिन पहले अचानक से टीम के स्टार खिलाड़ी डेवोन कॉन्वे पहले मुकाबले से बाहर हो गए हैं। मंगलवार को ही अब से कुछ देर पहले वे अपने ही साथी से टकरा गए, ऐसे में उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। इस बीच दूसरे खिलाड़ी मैट हेनरी भी चोटिल हुए हैं, लेकिन उनकी हालत सामान्य है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मंगलवार को टीम एक ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा ले रही थी। इसी दौरान डेवोन कॉन्वे और मैट हेनरी एक कैच लेने के प्रयास में टकरा गए। इससे दोनों को चोट लगी है। दोनों को तुरंत मैदान से बाहर जाना पड़ा और उन्हें मेडिकल की सुविधा दी गई। पता चला है कि डेवोन कॉन्वे के सिर में चोट लगी है।

यशस्वी जायसवाल की 155 रन की नाबाद पारी

162 गेंदों में 15 चौके, 5 छक्के लगाए, इंडिया-ए और न्यूजीलैंड-ए मैच ड्रॉ

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच क्राइस्टचर्च में खेला गया दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट ड्रॉ रहा। मैच के तीसरे दिन भारत-ए ने दूसरी पारी में 2 विकेट पर 282 रन बनाए। पहली पारी में न्यूजीलैंड-ए को 78 रन की बढ़त मिली थी। भारत ने पहली पारी में 346 रन बनाए थे, जबकि न्यूजीलैंड-ए ने 424 रन बनाए। दूसरी पारी में भारत-ए के लिए यशस्वी जायसवाल ने नाबाद 155 रन बनाए। उन्होंने 162 गेंदों की पारी में 15 चौके और 5 छक्के लगाए। यश राठौड़ ने भी 122 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। उनकी पारी में 9 चौके शामिल रहे। साई सुदर्शन 11 रन बनाकर आउट हुए, जबकि देवदत्त पडिक्कल खाता नहीं खोल सके। जायसवाल और राठौड़ ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 247 रन की साझेदारी की। इससे पहले भारत-ए ने पहली पारी में 346 रन बनाए थे। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 105 रन की पारी खेली। उन्होंने 171 गेंदों का सामना किया और 11 चौके व 3 छक्के लगाए। देवदत्त पडिक्कल ने 80 और आकाश दीप ने 68 रन बनाए। साई सुदर्शन ने भी 41 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड-ए की ओर से फ्रेजर शीट ने 4 विकेट लिए, जबकि ब्रेट रैंडेल और जारोड मैके को 2-2 विकेट मिले। न्यूजीलैंड-ए ने पहली पारी में 424 रन बनाए। मैथ्यू बॉयल ने 110 और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 93 रन बनाए। क्रिस्टियन क्लार्क ने 41, फ्रेजर शीट ने 40 और जारोड मैके ने 33 रन जोड़े।



रणजी में रोहन का शतक, महिपाल लोमरोर 97 रन बनाकर चूके

हिमाचल के खिलाफ राजस्थान ने बनाई 222 रन की बढ़त, दूसरी पारी में स्कोर 297/4





जयपुर, 3 नवंबर। धर्मशाला में मेजबान हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के बीच खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दूसरे दिन राजस्थान ने शानदार वापसी करते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली। राजस्थान के सलामी बल्लेबाज रोहन राजभर ने शानदार शतक लगाया, जबकि पूर्व कप्तान महिपाल लोमरोर शतक से मात्र तीन रन दूर रह गए। मैच के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद दूसरे दिन विपरीत परिस्थितियों में बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने दूसरी पारी में दिन का खेल समाप्त होने तक चार विकेट पर 297 रन बना लिए। राजस्थान रणजी टीम के मीडिया मैनेजर मनीष शर्मा के अनुसार, पहली पारी में 78 रन पर सिमटने के बाद राजस्थान ने हिमाचल को 153 रन पर आउट किया था। इस तरह हिमाचल को पहली पारी में 75 रन की बढ़त मिली। दूसरी पारी में राजस्थान ने 27 रन पर सचिन यादव का पहला विकेट गंवा दिया। इसके बाद रोहन राजभर और महिपाल लोमरोर ने दूसरे विकेट के लिए 209 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संकट से उबारा। रोहन राजभर ने 263 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 140 रन बनाए, जबकि महिपाल लोमरोर ने 190 गेंदों पर 10 चौकों की सहायता से 97 रन की पारी खेली। करण लाम्बा ने 29 रन बनाए। दिन का खेल समाप्त होने पर कप्तान कार्तिक शर्मा 9 और विशाल हर्ष बिना खाता खोले नाबाद थे। हिमाचल के लिए अर्पित गुलेरिया और अभिषेक कुमार ने दो-दो विकेट लिए। राजस्थान की कुल बढ़त 222 रन हो गई है और उसके छह विकेट शेष हैं।

सात्विक जैन के ऑलराउंड प्रदर्शन के बावजूद डायमंड क्रिकेट एकेडमी हारी

जयपुर, 3 नवंबर। मैत्री क्रिकेट क्लब की ओर से आयोजित पांचवीं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी और एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी के बीच मुकाबला खेला गया। मुकाबले में सात्विक जैन ने 35 रन बनाने के साथ 13 रन देकर 4 विकेट हासिल किए। वहीं डैशमण्ड क्रिकेट एकेडमी की ओर से सुहाना ने 38 रन और अल्तमश हुसैन ने 44 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी की ओर से सात्विक जैन के अलावा गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। अंत में एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी ने मुकाबला अपने नाम किया।

यूथ कप अंडर-14 : आरसीसी व दी राजस्थान एकेडमी जीती

जयपुर 3 नवंबर। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित यूथ कप अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए मैचों में आर सी सी ने संस्कार एकेडमी को 96 रनो से हराया तथा दी राजस्थान एकेडमी ने कोड़ाई एकेडमी को 2 विकेट से हराया। आज प्रात: आर जे 14 ग्राउंड पर कोड़ाई एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तनवी शर्मा के 12 रन, हियांशिका शेखावत के 59 रन, मोंटी के 24 रन, सार्थक यादव के 15 रन व कार्तिकेय चौहान के 14 रनो से 35.4 ओवर में 162 रन बनाए। दी राजस्थान एकेडमी के लिए दुष्यंत ने 34 पर 3, अमन खोखर ने 27 पर 2, रुतबा चौधरी, रक्षित ब प्रिंस मीणा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में दी राजस्थान एकेडमी ने कार्तिक के 61 रन, दुष्यंत के 40 रन व अभय चौधरी के 30 रनो से 35.3 ओवर में 8 विकेट पर 168 रन बनाकर मैच जीत लिया। कोड़ाई एकेडमी के लिए सम्यक जैन ने 17 पर 3, कुशल कुमावत ने 10 पर 2, राघव तिवाड़ी व सार्थक यादव ने एक - एक विकेट लिया। दूसरे मैच में संस्कार ग्राउंड पर आर सी सी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव जोनवाल के 59 रन, धीर यादव के 28 रन, चिंटू यादव के 64 रन व राजवीर सोलंकी के 18 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 232 रन बनाए। संस्कार एकेडमी के लिए रिदिमा शेखावत ने 47 पर 3, दक्ष सेन ने 20 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में संस्कार एकेडमी की टीम आरव खंडेलवाल के 21 रन, रिधिमा शेखावत के 18 रन, माधव के 32 रन व दक्ष सेन के 23 रन से 40.2 ओवर में 136 रन बनाकर आउट हो गई।

प्रेमा ने महिला टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक लगाया

14 गेंदों में फिफ्टी लगाई, सीनियर विमेंस ट्रॉफी में हैदराबाद के खिलाफ बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। भारतीय क्रिकेटर प्रेमा रावत ने महिला टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगा दिया है। 24 साल की प्रेमा ने सीनियर विमेंस टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की ओर से खेलते हुए हैदराबाद के खिलाफ 14 गेंदों में फिफ्टी पूरी की। उन्होंने 50 रन की नाबाद पारी खेली। इससे पहले यह रिकॉर्ड 15 गेंदों में अर्धशतक लगाने



वाली तीन खिलाड़ियों के नाम संयुक्त रूप से था। पुणे के क्रिकेट स्टेडियम में उत्तराखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 187 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद की टीम 98 रन ही बना सकी। उत्तराखंड ने यह मैच 89 रन से जीता। प्रेमा ने बल्ले के बाद गेंद से भी कमाल किया और 12 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। प्रेमा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरीं। उस समय पारी के सिर्फ आखिरी तीन ओवर बाकी थे। उन्होंने आते ही तेज गेंदबाज साक्षी राव की गेंदों पर लगातार तीन चौके लगाए। इसके बाद ऑफ स्पिनर वांका पूजा के ओवर में 18 रन बटोरे। आखिरी ओवर में उन्होंने कुंचला नितीशा की गेंदों पर छक्के और चौके लगाए। उनकी पारी में 6 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। स्ट्राइक रेट 357.14 रहा। दूसरे छोर पर राघवी बिष्ट ने भी शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 50 गेंदों में नाबाद 72 रन बनाए।

स्पेनिश फुटबॉलर का 30 साल की उम्र में निधन



नई दिल्ली, 3 नवम्बर। स्पेन के फुटबॉल क्लब सीडी टेनेरिफ के स्ट्राइकर जीसस डी मिगुएल का 30 साल की उम्र में निधन हो गया। सोमवार, 2 नवंबर को स्पेन की दूसरी डिवीजन लीग में एफसी अंडोरा के खिलाफ मुकाबले के आखिरी मिनटों में उनकी टक्कर विपक्षी टीम के गोलकीपर जीसस ओवोनो से हो गई थी। गंभीर हालत में उन्हें मैदान से अस्पताल पहुंचाया गया। अगले दिन यानी 3 नवंबर की सुबह 8 बजे क्लब ने उनके निधन की पुष्टि की। यह हादसा मैच के इंजरी टाइम में हुआ, जब दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं। अंडोरा के गोलकीपर ओवोनो गेंद को रोकने के लिए अपने गोल से काफी आगे निकल आए। इसी दौरान उनकी टक्कर डी मिगुएल से हुई। ओवोनो का घुटना डी मिगुएल के सीने से टकराया और स्ट्राइकर मैदान पर गिर पड़े। टेनेरिफ और अंडोरा के बीच मुकाबला स्पेन के सांता क्रूज डी टेनेरिफ स्थित हेलियोडोरो रोड्रिगेज लोपेज स्टेडियम में खेला जा रहा था। घरेलू टीम टेनेरिफ ने शुरुआत में 2-0 की बढ़त बना ली थी।

रोहित-विराट 6 साल बाद न्यूजीलैंड में साथ खेलेंगे

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। रोहित शर्मा और विराट कोहली फरवरी 2020 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड की धरती पर साथ खेलेंगे। दोनों आखिरी बार 29 फरवरी 2020 को हैमिल्टन में तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में उतरे थे। इसके बाद वे 4 नवंबर को पांच



वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में एक साथ उतरेंगे। टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने के बाद अब दोनों सिर्फ वनडे खेल रहे हैं। ऐसे में यह सीरीज 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने का मौका है। यह दोनों का न्यूजीलैंड का आखिरी दौरा भी हो सकता है। न्यूजीलैंड की पिचों पर तेज गेंदबाजों को हवा और उछाल से मदद मिलती है। गेंद स्विंग होने पर बल्लेबाजों के लिए उसे सही समय पर खेलना चुनौती बन जाता है। इन परिस्थितियों में विराट कोहली का रिकॉर्ड रोहित शर्मा से बेहतर रहा है। कोहली न्यूजीलैंड में 600 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 4 रन दूर हैं। उन्होंने वहां 13 वनडे में 596 रन बनाए हैं। उनका औसत 49.66 और स्ट्राइक रेट 91.41 है। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं।

रोहित ने न्यूजीलैंड में 14 वनडे में 437 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.41 और स्ट्राइक रेट 72.95 है। उनके नाम 4 अर्धशतक हैं, लेकिन वे अब तक यहां वनडे शतक नहीं लगा सके हैं। न्यूजीलैंड में विराट कोहली की सबसे यादगार वनडे पारी 19 जनवरी 2014 को नेपियर में आई थी। उन्होंने 111 गेंदों पर 123 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड की धरती पर यह उनका इकलौता वनडे शतक है। इसी दौरे पर उन्होंने हैमिल्टन में 65 गेंदों पर 78 और ऑकलैंड में 70 गेंदों पर 62 रन की पारियां भी खेली थीं। न्यूजीलैंड में रोहित शर्मा का सबसे बड़ा वनडे स्कोर 87 रन है। उन्होंने 26 जनवरी 2019 को माउंट माउंगानुई में यह पारी खेली थी। शिखर धवन के साथ उन्होंने पहले विकेट के लिए 154 रन जोड़े। धवन ने 66 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से भारत ने 50 ओवर में 4 विकेट पर 324 रन बनाए और मुकाबला 90 रन से जीत लिया।

सौरभ और ख्याति बने जयपुर जिला टेबल टेनिस चैम्पियन

जिला चैंपियनशिप में 400 खिलाड़ियों ने लिया भाग, विभिन्न आयु वर्गों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम



जयपुर, 3 नवंबर। जयपुर जिला टेबल टेनिस संघ की ओर से आयोजित दो दिवसीय जयपुर जिला टेबल टेनिस चैंपियनशिप-2026 का सोमवार को एसएमएस स्टेडियम स्थित टेबल टेनिस हॉल में समापन हुआ। प्रतियोगिता में करीब 400 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में भाग लिया। पुरुष एकल वर्ग में सौरभ कपूर और महिला एकल वर्ग में ख्याति शर्मा ने खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के सचिव राजकेश मीणा रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद के स्पोर्ट्स ऑफिसर करण सिंह मनीष, सृष्टि फाउंडेशन के विवेक शर्मा, फिनोवा कैपिटल के राहुल साहनी और राजस्थान वेटरन कमेटी के संयोजक दीपक दास उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर टेबल टेनिस के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रणय गुप्ता तथा पेट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड के अंतर्गत प्रशिक्षण के लिए चयनित जयपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी हर्षवर्धन सिंह को भी सम्मानित किया गया।

विभिन्न वर्गों के विजेता- पुरुष एकल: प्रथम सौरभ कपूर, द्वितीय नैतिक वीर, तृतीय अरिजय कुच्छल एवं भावित सिंह बिष्ट।, महिला एकल: प्रथम ख्याति शर्मा, द्वितीय आरना साहनी, तृतीय समृद्धि व्यास एवं प्रत्युषा शर्मा।, अंडर-11 बालक: प्रथम तारुष शर्मा, द्वितीय मानविक शर्मा, तृतीय अव्या सोगानी एवं यजत झा।, अंडर-11 बालिका: प्रथम मृगया राजपूत, द्वितीय अशिया शर्मा, तृतीय आध्या नेगी एवं अधिरा माहेश्वरी।, अंडर-13 बालक: प्रथम आरव साहनी, द्वितीय तारुष शर्मा, तृतीय मानविक शर्मा एवं निर्वाण जैन।, अंडर-13 बालिका: प्रथम आरना साहनी, द्वितीय मायरा राजपूत, तृतीय आध्या नेगी एवं आराध्या सैनी।, अंडर-15 बालक: प्रथम भावित सिंह बिष्ट, द्वितीय दक्ष सोनी, तृतीय समृद्ध बगड़ा एवं आरव साहनी।

चौमूं के जैतपुरा क्षेत्र में नकली घी बनाने की आशंका पर 35 हजार लीटर घी सीज़

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने घी के पीपे सीज़ कर फैक्टरी पर भी ताला लगाया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के ग्राम जैतपुरा इलाके में नकली घी बनाने की सूचना मिलने के बाद खाद्य एवं चिकित्सा विभाग में हड़कंप मच गया। सूचना पर विभागीय अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और एक फैक्टरी में जांच-पड़ताल शुरू की। प्रारंभिक जानकारी में फैक्टरी के अंदर नकली घी बनाए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, पूरे मामले का वास्तविक खुलासा जांच और सैंपल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने फैक्टरी में रखे 35 हजार लीटर घी से भरे पीपों को सीज कर दिया। इसके साथ ही जिस फैक्टरी में घी का निर्माण किया जा रहा था, उसे भी सीज कर दिया गया।

विभाग की इस कार्रवाई से इलाके के साथ ही चौमूं उपखण्ड में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि फैक्टरी में तैयार किए जा रहे घी की गुणवत्ता और उसके निर्माण की प्रक्रिया को लेकर विभागीय अधिकारी जांच कर रहे हैं। साथ ही यह आशंका भी जताई जा रही है कि यहां तैयार घी की सप्लाई बाजार में की जा सकती थी। हालांकि, घी नकली है या गुणवत्ता मानकों के विपरीत तैयार किया जा रहा था, इसकी पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद ही होगी।



खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम और पुलिस ने फैक्टरी में रखे घी को सीज़ करने की कार्रवाई की।

- पूरे मामले का वास्तविक खुलासा जांच और सैंपल रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा

जयपुर सीएमएचओ प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन में पूरी कार्रवाई की गई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में घी किस उद्देश्य से तैयार किया जा रहा था और इसकी सप्लाई कहां-कहां की जानी थी। खाद्य विभाग की जांच के बाद ही पूरे नेटवर्क और जिम्मेदार लोगों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। सूचना मिलने पर चौमूं थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची है।

जानकारी के अनुसार भूरावाली चिमनपुरा में घी फैक्टरी पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 35 हजार लीटर घी जब्त किया है और फैक्टरी सीज की गई है। चौमूं के ग्राम जैतपुरा के पास भूरावाली ग्राम पंचायत के चिमनपुरा गांव में रेलवे लाइन के पास संचालित हिमालय डेयरी प्रोडक्ट्स फैक्टरी पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई की। फैक्टरी में अलग-अलग नामों से पैकिंग फैक्टरी में राजस्थान सरस, डेयरी ब्रदर्स, श्री किरण सरस, माटुला, चॉइस डेयरी, रघु श्री और गणक सहित कई ब्रांड के नाम से घी पैक मिला। 200 मिलीलीटर से लेकर 15 लीटर तक की पैकिंग मिली।

चूरू में नगरपरिषद के ट्रैक्टर ने युवक को कुचला

चूरू, (निसं)। जिला मुख्यालय पर सोती भवन के पास नगर परिषद के ट्रैक्टर की चपेट में आने से 38 वर्षीय युवक विनोद की मौत हो गई। हादसे के बाद मंगलवार सुबह मृतक के परिजनों, वार्डवासियों और एससी समाज के लोगों ने राजकीय भरतिया अस्पताल की मोर्चरी के आगे धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर परिषद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मृतक के परिवार को उचित मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी और दोषी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार को विनोद राशन लेने गया था। इसी दौरान नगर परिषद के ट्रैक्टर चालक ने कथित लापरवाही से वाहन चलाते हुए विनोद को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल विनोद को तत्काल राजकीय भरतिया अस्पताल के आपातकालीन वार्ड लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक का शव मिला, हत्या की आशंका जताई

राजलदेसर, (निसं)। कस्बे के निकट सिमसिया-धातरी मार्ग पर मंगलवार को एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सड़क किनारे शव मिलने की सूचना पर आसपास के ग्रामीणों सहित लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर राजलदेसर थानाधिकारी बेगाराम मीणा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं एफएसएल टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। शुरुआत में युवक की पहचान नहीं हो पाई थी। बाद में मृतक की पहचान दुलरासर निवासी पवन कुमार नायक के रूप में हुई। पुलिस ने शव को राजलदेसर राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। मृतक के छोटे भाई राकेश नायक ने पुलिस को लिखित शिकायत देकर हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की है।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में सफाई व्यवस्था हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन **GSU2627SLRC00031** हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी **http://sppp.rajasthan.gov.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/26/12848 वित्त नियंत्रक

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर

मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888

क्रमांकः–न.प.धौ./2026–27/9433–35 दिनांकः– 28.10.2026

निविदा आमंत्रित सूचना ई–27,28

नगर परिषद धौलपुर द्वारा पंजीकृत संवेदकों से नगर परिषद क्षेत्र में सफाई कार्य हेतु मानव सेवा मय ट्रेक्टर–ट्रॉली कार्य तथा निराश्रित गौवंशों को पकडने व नगर परिषद क्षेत्र में गौशाला में स्वयं के वाहन से छोडने का कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 10 लाख रू से 25 लाख रू है।

UBN No.-DLB2627SLOB23464, DLB2627SSOB23468

विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/12892 नगर परिषद धौलपुर

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर

मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888

क्रमांकः–न.प.धौ./2026–27/9408–10 दिनांकः– 28.10.2026

निविदा आमंत्रित सूचना ई– 29

नगर परिषद धौलपुर द्वारा विभिन्न विकास कार्यो हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 13.11 लाख रू से 48.15 लाख रू है। निविदा से संबंधित शर्तें एवं जानकारी व दस्तावेज www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड/ अपलोड लिये जा सकते है।

UBN No.- DLB2627WSOB23515, DLB2627WSOB23516, DLB2627WSOB23522, DLB2627WSOB23524, DLB2627WSOB23528, DLB2627WSOB23530

आयुक्त

राज.संवाद/सी/26/12895 नगर परिषद धौलपुर

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

टोडरमल रोड, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749

क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 25287429 दिनांक :- 31/10/2026

ई-निविदा सूचना संख्या 33/2026-27

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यो अनुमानित लागत राशि 715.83 लाख की ई–निविदा क्रम संख्या (1) दिनांक 25.11.2026 सांय 06:00 एवं क्रम संख्या (2) दिनांक 12.11.2026 सांय 06:00 बजे एवं क्रम संख्या (3) दिनांक 10.11.2026 दोपहर 02:00 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।

UBN: AJD2627WLOB00171, AJD2627WSOB00172, AJD2627WSRC00173

राज.संवाद/सी/26/12842 अधिशाषी अभियन्ता

Rajasthan Medical Services Corporation Ltd.

D-Block, Swasthya Bhawan, C-Scheme, Jaipur - 302005

Ph. No. 0141-2223887, Fax No. 0141-2228065, E-Mail-edepmrmsc-rj@nic.in

Ref. No. :- F-8() RMSC/EPM/ M-2/2026-27/NIB-958/975 Dated :- 30/10/2026

Corrigendum / Addendum

Bid for item "Multiparameter Urine Strips for pregnant women" (NIB-958) are invited from interested bidders up to Date: 18.11.2026 : 06:00 P.M. Other particulars of the Corrigendum / Addendum may be visited on Procurement portal website https://sppp.rajasthan.gov.in or www.dipronline.org or https://eproc.rajasthan.gov.in or website http://rmsc.health.rajasthan.gov.in.

UBN: MSC2627GLRC00066 Director (Procurement)

Raj.Samwad/C/26/12857 Rajasthan Medical Services Corporation

कार्यालय नगर परिषद धौलपुर

मचकुण्ड रोड धौलपुर Email Id- dholpur.jaipur@gmail.com, Ph- 05642-220888

क्रमांकः–न.प.धौ./2026–27/9478–80 दिनांकः– 29.10.2026

अल्पकालीन निविदा आमंत्रित सूचना ई–30,31,32,33

नगर परिषद धौलपुर द्वारा हाइड्रोस्टेटिक रोबोटिक व्हील एक्सकेवेटर की खरीद हेतु एवं नगर परिषद क्षेत्र में सफाई कार्य हेतु मानव सेवा मय ट्रेक्टर–ट्रॉली कार्य तथा नगर परिषद कार्यालय में मैनपॉवर सप्लाई एवं नगर परिषद क्षेत्र में निराश्रितों श्वानों को पकडकर बन्ध्याकरण कर रैबीज टीककरण कर निर्धारित स्थान डॉग पैल्टर होम पर स्वयं के वाहन से छोडने का कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है जिनकी अनुमानित लागत 10 लाख से 45 लाख रू है।

UBN No.-
1. DLB2627SLRC23596
2. DLB2627GLOB23598
3. DLB2627SSOB23601
4. DLB2627GLOB23602

विवरण के लिये देखे www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in

राज.संवाद/सी/26/12893 आयुक्त, नगर परिषद धौलपुर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
P.H.E.D. CITY DIV IV (S) JAIPUR

S.No.-3041-56 Date: 30/10/26

CORRIGENDUM FOR DATE EXTENTION

Dates are extended for the following NIT:

RO No.18086 dt.29.10.2026

S. No	NIT Detail	Existing last date of online submission of tender document.	Amended last date of online submission of tender document.	Existing last date of opening Technical bid	Amended last date of opening Technical bid
1	NIT-26/2026-27 UBN No.PHE2627 WSRC06817	05.11.2026	12.11.2026 till 06:00 P.M.	06.11.2026 at 1:00 P.M.	13.11.2026 at 11:00 A.M.
2	NIT-27/2026-27 UBN No.PHE2627 WSRC06818	05.11.2026	12.11.2026 till 06:00 P.M.	06.11.2026 at 1:00 P.M.	13.11.2026 at 11:00 A.M.

The tender documents have been uploaded on https://sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in/nicgep/app all other terms and conditions will remain same as before.

Executive Engineer
PHED, City Div. IV(S),

DIPR/C/18143/2026

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

केन्द्रीकृत रोजगार अधिसूचना (सीईएन) संख्या–09/2026

आइसोलेटेड श्रेणियों के विभिन्न पदों के लिए भर्ती
(सांकेतिक सूचना)

पात्र अभ्यर्थियों से **आइसोलेटेड श्रेणियों** के विभिन्न पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही प्रस्तुत किए जाने चाहिए। (https://www.rrbapply.gov.in)

आवेदन आरंभ होने की तिथि : 05.11.2026 (अनंतिम)

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 04.12.2026 23:59 अपराह्न (अनंतिम)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	चिकित्सा मानक	दिनांक 01.01.2027 को आयु	अनंतिम रिक्तियां (सभी आरआरबी)
आइसोलेटेड श्रेणियों के विभिन्न पद	लेवल–2 से लेवल–7	विस्तृत सीईएन के अनुसार	विस्तृत सीईएन के अनुसार	195 (लगभग)

नोट: 1. अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण को सत्यापित कर लें, ताकि गैर– आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में होने वाली विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा एवं विलंब से बचा जा सके।

2. आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन सुनिश्चित करने के लिए, आधार में दर्ज नाम एवं जन्म तिथि को 10वीं कक्षा के उत्तीर्ण प्रमाण–पत्र में अंकित पूरा नाम एवं जन्मतिथि से 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाना चाहिए। इसी प्रकार, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार में नवीनतम फोटो एवं नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट एवं आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा।

3. यह सूचना केवल सांकेतिक प्रकृति की है, जिसे संभावित अभ्यर्थियों को आगामी विस्तृत सीईएन (CEN) के बारे में सूचित करने तथा आवेदन हेतु आवश्यक प्रमाण–पत्रों/दस्तावेजों को तैयार रखने के उद्देश्य से जारी किया गया है। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भर्ती से संबंधित सभी नियमों, शर्तें, पात्रता मानदंड, प्रक्रियाएं एवं अन्य आवश्यकताएं पूर्णतः विस्तृत सीईएन संख्या 09/2026 (साथ ही समय–समय पर जारी किए जाने वाले शुद्धिपत्र सहित) के अनुसार ही मान्य होंगी, जो विशेष रूप से सभी आरआरबी की एकीकृत वेबसाइट https://rrb.indianrailways.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अभ्यर्थी इस एकीकृत वेबसाइट से अलग–अलग आरआरबी के वेबपेज पर जा सकते हैं।

सं०– रेभबो/अज/एडीवीटी/सीईएन–09/2026 अध्यक्ष
दिनांक: 03.11.2026 रेलवे भर्ती बोर्ड

"जालसाज़ों, दलालों एवं नौकरी दिलाने का झांसा देने वालों से सावधान रहें"

हैड कांस्टेबल की चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत

तारानगर, (निसं)। तहसील के गांव हरिपुरा हाल तारानगर निवासी हैड कांस्टेबल भंवरलाल कुलड़िया की मंगलवार को पंचायत राज चुनाव ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई। वे राजगढ़ पुलिस थाने में ट्रैफिक पुलिस इंचार्ज के पद पर तैनात थे। हैड कांस्टेबल भंवरलाल कुलड़िया की ड्यूटी पंचायत राज चुनाव के अंतर्गत राजगढ़ पंचायत के गांव ढंढाल लेखु में लगी हुई थी।

जानकारी के अनुसार खाना खाने के बाद अचानक उनकी तबियत बिगड़ने के बाद उनका निधन हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई। सुबह 10 बजे तारानगर साहवा सड़क मार्ग पर स्थित सार्वजनिक मुक्तिधाम में उनका राजकीय सम्मान के अंतिम संस्कार किया गया।

पुलिस की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इस दौरान विधायक नरेंद्र बुडानिया, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की ओर से चेयरमैन हरि इंदौरिया, कामरेड निर्मल कुमार प्रजापत सहित राजगढ़ एएसपी रिछपाल चारण, एसएचओ पुष्पेंद्रसिंह सहित अधिकारियों कर्मचारियों ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र ने दी।

कोटा में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके के सीएडी सर्कल के नजदीक स्थित संभागीय आयुक्त कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने सुसाईड कर लिया। मामले का पता मंगलवार सुबह चला, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद जिला कलैक्टर पीयूष सामरिया एवं पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया गया। टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र किये। पुलिस उप अधीक्षक मनीष शर्मा ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी आफाक अंसारी ने सुसाईड किया है। मंगलवार सुबह कार्यालय खुलने पर मामले की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। मामले में सामने आया कि कर्मचारी सोमवार रात्रि को बूंदी में आयोजित साले की शादी समारोह से कोटा आया था और कार्यालय में कुछ काम की कहकर घर से निकला था जिसका शव कार्यालय के कमरे में मिला। फिलहाल सुसाईड के पीछे कोई कारण सामने नही आया है। जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि घंटाघर इलाके के बजाजखाना निवासी आफाक अंसारी सोमवार रात्रि को संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुंचा था, जिसने अतिरिक्त संभागीय आयुक्त के चेंबर में बने रेस्ट रूम में सुसाईड कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि कार्यालय की चाबियां उसी के पास रहती थी कमरा अंदर से बंद था, जिससे मामला सुसाईड का लग रहा है मृतक का शव कमरे के गेट के पास मिला है।

जैसलमेर : संसदीय समिति की बैठक में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण पर मंथन

जैसलमेर, (निसं)। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जैसलमेर में आयोजित रक्षा मंत्रालय की संसदीय परामर्श समिति की बैठक को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इस बैठक का आयोजन दिल्ली से बाहर करने का उद्देश्य समिति के सदस्यों के बीच संवाद को अधिक सहज और प्रभावी बनाना है। इसके साथ ही सीमावर्ती एवं अग्रिम क्षेत्रों की जमीनी परिस्थितियों को करीब से समझने का अवसर उपलब्ध कराना भी इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

- रक्षा मंत्री राजनाथसिंह की अध्यक्षता में संसदीय समिति की बैठक का आयोजन
- इस बैठक का आयोजन दिल्ली से बाहर करने का उद्देश्य समिति के सदस्यों के बीच संवाद को अधिक सहज और प्रभावी बनाना है : राजनाथसिंह

रक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में भारतीय सशस्त्र बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर संसाधनों और मजबूत रक्षा क्षमताओं से लैस करना समय की आवश्यकता है।

सीमावर्ती क्षेत्र में बैठक का विशेष महत्व :-जैसलमेर जैसे सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सीमावर्ती जिले में संसदीय परामर्श समिति की बैठक आयोजित किए जाने को रक्षा नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात सुरक्षा बलों की परिस्थितियों, सामरिक आवश्यकताओं, आधारभूत सुविधाओं तथा सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को समझने के लिए ऐसे क्षेत्रों में बैठक आयोजित करना उपयोगी माना जाता है। रक्षा मंत्री के अनुसार, दिल्ली से बाहर बैठक आयोजित करने से समिति के सदस्यों को विभिन्न परिस्थितियों और वास्तविकताओं को समझने का अवसर मिलता है। इससे रक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा अधिक व्यावहारिक और व्यापक दृष्टिकोण के साथ की जा सकती है।

बैठक का प्रमुख केंद्र भारतीय सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में युद्ध की प्रकृति में तेजी से बदलाव आ रहा है। पारंपरिक सैन्य क्षमताओं के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, निगरानी प्रणालियां, संचार व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और स्वदेशी रक्षा उपकरणों का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत बनाने के लिए आधुनिक हथियार प्रणालियों, अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण का उद्देश्य केवल सैन्य उपकरणों को उन्नत बनाना ही नहीं, बल्कि बदलती सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप देश की रक्षा तैयारियों को अधिक प्रभावी बनाना भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक से रक्षा क्षेत्र के आधुनिकीकरण, सुरक्षा चुनौतियों और सीमावर्ती क्षेत्रों की आवश्यकताओं पर गंभीर विचार-विमर्श का अवसर मिला है।

श्रीगंगानगर में दो कारोबारियों से पांच-पांच करोड़ की रंगदारी मांगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पेट्रोल पंप कारोबारी और इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के मालिक से 5-5 करोड़ की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई बताया और कहा कि तेरी डिफेंडर सफेद कलर की कलेक्ट्री के पास खड़ी थी। मेरे लड़के तेरी डिफेंडर के शीशे के पास ही थे। चमत्कार दिखाना था तेरे को, या तो कॉल कर लेना नहीं तो चमत्कार दिखा देंगे। 5 करोड़ देने हैं तुझे।

मामला दो नवंबर रात 11 बजे का है, व्यापारी ने पुलिस ने तीन नवम्बर को शिकायत दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 2 नवंबर की रात 9:13 से 9:27 बजे के बीच विदेशी नंबर से व्हॉट्सऐप पर 6 बार कॉल आई, लेकिन कॉल रिसीव नहीं की। रात 9:29 बजे इसी नंबर से दोबारा वॉइस कॉल आई। इसके बाद एक वॉइस नोट आया। रात करीब 11 बजे इसकी रिकॉर्डिंग सुनी। शिकायतकर्ता ने बताया कि कॉल करने वाले ने पेट्रोल पंप के कारोबार की जानकारी देते हुए धमकी दी। खुद को गैंगस्टर बताने वाले ने नोट में कहा कि वह गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई आरजू बिश्नोई बोल रहा है। उनके आदमियों की कारोबारी पर नजर है और आस-पास मौजूद हैं। अगर उसने 5 करोड़ रुपए नहीं दिए तो परिवार को जान से मार देंगे।

सीओ सिटी आईपीएस नितिन चौधरी ने बताया कि शहर में पंप कारोबारी और एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के मालिक को धमकी देने का मामला सामने आया है। धमकी देने के लिए विदेशी नंबरों का इस्तेमाल किया जा रहा है। वीपीएन आदि के उपयोग के कारण ऐसे नंबरों को ट्रैक करना पॉसिबल नहीं है। पुलिस धमकी देने वालों के स्थानीय नेटवर्क को डिटेन करने में जुटी है। चौधरी ने कहा कि अभी इस मामले में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से संबंध होने की पुष्टि नहीं की जा सकती।

पुलिस का नोटिस मिलने पर प्रहलाद गुंजल ने कहा 'मैं गिरफ्तारी से नहीं डरता'

डीजी, आईजी और एसपी बताएं कि संविदाकर्मी के मामले में राजकार्य में बाधा कहां से हो गई, राजीव दत्ता राजकीय सेवा से सेवानिवृत हो चुके हैं, संविदा पर ही तो लगे हुए हैं : गुंजल

कोटा, (निसं)। पंचायतीराज चुनाव में पूर्व विधायक और कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप लगा था। इस पर रानपुर थाना पुलिस ने मुकदमा भी दर्ज कर लिया था। इस मामले की जांच अनंतपुरा थाना अधिकारी महेश कारवाल कर रहे हैं। इस पूरे प्रकरण में प्रहलाद गुंजल से जांच पड़ताल और पूछताछ के लिए उन्हें धारा 35 का नोटिस मंगलवार को पुलिस ने दिया है। इस संबंध में थाना अधिकारी महेश कारवाल जाप्ते के साथ प्रहलाद गुंजल के घर पर पहुंचे थे।

थानाधिकारी महेश कारवाल ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पंचायतीराज चुनाव के दौरान 21 अक्टूबर को बिना अनुमति सभा के आयोजन का मुकदमा दर्ज किया गया है। यह अमरकुआं के देवनारायण मंदिर का मामला है। इसमें आचार संहिता के उल्लंघन प्रकरण पंजीबद्ध हुआ है। इस प्रकरण के आरोपी प्रहलाद गुंजल को बीएनएस की धारा 35 के तहत सूचना दी गई है। हमने नोटिस दिया है अनुसंधान के लिए 7 दिन का समय दिया गया है।

मामले में पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल का कहना है कि धारा 35 का नोटिस पुलिस की प्रक्रिया के तहत मुझे दिया गया है। मुकदमा दर्ज होने की जानकारी सभी को है। 10 नवंबर को थाने पर बुलाया गया है, मैंने कह दिया है कि मैं 10 तारीख को नहीं आऊंगा आगे की तारीख पर ही आऊंगा। मैं गिरफ्तारी से भी नहीं डरता हूं, पुलिस गिरफ्तार कर ले। प्रहलाद गुंजल ने कहा कि राजनीतिक दुर्भावना से काम करने वाले सभी लोगों का हिसाब होगा। शहर में भय का माहौल बनाया हुआ है। मैं बोलता हूं तो मुकदमा दर्ज कर लिया। मुकदमे से कोई मुंह बंद नहीं किया जा सकता। पुलिस को यह गलतफहमी कहां से हो गई कि नोटिस और इन्वेस्टिगेशन से गुंजल की आवाज को बंद कर देंगे। आज जिनका राज है उनकी हाजिरी पुलिस बजा रही है। कल हमारा राज होगा तो हमारी हाजिरी लगाएगी।



पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के निवास पर पुलिस नोटिस देने पहुंची।

- गुंजल को जांच पड़ताल और पूछताछ के लिए धारा 35 का नोटिस पुलिस ने दिया है

प्रहलाद गुंजल ने कहा कि मुकदमा ही गलत दर्ज किया गया है। जिस वीडियो के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है वह 2 साल पुराना भी हो सकता है। मैं कहता जरूर हूं। मैंने संविदाकर्मी राजीव दत्ता के लिए ही कहा है। डीजी, आईजी और एसपी बताएं कि संविदाकर्मी के मामले में राजकार्य में बाधा कहां से हो गई। राजीव दत्ता राजकीय सेवा से सेवानिवृत हो चुके हैं, संविदा पर ही तो लगे हुए हैं। बीएनएस में लिखा है कि आमने-सामने की धमकी जब तक नहीं होती तब तक प्रताड़ना नहीं मानी जा सकती है। मैं साफ कहता हूं कि जो लोग गलत कर रहे हैं उनका सबका हिसाब किताब होगा। राजनीति में जो गलत परिपाटी अभी शुरू हुई है यह आगे भी चलेगी।

उल्लेखनीय है कि कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सिंबल पर सांसद का चुनाव लड़ चुके कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सहायक राजीव दत्ता के खिलाफ बयान दिया था और उन पर मुकदमा दर्ज हुआ था। लेकिन इसके बावजूद प्रहलाद गुंजल ने स्पष्ट कर दिया था कि उन पर भले ही रोज एक मुकदमा लगे वह किसी से डरने वाले नहीं है। गुंजल ने वायरल बयान में कहा था कि सरकार बदलने दो, मैं राजीव दत्ता की हालत बिगाड़ दूंगा। वह बंद कमरे में यह सोचने पर मजबूर हो जाएगा कि आत्महत्या कर ले या फिर बंदूक उठाकर किसी को मार दे। इन लोगों ने बहुत पाप किए हैं और जनता को काफी तंग किया है जिससे पूरे शहर में डर और आतंक का माहौल है।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में भीषण आग लगी

जोधपुर, (कासं)। बासनी हड्डी मिल क्षेत्र की एक हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में आज सुबह अचानक आग लग गई। इस दौरान लोहे का टीनशेड गिर गया। हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया।

चीफ फायर ऑफिसर जयसिंह चौहान ने बताया कि बासनी के हड्डी मिल, श्रमिक बस्ती के पास बनी एक हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में अचानक से आग लग गई। सूचना पर बासनी के अलावा शास्त्रीनगर, चौपासनी, बोरानाडा, मंडोर से गाड़ियां बुलाई गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के मुताबिक फैक्टरी जहां बनी हुई है उसके पास आवासीय बस्ती भी है।

श्रीगंगानगर में नकली नोटों की खेप पकड़ी

100-100 रुपए के 206 जाली नोट बरामद, आरोपी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले की सादुलशहर थाना पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 100-100 रुपए के 206 जाली नोट बरामद किए हैं। पुलिस ने 20 हजार 600 रुपए के नकली नोट जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दीपक कुमार उर्फ दीप (32) पुत्र दर्शन सिंह निवासी वार्ड नंबर 17, सादुलशहर के रूप में हुई है।

एसपी हरिशंकर ने बताया कि सादुलशहर थाना पुलिस की टीम गश्त कर रही थी। इस दौरान पुलिसकर्मी गुरचरण सिंह की सूचना पर पुलिस ने कस्बे में आरोपी दीपक कुमार को पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से 100-100 रुपए के कुल 206 नकली नोट बरामद हुए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि नकली नोट कहां से लाए गए थे और इनके जरिए कहीं बाजार में लेनदेन तो नहीं किया गया। कार्रवाई में कांस्टेबल गुरचरण सिंह की विशेष भूमिका रही।

बेटियों की शिक्षा, संस्कार और आत्मनिर्भरता से सशक्त होगा राजस्थान : भजनलाल शर्मा

66 लाख विद्यार्थियों को 482 करोड़ रुपए की डीबीटी तथा 3.63 लाख बालिकाओं को 109 करोड़ रुपए के गार्गी पुरस्कार वितरित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बेटियां समाज और राष्ट्र की शक्ति हैं। उन्हें शिक्षा, संस्कार, सम्मान और समान अवसर मिलने से परिवार और समाज दोनों प्रगति करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेटी बचाओ, बेटी पढाओ अभियान से बालिका शिक्षा और सशक्तीकरण के प्रति सामाजिक सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। राज्य सरकार भी बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आगे बढने के समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री मंगलवार को मानसरोवर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित प्रतिभा विकास शिविर समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति, ऋषि-मुनियों, संतों और महापुरुषों के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है।

अधिकारों के साथ परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों को समझना भी आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में बालिकाओं को समान अवसर, सुरक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर विशेष जोर दिया गया है। शिक्षा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व, विचार और संस्कार निर्माण का आधार है।

शिक्षा के लिए बड़े स्तर पर प्रयास

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों और कक्षा 9 से 12 तक की बालिकाओं को यूनिफॉर्म एवं स्कूल बैग के लिए 800 रुपए प्रति विद्यार्थी डीबीटी से दिए जा रहे हैं। अब तक 66 लाख विद्यार्थियों को 482 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए जा चुके हैं। कक्षा 1 से 8 तक के करीब 41 लाख 56 हजार विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफॉर्म के लिए लगभग 250 करोड रुपए दिए गए हैं।

प्रदेश के 4 हजार से अधिक विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम और 500 पीएमश्री विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की गई हैं। 20 हजार से अधिक विद्यालयों में 41 हजार से ज्यादा विज्ञान एवं गणित किट उपलब्ध करवाई गई हैं।

पिछले दो शैक्षिणक सत्रों में विद्यार्थियों को 8 करोड से अधिक पुस्तकें, 14 लाख साइकिलें और 88 हजार से अधिक टैबलेट निशुल्क दिए गए हैं। आरटीई के तहत 4 लाख 41 हजार विद्यार्थियों को निशुल्क प्रवेश मिला है।

गार्गी पुरस्कार योजना के तहत 3 लाख 63 हजार बालिकाओं को 109 करोड रुपए तथा बालिका प्रोत्साहन पुरस्कार योजना में 3 लाख से अधिक बालिकाओं को 158 करोड रुपए वितरित किए गए हैं।

पीएम पोषण योजना के तहत श्रीकृष्ण भोग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके माध्यम से भामाशाह, आमजन और शिक्षक विशेष अवसरों पर विद्यार्थियों को भोजन प्रायोजित कर सकते हैं।

4 हजार से अधिक सरकारी विद्यालयों में सेनेटरी पैड मशीनें भी लगाई गई हैं। वंचित एवं श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल में ऑन डिमांड परीक्षा की व्यवस्था की गई है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित समारोह में बालिका शिक्षा के लिए राशि का चैक सौंपा।

- भारतीय संस्कृति, ऋषि-मुनियों, संतों और महापुरुषों के जीवन मूल्यों एवं आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना जरूरी है : मुख्यमंत्री

20 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीविका के माध्यम से प्रदेश में 25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और 20 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। ड्रोन दीदी, बैंक दीदी, पशुपालक दीदी, कृषक दीदी और लाडो प्रोत्साहन योजना से महिलाओं एवं बालिकाओं का आर्थिक-सामाजिक सशक्तीकरण हो रहा है। उन्होंने बालिकाओं से स्वयं योजनाओं का लाभ लेने और कम से कम 10 अन्य महिलाओं को भी इनसे जोडने का आव्हान किया।

उन्होंने बताया कि सरकार ने युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरियां देने का संकल्प लिया है। अब तक 1 लाख 93 हजार नियुक्ति पत्र दिए जा चुके हैं और 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। उनके अनुसार, अब तक 410 भर्ती परीक्षाएं आयोजित हुई हैं और इनमें कोई पेपर लीक नहीं हुआ। राइजिंग राजस्थान के तहत 35 लाख करोड रुपए के एमओयू में से करीब 9 लाख करोड रुपए के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। समारोह में नचिकेता गुरुकुल के पदाधिकारी और हजारों बालिकाएं उपस्थित रहीं।

राजस्थान की पीईकेबी कोयला खदान को मिला 5-स्टार रेटिंग अवार्ड



रायपुर में आयोजित समारोह में केन्द्रीय कोयला-खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे से राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के सीएमडी देवेंद्र श्रृंगी ने पीईकेबी खदान का अवार्ड ग्रहण किया।

जयपुर। राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम की छत्तीसगढ़ स्थित कोयला खदान परसा ईस्ट कांता बासान (पीईकेबी) ने वर्ष 2024-25 के दौरान उत्कृष्ट खनन कार्य, सुरक्षा मानकों, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित 5 स्टार रेटिंग अवार्ड प्राप्त किया है। उत्पादन निगम की इस खदान से राज्य की 4340 मेगावाट क्षमता की तापीय विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति की जाती है। यह अवार्ड देश की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली ओपनकास्ट कोयला खदानों की श्रेणी में प्रदान किया गया है। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे से 2 नवंबर को रायपुर (छत्तीसगढ़) में आयोजित समारोह में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक देवेंद्र श्रृंगी और पीकेसीएल के अधिकारियों ने यह प्रतिष्ठित अवार्ड ग्रहण किया। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि, यह उपलब्धि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर तथा ऊर्जा सचिव आरती डोगरा के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणादायी नेतृत्व के कारण सम्भव हो पाई है। राज्य सरकार के निरंतर मार्गदर्शन, उत्पादन निगम तथा पीकेसीएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों और समर्पण के परिणामस्वरूप यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि के लिए कोयला खदान से जुड़े सभी अधिकारी-कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों ने बधाई दी।

युवा केवल भविष्य के नहीं, वर्तमान के भी राष्ट्र निर्माता : देवनानी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत की वास्तविक शक्ति उसकी युवा आबादी में निहित है। करीब 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में लगभग 60 करोड़ युवा हैं। उनकी आकांक्षाओं, अपेक्षाओं और विचारों को नीति निर्माण में उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। देवनानी मंगलवार को राजस्थान विधानसभा सदन में 'सशक्त संवाद-समर्थ भविष्य' विषय पर आयोजित युवा संवाद को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और संघ के सचिव संदीप शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। देवनानी की पहल पर विधानसभा सदन में शुरू हुआ यह छठा युवा संवाद था।

देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन संवाद के माध्यम से सहमति तलाशना और मतभेदों का संवैधानिक एवं शांतिपूर्ण समाधान करना ही लोकतांत्रिक परिपक्वता है। उन्होंने कहा कि अराजकता से कोई राष्ट्र आगे नहीं बढ़ सकता। नेपाल और श्रीलंका के अनुभव बताते हैं कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और संवैधानिक व्यवस्था का सम्मान ही प्रगति का आधार हैं।

विधानसभा अध्यक्ष ने सदन में डिजिटल व्यवस्था से विधायी कार्यों को अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने की जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले उसका गहन अध्ययन करने और आलोचना के साथ रचनात्मक सुझाव देने का आव्हान किया। उन्होंने बताया कि पिछले करीब 25 वर्षों से जनता ने उन्हें विधानसभा में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया है। अध्यक्ष के रूप में सदन की मर्यादा, समयबद्ध कार्यवाही और संसदीय परंपराओं का पालन सुनिश्चित करना उनका दायित्व है।



राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

युवाओं के लिए विधानसभा के द्वार खुले : संदीप शर्मा

कार्यक्रम में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन सपने देखने, लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए परिश्रम करने का समय है। बड़े सपनों को साकार करने के लिए समर्पण, ईमानदारी, निरंतर मेहनत और सकारात्मक सोच जरूरी है। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने युवाओं के लिए सदन के द्वार खोलकर उन्हें बड़ा अवसर दिया है।

- राजस्थान विधानसभा में आयोजित छठवें युवा संवाद में 17 शैक्षिणक संस्थानों के 110 युवाओं ने दो सत्रों में विचार रखे

दो सत्रों में देश के 17 शैक्षिणक संस्थानों के करीब 110 युवाओं ने संवाद में भाग लिया। पहले सत्र में युवाओं के नेतृत्व वाले विरोध के कारणों और तौर-तरीकों पर चर्चा हुई। इसमें आर्थिक असुरक्षा, संस्थागत विफलता एवं दूरी, सामाजिक और लैंगिक असमानता तथा डिजिटल लामबंदी को प्रमुख कारण बताया गया।

दूसरे सत्र में युवाओं ने सड़कों से शासन नीति तक संस्थागत प्रतिक्रियाओं, लोकतांत्रिक लचीलेपन और युवा भागीदारी के उपाय सुझाए। इनमें पंचायत से राज्य स्तर तक युवा सलाहकार परिषदों का गठन, युवा प्रभाव मूल्यांकन, युवा शिकायत निवारण प्रणाली, भर्ती के लिए पारदर्शी कैलेंडर और समयबद्ध परिणाम सुनिश्चित करना शामिल रहा। सोशल मीडिया का नियमन युवाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए करने, हरित रोजगार, बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और लैंगिक समावेशी बाल संरक्षण को 24 महीनों में चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव भी रखा गया। इसके लिए पहले पायलट जिलों में शुरुआत और फिर हर साल सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करने का सुझाव दिया गया।

विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा की मौजूदगी में विश्वम के संस्थापक विक्रान्त सिंह और बोर्ड सदस्य अनुज आहूजा ने बताया कि 'द आर्किटेक्चर ऑफ डिसेंट : ग्लोबल डायनामिक्स ऑफ यूथ-लेड मूवमेंट्स एंड इंस्टीट्यूशनल स्टेटक्राफ्ट' विषय पर यह संवाद हुआ।

इसमें आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जेईसीआरसी फाउंडेशन, आईआईएस विश्वविद्यालय, महर्षि अरविन्द विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय विधि महाविद्यालय, मणिपाल विश्वविद्यालय, एसएस जैन सुबोध पीजी कॉलेज, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजकीय महाविद्यालय जयपुर, निरमा विश्वविद्यालय, किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली, लेडी श्रीराम कॉलेज दिल्ली, एमएलएसयू उदयपुर, एमएनआईटी जयपुर, रामजस कॉलेज दिल्ली और श्री वेंकटेश्वर कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। युवाओं ने लोकतांत्रिक सहभागिता, नीति निर्माण में भूमिका और राष्ट्र के भविष्य से जुड़े विषयों पर विचार रखे।

एनसीआर के छह जिलों में केवल ग्रीन पटाखों की अनुमति

जयपुर। दीपावली पर वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए राजस्थान सरकार ने एनसीआर क्षेत्र में पटाखों को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रदेश के अलवर, भरतपुर, दौसा, डीग, खैरथल-तिजारा और कोटपूतली-बहरोड़ जिलों में केवल सीएसआईआर-नीरी से प्रमाणित ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति होगी। यह छूट 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तथा रात 8 से 10 बजे तक ही रहेगी। 6 नवंबर तक और 9 नवंबर से पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहेगा।

पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की शासन सचिव शैलजा देवल के अनुसार अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और शिक्षण संस्थानों के 300 मीटर दायरे में पटाखे चलाने पर रोक रहेगी। ग्रीन पटाखों की बिक्री केवल अधिकृत दुकानों पर होगी और प्रत्येक पैकेट पर उत्पाद-विशिष्ट क्यूआर कोड अनिवार्य रहेगा। ऑनलाइन बिक्री, बेरियम युक्त पटाखों और पटाखों की लड़ियों पर भी प्रतिबंध रहेगा। अवैध निर्माण, भंडारण और बिक्री रोकने के लिए विशेष गश्ती दल बनाए जाएंगे। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जब्ती और कानूनी कार्रवाई होगी। प्रदूषण नियंत्रण मंडल सहित संबंधित एजेंसियां वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी करेंगी।

मृत कर्मचारी की पत्नी की जगह ससुराल पक्ष को पेंशन परिलाभ देने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मृतक सरकारी कर्मचारी की पत्नी की जगह उसके ससुराल पक्ष को पेंशन परिलाभ भुगतान करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। वहीं मामले में प्रमुख चिकित्सा सचिव, चिकित्सा निदेशक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, टोंक सहित अन्य पक्षकारों से जवाब मांगा है। अदालत ने इन अधिकारियों से 23 नवंबर तब जवाब पेश करने को है। जस्टिस अनूप कुमार ने यह आदेश रेखा चौधरी की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि याचिकाकर्ता का उसके पति डॉ. सुरजीत सिंह गंगवाल से पारिवारिक विवाद चल रहा था और साथ ही टोंक की जिला कोर्ट में साल 2024 से उनका विवाह विच्छेद प्रार्थना पत्र भी लंबित था। इस दौरान ही उसके पति का गत 2 मई को निधन हो गया। याचिकाकर्ता के एक बेटा व बेटी है। उसके ससुराल वालों ने मृत कार्मिकों के परिजनों को मिलने वाले पेंशन सहित अन्य परिलाभों के लिए चिकित्सा विभाग में दावा कर रखा है। वे इस राशि के भुगतान को प्राप्त करना चाह रहे हैं, जबकि उसके पति की मृत्यु से पूर्व उसे और उसकी बेटी को भरण-पोषण के लिए 12 हजार रुपए मिल रहे थे। उसके पति के निधन के बाद यह राशि उन्हें मिलना बंद हो गई। उसके ससुर रिटायर सरकारी कार्मिक हैं। ऐसे में उसे पति के सभी परिलाभ व अनुकंपा नियुक्ति दिलवाई जाए, ताकि वह अपने बच्चों की परवरिश सही तरीके से कर सके। अदालत ने मामले में सुनवाई करते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब मांगते हुए किसी अन्य को पेंशन परिलाभ राशि नहीं देने का निर्देश दिया।

मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए "सरस" कसेगी मोबाइल लैब

जयपुर। जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (जयपुर डेयरी) ने दुग्ध गुणवत्ता को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए एक बेहद अभिनव और आधुनिक पहल की शुरुआत की है। डेयरी द्वारा शुरू की गई "सरस चल (मोबाइल) प्रयोगशाला" अब सीधे ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध सहकारी समितियों तक पहुंचकर मौके पर ही दूध के नमूनों की सटीक जांच कर रही है। पशुपालन, डेयरी एवं गोपालन विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस मोबाइल प्रयोगशाला की सबसे बड़ी ताकत इसमें स्थापित अत्याधुनिक मशीन है। डेनमार्क से आयातित यह मशीन एफ.टी.आई.आर. तकनीक पर आधारित है। इस तकनीक की खासियत यह है कि यह महज एक ही टेस्ट में दूध के 24 अलग-अलग मानकों की बारीकी से जांच कर देती है।

रोशनी और राजस्थानी विरासत के रंगों से सजेगी गुलाबी नगरी की दीपावली



दीपोत्सव के तहत राजधानी जयपुर के मुख्य सीकर रोड और बाजारों में व्यापार मंडल ने रंग बिरंगी लाईटों से सजावट की।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपावली का पर्व नजदीक आते ही गुलाबी नगरी में उत्सव की रौनक बढ़ने लगी है। शहर के प्रमुख बाजारों में सजावट की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कहीं रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी लगाई जा रही है तो कहीं आकर्षक स्वागत द्वार और धार्मिक झांकियां तैयार की जा रही हैं। इस बार जयपुर की दीपावली में राजस्थानी संस्कृति, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत का संगम देखने को मिलेगा। बाजारों के साथ प्रमुख मंदिरों में भी विशेष सजावट, दीपदान, पूजा-अर्चना और आरती के आयोजन होंगे।

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि चारदीवारी के ऐतिहासिक बाजारों में दीपावली की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। जौहरी बाजार, बापू बाजार, त्रिपोलिया बाजार, किशनपोल बाजार, चांदपोल बाजार और चौड़ा रास्ता में आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी।

रंग-बिरंगी रोशनी के साथ विशेष सजावटी द्वार बनाए जाएंगे। दुकानों पर मिट्टी के दीपक, सजावटी सामान, रंगोली, आभूषण, कपड़े और उपहारों की नई रेंज सजने लगी है। शाम होते ही बाजारों में रौनक बढ़ रही है और खरीदारी के लिए लोगों की आवाजाही तेज होने लगी है। गणगौरी बाजार में हवा महल और जंतर-मंतर की झलक दिखाने वाली विरासत आधारित सजावट होगी। छोटी चौपड़ पर 42 फीट चौड़ी और 36 फीट ऊंची राम मंदिर की आकर्षक झांकी तैयार की जाएगी। इसमें रामसेतु निर्माण का दृश्य भी प्रदर्शित होगा, जो लोगों के लिए विशेष आकर्षण रहेगा।

दीपावली की सजावट से जयपुर के व्यापार और पर्यटन को भी नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। प्रमुख बाजारों में स्थानीय लोगों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। सेंट्रल स्पाइन क्षेत्र में 51 सजावटी स्वागत द्वार बनाने और दीपावली कार्निवल आयोजित करने की योजना है। वहीं, बाजारों में साफ-सफाई, यातायात नियंत्रण, पार्किंग और अग्निशमन सुरक्षा को लेकर भी विशेष व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

जयपुर में 12 दिन सजेगी दिवाली की रौनक; ड्रोन शो और आतिशबाजी भी होगी

नगर निगम ने "दिवाली खुशियों वाली" आयोजन में 150 वार्डों के बीच प्रतियोगिता रखी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। गुलाबी नगरी की दिवाली को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम की ओर से 'दिवाली खुशियों वाली-2026' का आयोजन किया जा रहा है। 31 अक्टूबर से 11 नवंबर तक चलने वाले इस 12 दिवसीय आयोजन में ड्रोन शो, आतिशबाजी, सफाई अभियान और विभिन्न सजावट प्रतियोगिताएं प्रमुख आकर्षण होंगे।

- शीर्ष 10 वार्डों को मिलेंगे 1.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य; छह श्रेणियों में सजावट प्रतियोगिताएं जीतने वालों को मिलेंगे पुरस्कार

महापौर सुनील कोठारी ने मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में आयोजन की घोषणा करते हुए बताया कि वार्ड स्तरीय प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शीर्ष 10 वार्डों को कुल 1.80 करोड़ रुपए के अतिरिक्त विकास कार्य दिए जाएंगे। प्रथम वार्ड को 51 लाख, द्वितीय को 31 लाख, तृतीय को 21 लाख और चौथे से दसवें स्थान तक के सात वार्डों को 11-11 लाख रुपए के विकास कार्य मिलेंगे।

उपमहापौर सरोज कंवर ने सभी 150 वार्डों के पार्षदों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। आयुक्त ओम कसेरा ने सफाई, सुरक्षा और ऑनलाइन प्रविष्टियों की व्यवस्थाओं की जानकारी दी।



जयपुर के महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर और आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा मंगलवार को पत्रकारों से रूबरू हुए।

ड्रोन शो और आतिशबाजी होंगे आकर्षण

आयोजन के तहत 5 नवंबर को सफाई सेवा मैराथन-2.0 होगी, जिसमें सफाई कर्मचारी, पार्षद और नागरिक श्रमदान करेंगे। सात नवंबर को रात 9 बजे विधानसभा में ड्रोन शो होगा। वहीं 8 नवंबर को रात 9:30 बजे विधानसभा में आतिशबाजी की जाएगी। इसी दिन शहर के घरों, बाजारों, गलियों और स्मारकों को मिट्टी के दीयों, रंगोली, फूलों, गेंदे के तोरण और कंदील से सजाया जाएगा। इससे पहले 31 अक्टूबर को सभी 150 वार्डों के 13 जोन में ऑपरेशन क्लीन स्वीप-2.0 के तहत मुख्य बाजारों, सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया गया।

छह श्रेणियों में होगी सजावट प्रतियोगिता

4 से 11 नवंबर तक सात प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इनमें एक वार्ड स्तरीय और छह सजावट प्रतियोगिताएं शामिल हैं। सजावट प्रतियोगिताओं में आवासीय पारंपरिक सजावट, आवासीय आधुनिक सजावट, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, संस्थागत प्रतिष्ठान, हेरिटेज क्षेत्र के बाजार और अन्य बाजार श्रेणी रखी गई हैं। पारंपरिक सजावट में रंगोली, मांडना, गोबर कला और पुष्प सजावट को शामिल किया गया है, जबकि आधुनिक श्रेणी में रोशनी और एलईडी सजावट का मूल्यांकन होगा। आवासीय श्रेणियों के विजेताओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन, एलईडी टीवी और स्मार्टफोन दिए जाएंगे। व्यावसायिक, संस्थागत और बाजार श्रेणियों के विजेताओं को प्रशंसा स्मृति चिह्न एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

ऑनलाइन पोर्टल पर 11 नवंबर तक प्रविष्टियां

आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा ने बताया कि, प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए 6 से 11 नवंबर तक "जयपुर दिवाली डॉट कॉम" पर ऑनलाइन पंजीकरण और प्रविष्टियां जमा की जा सकेंगी। प्रतिभागियों को मोबाइल नंबर से पंजीकरण कर श्रेणी चुननी होगी और पोर्टल के माध्यम से लाइव फोटो अपलोड करनी होगी। निर्णायक मंडल निर्धारित मापदंडों के आधार पर मूल्यांकन करेगा। एआई से बनाई या संपादित की गई तस्वीरें मान्य नहीं होंगी। महापौर सुनील कोठारी ने कहा कि दिवाली का आयोजन केवल नगर निगम का नहीं, बल्कि पूरे शहर का उत्सव है। इसमें प्रत्येक नागरिक, व्यापारी और संस्थान की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने शहरवासियों से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिताओं में शामिल होने की अपील की। प्रेस वार्ता के बाद नगर निगम परिसर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें महापौर सुनील कोठारी, उपमहापौर सरोज कंवर और आयुक्त ओम प्रकाश कसेरा ने मीडिया प्रतिनिधियों को शुभकामनाएं दीं।

सार-समाचार

छापेमारी में महक व सरस ब्रांड के घी के पैकेट मिले, जांच के लिए भेजे

अलवर। आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। विभाग की टीम ने एक गोदाम पर छापेमारी कर करीब 60 किलो संदिग्ध घी जब्त किया। कार्रवाई के दौरान गोदाम में महक और सरस ब्रांड के घी के पैकेट मिले। टीम ने घी के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की है । खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी विश्व बंधु गुप्ता ने बताया कि जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत गोदाम पर छापेमारी की गई। मौके पर मिले करीब 60 किलो घी को जब्त किया गया है। साथ ही घी के नमूने लिए गए हैं, जिन्हें प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट के आधार पर घी की गुणवत्ता और शुद्धता के संबंध में स्थिति स्पष्ट होगा । उन्होंने बताया कि आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ विभाग की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। जहां भी मिलावट की आशंका मिलेगी, वहां जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पंचायतराज चुनाव को लेकर भाजपा की तैयारियां जोरो पर

निवाई। पंचायतराज चुनाव 2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में बुधवार को सुबह 10 बजे जाट धर्मशाला में प्रधान कार्यालय का समारोह पूर्वक उद्घाटन किया जाएगा। इस दौरान विशाल नामांकन रैली निकाली जाएगी। जिसको लेकर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों में उत्साह बना हुआ है। भाजपा शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा एवं शहर महामंत्री जयनारायण कुमावत ने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष चन्द्रवीरसिंह चौहान, जिला प्रभारी रामानंद गुर्जर, चुनाव प्रभारी नीरज शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, चुनाव संयोजक शंकर पडिय़ार एवं सह-संयोजक नारायण यादव सहित कई अतिथि शामिल होंगे। इस दौरान शहर अध्यक्ष नितिन छाबड़ा, नटवाड़ा मंडल अध्यक्ष बद्री विजय, अरणिया मंडल अध्यक्ष शिवराज गुर्जर, डांगरथल मंडल अध्यक्ष केदार दोहण सहित कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं पार्टी के प्रत्याशी भाग लेंगे।

सरपंच व वार्ड पंच पदों के लिए मतदान 5 को

सवाई माधोपुर । पंचायतीराज आम चुनाव-2026 के तृतीय चरण के तहत मंगलवार को सवाई माधोपुर की चार पंचायत समिति क्षत्रों में जिला परिषद् के 16 वार्डों एवं पंचायत समितियों के कुल 82 वार्डो के लिए मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने बताया कि तृतीय चरण से संबंधित इन चारों पंचायत समिति क्षेत्रों में बुधवार 4 नवम्बर को ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। अगले दिन गुरूवार को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक सरपंच एवं वार्ड पंच पदों के लिए मतदान कराया जाएगा। मतदान के पश्चात संबंधित ठााम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी तथा शुक्रवार 6 नवम्बर को उपसरपंच पद के लिए चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न की जाएगी।

ताला में साजिदा बानो का 15 सूत्रीय विकास संकल्प जारी

मनोहरपुर । ग्राम पंचायत ताला से सरपंच पद की उम्मीदवार साजिदा बानो ने अपना 15 सूत्रीय विकास संकल्प पत्र जारी कर दिया है। पोस्टर में उनका नारा है - ''आपका साथ, हमारा विकास'' और ''हमारा संकल्प - विकसित ताला, खुशहाल ताला'' साजिदा बानो ने कहा कि ''ग्राम पंचायत ताला के समस्त ग्रामवासियों का विश्वास और सहयोग हमारी ताकत है। हम मिलकर एक बेहतर, स्वच्छ, सुरक्षित और विकसित ताला का निर्माण करेंगे। गांव की सभी मुख्य सड़कों व गलियों की सड़कें बनवाने व मरम्मत कराने का प्रयास किया जायेगा।

पंचायत समिति सदस्य के लिए 41 प्रत्याशियों ने आवेदन किए

निवाई। पंचायतराज चुनाव 2026 को लेकर मंगलवार को पंचायत समिति सदस्य के लिए 33 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए है। रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह ने बताया कि पंचायतराज चुनाव को लेकर पंचायत समिति सदस्य के लिए भाजपा, कांठोस, आरएलपी व निर्दलीय कुल 41 प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किए हैं। उन्होंने बताया कि नामांकन दाखिल करने की अन्तिम तिथि 4 नवम्बर को 3 बजे तक है। 5 नवम्बर को फार्मो की संवीक्षा होगी। 6 नवम्बर को तीन बजे तक नाम वापसी की जा सकेगी। रिटर्निंग ऑफिसर सिंह ने बताया कि नाम वापसी की समय सीमा समाप्त होने के बाद चुनाव चिन्ह का आवन्टन करके अंतिम सूची जारी की जाएगी। शांतिपूर्ण व पारदर्शी चुनाव कराने के लिए व्यापक तैयारियां की गई है।
मंगलवार को फार्म खरीदने व जमा करवाने के लिए प्रत्याशियों व उनके समर्थकों के एसडीएम कार्यालय पहुंचने से मेले जैसा माहोल नजर आया। नामांकन दाखिल की अन्तिम तिथि पर बुधवार को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए एसडीएम कार्यालय परिसर से 100 मीटर की दूरी पर बेरिकेडस लगाए गए हैं। एसडीएम ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुबह से ही भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहेगा।

दीपावली पर मानदेय का इंतजार

अलवर। सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी दूर करने के उद्देश्य से शुरू की गई विद्या संबल योजना के तहत नियुक्त गेस्ट फैकल्टी शिक्षक इन दिनों खुद आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं। करीब डेढ़ माह पहले नियुक्ति मिलने के बाद से शिक्षक लगातार स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं, लेकिन अब तक उन्हें मानदेय का भुगतान नहीं हुआ है। दीपावली का त्योहार नजदीक होने के कारण शिक्षकों की उम्मीदें बकाया मानदेय पर टिकी हुई हैं। विडंबना यह है कि शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की नियुक्ति कर उनसे शिक्षण कार्य तो शुरू करवा दिया, लेकिन उनके मानदेय भुगतान की व्यवस्था अब तक सुचारू नहीं हो पाई है।

टोंक : स्वच्छता अभियान के तहत विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाई



चतुर्भुज तालाब पर विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

टोंक। शहर के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व के चतुर्भुज तालाब को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने के उद्देश्य से पिछले 45 दिनों से शहर के समाजसेवी प्रतिदिन श्रमदान कर स्वच्छता अभियान चला रहे हैं। इसी अभियान से प्रेरित होकर मदरलैंड चिल्ड्रन एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने चतुर्भुज तालाब की पाल पर मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस अवसर पर छोटे-छोटे विद्यार्थियों ने हाथों में तालाब को स्वच्छ रखने से संबंधित विभिन्न स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर

- हाथों में स्लोगन की तख्तियां लेकर स्वच्छता का संदेश दिया

स्वच्छता के नारे लगाए तथा आमजन से तालाब में कचरा नहीं डालने और इसकी स्वच्छता बनाए रखने की अपील की। इस दौरान बच्चों के इस अनूठे प्रयास को देखकर तालाब पर प्रतिदिन घूमने आने वाले नागरिकों एवं वहां से गुजरने वाले राहगीरों ने उनकी खूब सराहना की।

लोगों ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों द्वारा दिया गया यह संदेश समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराने वाला है। इस अवसर पर समाजसेवी दुर्गेश गुप्ता एवं विजेंद्र कुमावत ने विद्यार्थियों के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए मदरलैंड स्कूल के संस्थापक कमलेश सिंगोदिया का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि बच्चों में छोटी उम्र से ही स्वच्छता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना बहुत जरूरी है। ऐसे कार्यक्रमों से नई पीढ़ी समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करती है।

सांभर दरबार स्कूल के बच्चे ऐतिहासिक स्थल देख अभिभूत

सांभरझील। स्थानीय पीएमश्री दरबार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने दो दिवसीय उदयपुर शैक्षिणक भ्रमण के दौरान उदयपुर के ऐतिहासिक स्थलों के इतिहास को जाना साथ ही भारतीय प्रबंधन संस्थान, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जगदीश मंदिर, पिछोला झील, फ़तहसागर, स्वरूपसागर झील, सिटी पैलेस कभी भ्रमण कर आनंदित हुए।

झीलों की नगरी उदयपुर के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों तथा के वहां के प्रमुख दर्शनीय स्थलों की जानकारी जुटाई। इसके अलावा नाथद्वारा के स्टैच्यू ऑफ़ बीलीफ,धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को समझा। शैक्षिणक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्थानों की कार्यप्रणाली, कृषि एवं तकनीकी नवाचारों,ऐतिहासिक धरोहरों,स्थापत्य कला और राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की। इस मौके पर दिनेश यादव, संजय स्वरूप वर्मा,सुरेंद्र चौधरी, वीना वर्मा, भगवान सहाय बाज्या, कृष्णा कुमावत सहित अन्य शिक्षकों की मौजूदगी विद्यार्थियों के साथ रही। इस प्रकार के शैक्षिणक भ्रमण विद्यार्थियों से वैज्ञानिक दृष्टिकोण, शोध प्रवृत्ति, नवाचार, व्यावहारिक ज्ञान एवं सांस्कृतिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सार-समाचार

निर्वाचन अधिकारी ने संवेदनशील मतदान केंद्रों का जायजा लिया

भरतपुर । पंचायत आम चुनाव के तहत पंचायत समिति एवं जिला परिषद सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतदान दिवस पर जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने मंगलवार को जिले के बयाना, वैर एवं नदबई विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मतदान व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा मतदान कार्मिकों को पूरी सतर्कता, निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, इसके लिए निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के व्यवस्थित प्रवेश एवं मतदान की सुचारू व्यवस्था बनाए रखने तथा वैध पहचान दस्तावेजों की जांच के बाद ही मतदाताओं को प्रवेश देने के निर्देश दिए। साथ ही मतदान केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ एकत्रित नहीं होने देने के लिए भी निर्देशित किया।

बोनस की मांग, श्रमिकों का हल्लाबोल

अलवर। दीपावली बोनस की मांग को लेकर अलवर स्थित हैवल्स कंपनी के कर्मचारियों ने कंपनी के गेट पर विरोध प्रदर्शन किया। बोनस नहीं मिलने से नाराज बड़ी संख्या में श्रमिक कंपनी के बाहर एकत्रित हुए और प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध जताया । प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि दीपावली का त्योहार नजदीक है, ऐसे में कंपनी प्रबंधन की ओर से उन्हें बोनस दिया जाना चाहिए। त्योहार के अवसर पर बोनस नहीं मिलने से कर्मचारियों में नाराजगी है। इसी मांग को लेकर श्रमिकों ने कंपनी प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और गेट के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन के दौरान कंपनी के बाहर बड़ी संख्या में कर्मचारियों की भीड़ जुट गई। श्रमिक लगातार नारेबाजी करते हुए बोनस देने की मांग उठा रहे थे। उनका कहना है कि त्योहार के समय बोनस कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण होता है और प्रबंधन को उनकी मांग पर सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।इधर, प्रदर्शन की सूचना मिलने पर उद्योग नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति का जायजा लिया और शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी शुरू की फिलहाल कंपनी के गेट पर श्रमिकों का विरोध प्रदर्शन जारी है। अब सभी की निगाहें कंपनी प्रबंधन के रुख पर टिकी हैं कि कर्मचारियों की बोनस संबंधी मांग पर क्या निर्णय लिया जाता है।

अलवर में दीपोत्सव 6 व 7 को

अलवर । अलवर में पहली बार दीपोत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। 6 और 7 नवंबर को होने वाले इस दो दिवसीय आयोजन में शहर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों को रोशनी से सजाया जाएगा। कंपनी बाग में 11 हजार दीपक जलाए जाएंगे, वहीं होप सर्कस पर लेजर लाइट शो और 1100 दीपकों से महाआरती का आयोजन होगा। इसके साथ ही अलवर टाइगर मैराथन 2027 के प्री-कर्सर इवेंट के तहत बॉलीवुड अभिनेता एवं मैराथन के ब्रांड एंबेसडर रणदीप हुड्डा भी अलवर पहुंचेंगे। इस संबंध में टाइगर मैराथन ट्रस्ट एवं संयुक्त व्यापार महासंघ की ओर से प्रेस वार्ता आयोजित की गई। नगर निगम महापौर सुमन लता अठावाल ने कहा कि अलवर शहर में पहली बार आयोजित होने जा रहा दीपोत्सव एक अभिनव और अनूठा प्रयोग है, जो ऐतिहासिक साबित होगा। इस आयोजन से शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को नई ऊंचाई मिलेगी।

डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद ने नाथावत का सेवानिवृत्ति पर सम्मान किया

- नाथावत ने विद्यालय के भवन निर्माण, क्रमोन्नत करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई



प्रधानाध्यापक एवं समाजसेवी मोती सिंह नाथावत के सेवानिवृत्ति समारोह में हजारों ग्रामीणों ने पहुंचकर उनका सम्मान किया।

जयपुर । प्रेमपुरा स्थित राजकीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं समाजसेवी मोती सिंह नाथावत के सेवानिवृत्ति समारोह में हजारों ग्रामीणों ने पहुंचकर उनका सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सांवली पहुंचकर उन्हें सफल सेवाकाल की बधाई दी व स्वस्थ एवं सक्रिय जीवन की शुभकामनाएं दीं। प्रेमपुरा, सांवली सहित आसपास के गांवों के लोगों के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उनके योगदान को सराहा। नाथावत ने अपने सेवाकाल में विद्यालय के भवन एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ उसे प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक क्रमोन्नत करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे राजपूत सभा, शिक्षक संघ, रेडक्रॉस, रोटरी क्लब और लायंस क्लब के माध्यम से भी समाजसेवा से जुड़े रहे।

106 वर्षीय प्रेम देवी व 103 वर्षीय कजोड़ी लाल ने किया मतदान

- शतायु उम्र के पड़ाव पर भी कजोड़ीलाल पूरे उत्साह के साथ वोट डालने पहुंचे। इस उम्र में उनकी लोकतंत्र के प्रति निष्ठा देखकर कर्मचारा अभिभूत हो गए
- बुजुर्ग मतदाताओं ने पेश की मिसाल

भुसावार/भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के भुसावर पंचायत समिति के निठार गांव में 106 वर्षीय मतदाता प्रेम देवी जांगिड़ ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। ग्राम पंचायत घाटरी में लोकतंत्र की एक प्रेरणादायी तस्वीर सामने आई। मनसापुरा निवासी 103 वर्षीय पूर्व चेयरमैन कजोड़ी लाल ने मतदान केंद्र पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शतायु उम्र के पड़ाव पर भी कजोड़ीलाल पूरे उत्साह के साथ वोट डालने पहुंचे। इस उम्र में उनकी लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और जज्बे को देखकर मतदान केंद्र पर मौजूद कर्मचारी और ग्रामीण भी अभिभूत हो गए।

मतदान करने के बाद पूर्व चेयरमैन कजोड़ी लाल ने क्षेत्रवासियों और खासकर नई पीढ़ी के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान हमारा सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य है, इसलिए हर नागरिक को घर से निकलकर वोट जरूर डालना चाहिए। उनका यह जज्बा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। मतदान करने के बाद पूर्व चेयरमैन कजोड़ी लाल ने क्षेत्रवासियों और खासकर नई पीढ़ी के युवाओं से अपील करते हुए कहा कि मतदान हमारा सबसे बड़ा लोकतांत्रिक अधिकार और कर्तव्य है।

गांवों में इस बार दोहरी दीपावली

खैरथल । तिजारा जिले में इस बार गांवों में दीपावली का उत्साह कुछ अलग ही रंग लेकर आया है। एक ओर कार्तिक अमावस्या पर प्रभु श्रीराम के अयोध्या लौटने की खुशी में घर-घर घी और तेल के दीये जलेंगे, वहीं दूसरी ओर पंचायती राज चुनाव के परिणाम गांवों में अपनी नई सरकार बनने का जश्न भी लेकर आएंगे। इस बार ग्रामीण अंचल में दीपावली के साथ लोकतंत्र का उत्सव भी मनाया जाएगा। इसलिए गांवों की यह दीपावली दोहरी खुशियों वाली होने जा रही है। मान्यता है कि 14 वर्ष का वनवास पूरा कर जब प्रभु श्रीराम कार्तिक मास की अमावस्या को अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर पूरी नगरी को रोशन कर दिया था।

अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक बना वही पर्व आज दीपावली के रूप में मनाया जाता है। इस बार गांवों में भी कुछ ऐसा ही उल्लास दिखाई दे रहा है। फर्क इतना है कि इस बार त्योहार की रोशनी के साथ गांव की चौपालों पर लोकतंत्र की नई उम्मीद भी जगमगा रही है । दीपावली से ठीक पहले हो रहे पंचायती राज चुनाव ने गांवों के उत्सव को नया रंग दे दिया है। घरों में दीपक जलेंगे तो चुनावी नतीजों के बाद जीतने वाले पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के समर्थक भी जश्न मनाएंगे।

राजगढ़ में एसपी के सम्मान में पुलिस की टुकड़ी का गार्ड ऑफ़ ऑनर



जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने राजगढ़ पुलिस थाना परिसर में जनसुनवाई की।

राजगढ़ । जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने मंगलवार को सायं पुलिस थाना परिसर में जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने दीपावली पर्व के मध्य शांति सौहार्द के साथ भाईचारे से पर्व मनाने की अपील की ।

- शांति सौहार्द के साथ दिवाली पर्व मनाने की अपील

उन्होंने थाना परिसर में उपस्थित महिला शक्ति की भारी उपस्थिति को सजगता का परिचायक बताया। उन्होंने महिलाओं से झूठे मुकदमों से दूर रहने का आव्हान किया। इस दौरान एस पी के सम्मान में पुलिस की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ़ ऑनर पेश किया। जनसुनवाई में राजेंद्र जैन ने जैन मंदिर में चोरी का खुलासा नहीं होने, कमलेश मीणा ने ढिगावड़ा स्कूल में चोरी का खुलासा नहीं होने एवं अशोक बजाज ने नशे के बढ़ते कारोबार एवं लिप्त हो रहे युवा की चिंता जताते यातायात पुलिस की जरूरत बताई। जिला पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित महिला पुरुषों को सभी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। उन्होंने उपस्थित महिला पुरुषों से बच्चों में बढ़ती मोबाइल उपयोग की प्रवृत्ति को कैसे नियंत्रित किया जाए, यह सब की सामूहिक जिम्मेदारी है। फोर व्हीलर ड्राइव करते समय सीट बेल्ट लगाने, दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने, साइबर क्राइम से बचाव के बारे में अनेक उपयोगी जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक का प्रमुख लोगों ने माल्यार्पण भी किया।

रिश्वत के मामले में तत्काकालीन थानाधिकारी को सजा

अलवर । भ्रष्टाचार के मामले में एसीबी कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए नारायणपुर थाने के तत्कालीन थानाधिकारी जितेन्द्र कुमार और उसके कथित दलाल बलवीर सिंह यादव को चार-चार साल के कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों पर 10-10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। एसीबी कोर्ट की मजिस्ट्रेट अनु चौधरी ने मामले की सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया। मामला वर्ष 2020 का है। परिवादी कृष्ण कुमार ने एसीबी में शिकायत दी थी कि उसके भांजे संदीप की शादी सोनाली गंगावत से हुई थी। सोनाली के पिता की ओर से उसे भगाकर ले जाने की शिकायत किए जाने पर नारायणपुर थाना पुलिस संदीप और सोनाली को थाने लेकर आई थी। परिवादी के अनुसार, 8 जनवरी 2020 को वह नारायणपुर थाने पहुंचा और तत्कालीन थानाधिकारी जितेन्द्र कुमार से मुलाकात की। इस दौरान थानाधिकारी ने संदीप को जेल भेजने की धमकी दी। परिवादी ने दोनों के विवाह से संबंधित दस्तावेज दिखाकर अपना पक्ष रखने का प्रयास किया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि संदीप और सोनाली के पक्ष में कार्रवाई करने तथा उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले थानाधिकारी जितेन्द्र कुमार ने अपने कथित दलाल बलवीर सिंह यादव के माध्यम से एक लाख रुपए की रिश्वत मांगी। परिवादी को रिश्वत की राशि बलवीर यादव को देने के लिए कहा गया था। इस मामले में एसीबी की जांच के बाद न्यायालय में सुनवाई चली। अदालत ने तत्कालीन थानाधिकारी जितेन्द्र कुमार और बलवीर सिंह यादव को दोषी मानते हुए चार-चार साल के कारावास की सजा सुनाई।

नम्बर मिलाइए
8890333139

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

इस्लामुद्दीन पुत्र यासीन खान, निवासी वार्ड नं. 9, तहसील शाहपुरा, मनोहरपुर, जयपुर, राजस्थान -303104, एतद् द्वारा सूचित करता हूँ कि मैंने अपना नाम परिवर्तित कर लिया है। अतः भविष्य में मुझे मेरे नए नाम इस्लामुद्दीन लुहार पुत्र यासीन के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

मैं, कुमार उद्दीप्तो पुत्र श्री कल्याण कुमार दास, निवासी ए-401, मेवाड़ अपार्टमेंट, हल्दीघाटी मार्ग, प्रतापनगर, जयपुर हाल निवासी 9/3 ग्लेन स्ट्रीट, पडिंगटन, सिडनी, एन. एस. डबल्यू. 2021, ने अपना नाम बदलकर लूसियन किरॉन कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

I Kavita Tomar W/o Abhishek Singh R/o G-2 Plot No. 80-81 Lane No. 4 Khushi vihar Patrakar colony Mansarovar Jaipur have changed my Daughter's name from Maanvika to Maanvika Singh for all purposes

खोया पाया

उमेश सिंह निवासी J-497, आजाद नगर, राकड़ी, सोडाला, जयपुर के मकान के कागजात गुम हो गए हैं। मिलने पर संपर्क करें-9785591558

मेरे (चांदनी वाधवानी) मकान16/15, अलकनन्दा अपार्टमेन्ट, हाउसिंग बोर्ड स्कीम के, प्रताप नगर, जयपुर का अलाटमेन्ट लेटर, पजेशन लेटर (Lokendera Kumar Sethi) के नाम से जारी कहीं खो गया हैं कृपया मिलने पर सम्पर्क करें-9649482180

हेतुक दर्शित करने के लिए सूचना

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराए के पुनरीक्षण एवं बेदखली बाबत
प्रार्थना-पत्र
न्यायालयः किराया अधिकरण क्रम-1 जयपुर महानगर (प्रथम) (राज.)
बाबूलाल शर्मा विरुद्ध सुधीर कुमार दीवान

अर्जी संख्या.../201
नाम खुधीर कुमार दीवान पुत्र श्री नरेन्द्र नाथ दीवान जाति... पता मकान नम्बर की 98/3, राजापार्क आदर्श नगर जयपुर (राज.)
प्रार्थी ने आपके विरुद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय में तारीख 5 माह 11 सन् 2026 को बजे 10.30 ए.एम. बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपस्जात (हाजिर) होने के लिये चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपस्जात हो सकते हैं जिसको सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस अर्जी से सम्बन्धित सभी सरिवान् प्रश्नो के उत्तर दे सके या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नो का उत्तर दे सके। पेशी दिनांक 5/11/26
आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन या इससे पूर्व 30/45 दिन के भीतर अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य नोटिस की तामील होने की तारीख से दाखिल करें और उक्त तारीख पर या तामील होने के 30/45 दिन के भीतर ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति मे है, पेश करे जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई को दावा का प्रतिदावा आधारित है। साथ ही यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति मे न हो, अपनी प्रतिरक्षा, मुजराई के दावेया प्रतिदावे के समर्थन मे साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते हो, आप ऐसे दस्तावेज उल्लिखित समय के मय उपबद्ध की जाने वाली सूची मे प्रविष्ट करे।
आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि आप अपने प्रतिरक्षा के और जवाब के साथ उन सभी साक्षीगण के एवं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत करें जो अपकी प्रतिरक्षा का समर्थन करते हैं तथा उन दस्तावेजों का और उस साक्ष्य का बारीकार वर्णन शपथ पत्र में किया जावे। साथ ही जिन दस्तावेजो को न्यायालय मे प्रदर्शित कराना हो उन पर लाल स्याही से प्रदर्श डालकर प्रस्तुत करें और शपथ पत्र पर ए से बी, सी से डी हस्ताक्षर इत्यादि या लिखावट आदि जिसको भी प्रमाणित कराना है, का उल्लेख भी किया जावे।
आपको पुन: आगाह किया जाता है कि उक्त नोटिस की तामील होने के 30/45 दिन के भीतर आप अपना प्रतिरक्षा उपरोक्त प्रवास मे न्यायालय मे अंकित करें या उक्त तारीख पेशी पर प्रस्तुत कर दे। अन्यथा आपकी प्रतिरक्षा राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत समाप्त हो जायेगी।
आपको यह भी जागाह किया जाता है कि तारीख पेशी से पूर्व यदि आप दाखा प्रतिरक्षा हेतु जवाब अर्जी शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते है तो न्यायालय मे प्रस्तुत करने से पूर्व प्रार्थी के अधिवक्ता श्री..... को उक्त प्रतिरक्षा की और जवाब दाखा शपथ पत्रो की, दस्तावेजो व अन्य साक्ष्यो की प्रति उपलब्ध करा दे।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय मे उपस्जात नही होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति मे किया जाएगा।
नोटिस आज दिनांक 30/10/26 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।
पीठासीन अधिकारी, किराया अधिकरण सं.1
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं
अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या 1
जयपुर महानगर प्रथम
मोहर अदालत

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लैट नम्बर आई-408, चतुर्थ तल, रंगोली गार्डन्स खसरा नम्बर 234/2, 234/308/2 एवं 236, कनकपुरा, जयपुर का रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 29 सितम्बर 2014 जो श्रीमती कमला गोठवाल पत्नि श्री हीरा लाल गोठवाल के नाम था है वो खो गयी है वो खो गया है जिसकी रिपोर्ट एल आर नम्बर / 2026 दर्ज करा दी गई है। उक्त सम्पति के सम्बंध मे श्रीमती इन्दुबाला धर्मपत्नी श्री सुरेश चौधरी ने खरीदने के सम्बंध मे एक रजिस्टर्ड विक्रय इकरारनाम दिनांक 12.10.2026 को किया है। श्रीमती इन्दुबाला धर्मपत्नी श्री सुरेश चौधरी ने पैस बैंक मे लोन हेतु आवेदन किया है यदि किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथी से 7 दिवस मे सम्पर्क करे।
श्रीमती कमला गोठवाल पत्नि श्री हीरा लाल गोठवाल विक्रेता
श्रीमती इन्दुबाला धर्मपत्नी श्री सुरेश चौधरी क्रेता
(R.K. Jain) Advocate
Dated 26.10.2026

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम जयपुर

क्रमांक:-एफ ()न.नि.ज/ मा.न.जो/2026/3747 दिनांक-2/11/2026

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर के द्वारा भूखण्ड संख्या-130, रामनगर-एक, स्वेजफार्म, जयपुर, अपोलो नगर गृह निर्माण सहकारी समिति, जयपुर का पट्टा विलेख जिसका कुल क्षेत्रफल 205.00 वर्गगज का श्री देवी सिंह नरूका पुत्र श्री भूरसिंह नरूका के नाम से दिनांक 23.11.2002 को जारी किया गया है। मूल पट्टेधारी श्री देवी सिंह नरूका पुत्र श्री भूरसिंह नरूका का स्वर्गवास दिनांक 04.04.2024 एवं इनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा कुमारी का स्वर्गवास दिनांक 29.09.2020 को हो चुका है। मूल पट्टेधारी श्री देवी सिंह नरूका पुत्र श्री भूरसिंह नरूका एवं इनकी पत्नी के स्वर्गवास पश्चात शेष वारिसान सुश्री सांपावत पत्नी श्री कुलदीप सिंह एवं श्रीमती संजीता सिंह नेगी पत्नी श्री जीवन सिंह नेगी (पुत्रीयों) के द्वारा रजिस्टर्ड गिफ्ट डीड दिनांक 11.03.2025 के द्वारा अपना-अपना हक अपने भ्राता श्री दिग्विजय सिंह नरूका पुत्र श्री देवी सिंह नरूका के हक में निष्पादित किया गया। आवेदक श्री दिग्विजय सिंह नरूका पुत्र श्री देवी सिंह नरूका के द्वारा दिनांक 11.03.2025 को निष्पादित रजिस्टर्ड उपहार पत्र के आधार पर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। इस बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय न

मैं किसी का छोड़ता नहीं हूँ, ब्याज सहित चुकाता हूँ- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' अभियान में जनसमूह को संबोधित किया

जोधपुर, 3 नवम्बर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में जोधपुर के गांधी मैदान में भारतीय जनता पार्टी का ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गांधी मैदान पहुंचने पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत और अभिनंदन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, महिला शक्ति, जनप्रतिनिधि और विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने, ईवीएम पर सवाल उठाने और परिवारवाद की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव जीतती है तो ईवीएम सही होती है, लेकिन चुनाव हारने पर ईवीएम को खराब बताने लगती है। लोकतंत्र में विरोध और सवाल पूछने का अधिकार सभी को है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं को बिना प्रमाण बदनाम करना लोकतांत्रिक मर्यादा नहीं है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हाल में हुई कांग्रेस की रैली में डोटासरा भाषण दे रहे थे, पर अशोक गहलोत को मंच पर भी जगह नहीं मिली। यह तो गहलोत के कर्मों का फल है।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को जोधपुर में ''लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ'' पदयात्रा में शामिल हुए।

अपने भाषण में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर भी सीधा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि अशोक गहलोत जी का उनसे बहुत अच्छा प्रेम है, लेकिन कांग्रेस में उनकी चलती कहां है। उन्होंने कहा कि ''मैं किसी का छोड़ता नहीं हूं, ब्याज सहित चुकाता हूं।'' मुख्यमंत्री ने गहलोत पर किसानों के मुद्दे, खाद-बीज की दुकानों और जमीनों के आवंटन को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के समय किसानों के हितों की अनदेखी हुई और परिवार तथा रिश्तेदारों को फायदा पहुंचाया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार जनता की समस्याओं का समाधान करने के बजाय, होटल तक सीमित रही। पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने उपमुख्यमंत्री के लिए क्या-क्या नहीं बोला। उन्होंने कांग्रेस में कुर्सी के लिए संघर्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि हाल ही में हुई कांग्रेस की रैली में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा भाषण दे रहे थे, पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मंच पर भी जगह नहीं मिली। यह गहलोत के कर्मों का फल है।

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, ओसियां विधायक भैराराम सियोल, बिलाड़ा विधायक अर्जुनलाल गर्ग, महापौर प्रसन्नचंद मेहता, पूर्व राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, पूर्व सांसद रामनारायण डूडी, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पालीवाल, त्रिभुवन सिंह सहित, पार्टी के वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों से अपहृत जहाज छुड़ाया

नई दिल्ली, 03 नवंबर। भारतीय नौसेना ने सोमालिया के तट के पास 48 घंटे से अधिक समय तक चले ऑपरेशन में कमांडो कार्रवाई करके सशस्त्र समुद्री लुटेरों के कब्जे से मछली पकड़ने वाले अपहृत जहाज ''अजिनी'' को मुक्त कराया है। जहाज पर सवार चालक दल के सभी 20 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया गया और ऑपरेशन के दौरान किसी कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

- नौसेना की कमांडो कार्यवाही से जहाज चालक दल के सभी 20 सदस्य मुक्त कराये गये

दरअसल, पिछले महीने की शुरुआत में सोमालिया के उत्तर-पूर्वी तट के पास सशस्त्र समुद्री लुटेरों के एक समूह ने नौसेना के मछली पकड़ने वाले जहाज अजिनी का अपहरण कर लिया था। यह हाईजैकिंग बड़ा समुद्री सुरक्षा खतरा था, जिसमें इस बात की संभावना थी कि इस जहाज का इस्तेमाल इस इलाके में मर्चेंट शिपिंग पर और समुद्री डाकुओं के हमले करने के लिए 'मदर शिप' के तौर पर किया जा सकता है। इसकी सूचना मिलने पर भारतीय नौसेना ने मिशन पर तैनात एक युद्धपोत को कार्रवाई के लिए तत्काल रवाना किया। इसमें एक समुद्री निगरानी विमान का भी सहयोग लिया गया।

2027 में सात राज्य तय करेंगे, 2029 में मोदी का भविष्य क्या होगा?

वर्ष 2027 में सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं, जिनमें 940 विधानसभा सीटें और 132 लोकसभा सीटें हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 नवम्बर। उन्तीस अक्टूबर को उत्तर प्रदेश विधान परिषद के चुनावों में भाजपा वाराणसी की दोनों सीटें समाजवादी पार्टी (सपा) से हार गई। यह हार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र में हुई, जहां नौ मंत्रियों और सात विधायकों ने चुनाव प्रचार किया था। महाराष्ट्र के नागपुर में, जहां आरएसएस का मुख्यालय है, कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने 3,271 वोटों से ग्रैजुएट्स (स्नातक) कोर्ट की सीट बरकरार रखी।

फिर भी, इसे भाजपा की पूरी तरह हार नहीं कहा जा सकता। चार राज्यों में शिक्षकों और स्नातकों की 28 सीटों पर हुए चुनाव में भाजपा ने अपने दम पर 13 सीटें जीतीं, जबकि एनडीए को कुल 16 सीटें मिलीं। पिछली बार एनडीए ने 18 सीटें जीती थीं। कांग्रेस को केवल एक सीट मिली, जो नागपुर में थी। कर्नाटक में, जहां कांग्रेस की सरकार है, पार्टी चारों सीटें हार गई। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के इस प्रदर्शन का मजाक उड़ाने का मौका नहीं छोड़ा। चुनाव नतीजों से न तो भाजपा के खिलाफ किसी लहर का संकेत मिला और न ही विपक्ष की वापसी दिखाई दी। इसके बजाय, इन नतीजों ने एक बहुत बड़ी चुनावी परीक्षा से पहले राजनीतिक दलों की कमज़ोरियों को उजागर कर दिया।

- 2027 में फरवरी-मार्च में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होंगे। साल के अंत में गुजरात व हिमाचल में चुनाव होंगे। इनमें 7 में से 5 राज्यों में भाजपा की सरकार है।

2027 में सात राज्यों में चुनाव होने हैं, जिनमें कुल 940 विधानसभा क्षेत्र और 132 लोकसभा सीटें हैं। पहले फरवरी- मार्च में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में चुनाव होने की उम्मीद है। इसके बाद साल के अंत में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होंगे। इन सात राज्यों में से पांच में भाजपा की सरकार है, जबकि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस और पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार है।

इन 940 विधानसभा सीटों में से अकेले भाजपा के पास 557 सीटें हैं। उसके सहयोगी दलों के पास 47 और सीटें हैं, जबकि 12 निर्दलीय विधायक भी इस गठबंधन का समर्थन कर रहे हैं।

इस तरह एनडीए के पास कुल 616 सीटें हैं, यानी हर तीन में से लगभग दो सीटें। कांग्रेस के पास 98 सीटें हैं। जुलाई 2025 में इंडिया गठबंधन से अलग हुई आम आदमी पार्टी (आप) के पास 101 सीटें हैं, जिनमें से लगभग सभी पंजाब में हैं।

ओमान के तट पर भारतीय जहाज पर हमला, एक नाविक की मौत

जहाज पर 14 भारतीय नाविक थे, ओमान के तटरक्षकों ने 13 को सुरक्षित बचाया

ओमान, 03 नवंबर। होर्मुज़ में एक बार फिर से हलचल बढ़ गई है। ओमान के समुद्री क्षेत्र में भारतीय झंडे वाले एक जहाज पर हमला हुआ है, जिसमें एक भारतीय नाविक की मौत हो गई है। यह नाविक गुजरात का रहने वाला है। यह घटना 2 नवंबर को हुई थी। जब यह जहाज ओमान तट से गुजर रहा था, तभी किसी अज्ञात हवाई चीज से इस पर हमला हुआ, जो सीधी जहाज से टकरायी। जानकारी के मुताबिक, जहाज में कुल 14 भारतीय नाविक सवार थे। हमले के बाद ओमान के तटरक्षक बल ने कार्रवाई करते हुए बाकी 13 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया।

केन्द्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमले का शिकार हुए जहाज का नाम 'अल जुसुफी' था। ये मोटर चालित नौका ओमान के समुद्री क्षेत्र में चल रही थी। हमले के दौरान गुजरात के रहने वाले नाविक गंधर नाहीम अजीज गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इन्हीं चोटों की वजह से बाद में उनकी मौत हो गई। मंत्री सोनोवाल ने इस घटना पर दुख जताते हुए मृतक नाविक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस मामले को गंभीरता से ले रही है। विदेश मंत्रालय और ओमान स्थित भारतीय दूतावास वहां के अधिकारियों के लगातार संपर्क में हैं। हादसे में सुरक्षित बचाए गए सभी 13 भारतीय नाविकों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इसके साथ ही मृतक नाविक के पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

- ''अलजुसुफी'' नामक जहाज जब ओमान तट से गुजर रहा था, तब एक अज्ञात हवाई वस्तु सीधे जहाज से टकराई।

'डीजीपी की नियुक्ति पर राज्यों में क्या नियम कायदे हैं'

नई दिल्ली, 03 नवंबर। डीजीपी की नियुक्तियों की जांच का दायरा बढ़ाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र से हर राज्य में पुलिस प्रमुखों के चयन और नियुक्ति के लिए अपनाई गई मौजूदा विधायी या कार्यकारी व्यवस्था का सार देने को कहा। पीठ ने केंद्र सरकार से जवाब दाखिल करने के लिए 16 नवंबर की तारीख तय की।

- सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से जानकारी मांगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जायमाल्य बागची और वी.मोहना की पीठ ने झारखंड सरकार और राज्य की डीजीपी तदाशा मिश्रा से भी केंद्र और अन्य पक्षों की याचिका पर जवाब मांगा।

मिश्रा को सेवानिवृत्ति से एक दिन पहले पुलिस प्रमुख नियुक्त किया गया था। याचिका में उनकी नियुक्ति को चुनौती दी गई है।

'अगर रतन टाटा जीवित होते तो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस में फैसले लेने के तरीके और होल्डिंग कंपनी के बोर्ड तथा उसके सबसे बड़े शेयरधारक ''टाटा ट्रस्ट'' के बीच संबंधों को लेकर चिंताएं खुलकर सामने आ गई हैं।

खंबाता की आलोचना केवल ट्रस्टी के रूप में दूसरा कार्यकाल नहीं लेने के फैसले तक सीमित नहीं है। रतन टाटा के नेतृत्व का उल्लेख करते हुए और यह सवाल उठाते हुए कि क्या उनके रहते निदेशक मंडल इसी तरह काम करता, उन्होंने मौजूदा विवाद को टाटा समूह की संस्थागत विरासत और कंपनी के संचालन के सिद्धांतों के संदर्भ में पेश किया है।

17 सितंबर की बैठक में टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को फिर से चेयरमैन नियुक्त किया और शेयर बाज़ार में लिस्टिंग की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का फैसला लिया। खबरों के अनुसार, नोएल टाटा ही एकमात्र डायरैक्टर थे, जिन्होंने इन फैसलों के खिलाफ मतदान किया। निदेशक मंडल में टाटा ट्रस्ट के एक अन्य नॉमिनी, वेणु श्रीनिवासन ने बहुमत के पक्ष में मतदान किया।

कंपनी को शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध करने को लेकर मतभेद विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि टाटा संस पूरे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी है। शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध होने से कंपनी के स्वामित्व और गवर्नेंस के तरीके में बदलाव आ सकता है। इसके साथ ही कंपनी को शेयर बाजार की ओर से अधिक निगरानी और जांच का सामना करना पड़ेगा।

खंबाता द्वारा कथित तौर पर शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की योजना का विरोध किए जाने से टाटा ट्रस्ट्स के भीतर इस बात को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं कि मुख्य कंपनी किस दिशा में आगे बढ़ रही है।

हालांकि, केवल उनके इस पत्र से यह साबित नहीं होता कि 17 सितंबर को लिए गए फैसले कानूनी रूप से अमान्य थे या बोर्ड के इन फैसलों को पलट दिया जाएगा। लेकिन यह पत्र प्रभावशाली स्टॉक होल्डर्स के बीच मतभेदों की गहराई को जरूर उजागर करता है।

जेलों में जातिगत भेदभाव बेहद दुखद

नई दिल्ली, 03 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने जेलों के भीतर जातिगत भेदभाव और अमानवीय प्रथाओं से जुड़े एक संवेदनशील मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है।

कोर्ट ने कहा कि यह अत्यंत ''दुखद'' और दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र सरकार द्वारा मांगी गई आवश्यक जानकारी पर अभी तक 23 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

कोर्ट ने इसे प्रशासनिक संवेदनहीनता करार देते हुए गहरी नाराजगी व्यक्त की है।

'अनिश्चितकाल तक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जो भी व्यक्ति प्रदर्शन का आव्हान करता है, उसे अपने कदमों के परिणामों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, ''आप किसी स्थान पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। दूसरे प्रदर्शनकारी भी हैं। किसान या वकील कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध-प्रदर्शन करने का अधिकार है।'' मुख्य न्यायाधीश ने त्योहारों के मौसम में प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग करने वाले व्यापारी संगठनों की याचिका पर केन्द्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 20 जुलाई के प्रदर्शन के लिए केवल एक दिन की अनुमति दी गई थी, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उस स्थान पर कब्जा कर लिया और यहां तक कि, संसद तक मार्च भी किया।

राहुल ने प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कीजिए मुकदमा। इस मुद्दे पर भी खुलकर चर्चा करेंगे। मोदी जी, आपको दिवाली की शुभकामनाएं। राहुल गांधी का अंदाज बेहद आक्रामक और आत्मविश्वास से भरा हुआ है!

दिया मिर्ज़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने दीवाली के दौरान कहीं भी और किसी भी समय पटाखे जलाकर ध्वनि एवं वायु प्रदूषण नहीं फैलाने की सोशल मीडिया पर अपील की थी। भाजपा के कुछ नेताओं ने इस वीडियो की आलोचना की थी। इस मामले पर मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय ने भाजपा नेताओं का नाम लिए बिना कड़ी नाराजगी जताई। उच्च न्यायालय ने बीएमसी को निर्देश दिए कि दीया मिर्जा का वीडियो दोबारा अपलोड करें, क्योंकि यह देश धर्मनिरपेक्ष है।

आंतरिक खींचतान ले बैठेगी उमर की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कॉन्फ्रेंस के पास करीब 41-42 सीटें हैं, जबकि बहुमत का आंकड़ा 46 है। सरकार को कांग्रेस के छह विधायकों, निर्दलियों और माकपा के एक विधायक का बाहरी समर्थन प्राप्त है। यदि 25 विधायक एकजुट होकर समर्थन वापस ले लेते हैं, तो सहयोगी दलों के समर्थन के बावजूद सरकार की संख्या बहुमत से काफी कम हो सकती है। ऐसी स्थिति में विधानसभा त्रिशंकु हो सकती है और सरकार के सामने सदन में बहुमत साबित करने की चुनौती आ सकती है।

फिलहाल पार्टी नेतृत्व नुकसान को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन विधानसभा में संख्या बल का गणित बागी विधायकों की चेतावनी को गंभीर बनाता है। भाजपा की घटनाक्रम पर पूरी नज़र है, उसके पास 29 सीटें हैं, लेकिन अपने दम पर वैकल्पिक सरकार बनाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है।

कश्मीर की राजनीति में गठबंधन और राजनीतिक समीकरण तेजी से बदलते रहे हैं। कागजों पर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन कायम है, लेकिन कांग्रेस ने मंत्रिमंडल से बाहर रहने का फैसला किया है। उसकी प्राथमिकता राज्य का दर्जा बहाल कराने की मांग है। दोनों दलों के बीच पहले से मौजूद मतभेदों का असर भी बरकरार है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अधूरे चुनावी वादों को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस की आलोचना कर रही है और घाटी में खुद को एक वैकल्पिक राजनीतिक ताकत के रूप में पेश करने की कोशिश में है। वहीं, भाजपा जम्मू क्षेत्र में अपना आधार मजबूत करते हुए राजनीतिक संभावनाओं पर नज़र रखे हुए है।

कुल मिलाकर, मौजूदा घटनाक्रम में नेशनल कॉन्फ्रेंस के सामने आंतरिक सत्ता-संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और वैचारिक प्रतिबद्धताओं के बीच तालमेल बैठाने की चुनौती है। उपराज्यपाल के साथ सत्ता के दो केन्द्रों वाली व्यवस्था में उमर अब्दुल्ला के लिए यह संकट और जटिल हो गया है।

नेपाल में दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किसन पटेल घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक, फिस्टेल हेलीकॉप्टर के पायलट भी मामूली रूप से घायल हुए हैं, हालांकि उनके नाम तत्काल की पुष्टि नहीं हो सकी है। डीएसपी बुद्ध थोकी ने बताया कि खुम्बु पासांगल्हामू स्थित फेरिचे में बने हेलीपैड पर आज सुबह लैंडिंग के दौरान दोनों हेलीकॉप्टरों के ब्लेड (पंखे) आपस में टकराने से यह दुर्घटना हुई।

ईडी ने अनिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह ताजा कार्रवाई रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) और रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड (आरएचएफएल)/रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस लिमिटेड (आरसीएफएल) से जुड़े बैंक धोखाधड़ी के मामलों में की गई है।

रिलायंस होम फाइनेंस/कमर्शियल फाइनेंस केस:इस बैंक फ्रॉड मामले में 263.05 करोड़ मूल्य की संपत्तियों की कुर्की की गई है। रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरसीओएम) बैंक फ्रॉड केस:इस मामले में 247.12 करोड़ मूल्य की परिसंपत्तियों को कुर्क किया गया है। ईडी के अधिकारियों के मुताबिक, दोनों मामलों में कुर्क की गई संपत्तियों में चार्टर्ड विमानों से लेकर औद्योगिक और अचल परिसंपत्तियां शामिल हैं।

'क्रिमिनल रिट रजिस्ट्री बंद करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत की एकलपीठ आपराधिक मामलों को सुन रही होती है तो उस अदालती आदेश के विरूद्ध हाईकोर्ट की खंडपीठ के समक्ष ''विशेष अपील'' दायर नहीं की जा सकती है। पाठकों को यह तथ्य बताना महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा ने 6 अगस्त 2026 को भी ''मेघराज सिंह बनाम राज्य सरकार, ईडी व खनन विभाग'' के आपराधिक प्रकरण में ''विशेष याचिका'' पर सुनवाई की थी। इस प्रकरण के दौरान भी अदालत ने दोहराया था कि, ''रिट'' केवल रिट होती है, इसमें ''क्रिमिनल'' और ''सिविल'' का कोई विभाजन नहीं है।

उल्लेखनीय है कि इस मामले में मेघराज सिंह, जो कि एक होटल व्यवसाय व बजरी कारोबार से जुड़े हुए हैं, उनके खिलाफ अपराधिक प्रकरण की जांच के संबंध में हाईकोर्ट की एकलपीठ ने राहत देने से इनकार कर दिया था, जिस पर सुनवाई करते हुए पूर्व न्यायाधीश एस.पी.शर्मा व जस्टिस संजीत पुरोहित ने अंतरिम रोक लगा दी थी। गौरतलब है कि मेघराज सिंह की ओर से 457 दिनों के बाद ''विशेष याचिका'' दायर की गई थी। जब इस आदेश के खिलाफ ई.डी. सुप्रीम कोर्ट पहुंची थी तो सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर दखल देने से इनकार कर दिया था कि अदालतें कई बार, याचिकाकर्ता को समय सीमा से बाहर जाकर दायर की गई अपील या आवेदनों में भी राहत देती है। जहां तक ''सिविल'' और ''क्रिमिनल'' मामलों का सवाल है, हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट के नियम हैं, जिनको लागू करने के लिए कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश फैसला ले सकता है।

हालांकि इसी मामले को जब सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संदीप मेहता ने सीजेआई सूर्यकांत को पत्र लिखा था उसके कुछ समय के बाद ही मेघराज सिंह ने अपनी विशेष याचिका वापस ले ली थी।

हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ के समक्ष ''क्रिमिनल रिट'' और ''सिविल रिट'' दर्ज करने को लेकर सुनवाई हुई, तब यह भी स्पष्ट हुआ कि वर्ष 2017 में ही रामकिशन फौजी बनाम हरियाणा सरकार के मामले में ''क्रिमिनल'' और ''सिविल'' मामलों में फर्क के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि, ''दीवानी मामलों'' (सिविल प्रकरणों) में एक व्यक्ति अपने अधिकारों को लेकर किसी अन्य व्यक्ति अथवा सरकार के समक्ष अपना प्रकरण रखता है। इन मामलों में पैसों के लेनदेन, रिकवरी, मुआवजा, नुकसान, संपत्ति अधिकार, टैक्स व राजस्व के मामलों में राहत व व्यक्तिगत अधिकारों की लड़ाई लडता है। वहीं दूसरी ओर अपराधिक मामलों में एक पक्षकार व्यक्ति होता है, जबकि दूसरी ओर सरकार ही होती है। ये मामले अंततोगत्वा संपत्ति जब्त करने, किसी को जेल भेजने व सजा देने से संबंधित होते हैं, ऐसे प्रकरण कानून व्यवस्था बरकरार रखने के लिए जरूरी होते हैं, इससे बड़ा जनहित जुड़ा होता है। इसी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि रिट याचिका इस संबंध में महत्वपूर्ण हो जाती है कि आवेदक अथवा याचिकाकर्ता किस संदर्भ में राहत मांग रहा है।

इन सभी मुद्दों पर चर्चा करने और जस्टिस आनंद शर्मा द्वारा उठाए गए सवालों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट की पूर्ण पीठ ने पूर्व कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा के निर्णय को गलत ठहराया और कहा कि रिट याचिकाओं में ''क्रिमिनल'' और ''सिविल'' की छंटनी बेहद महत्वपूर्ण है, यह तय करती है कि याचिकाकर्ता किस प्रकरण में क्या राहत मांग रहा है? ऐसी रिट याचिकाओं को उन्हीं जजों के समक्ष लगाया जाये, जो कि उस संदर्भ में तय किए गए रोस्टर से सुनवाई कर रहे हैं।

'प्रतिबंध के बावजूद दिल्ली में क्यों बिक रहे हैं पटाखें'

नई दिल्ली, 03 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के बाजारों में प्रतिबंधों के बावजूद अलग-अलग तरह के पटाखे बेचे जाने से जुड़ी एक अखबार की रिपोर्ट की ओर ध्यान दिलाया और केन्द्र से कहा कि वह उसके आदेश का पालन सुनिश्चित करे।

जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने एएसजी ऐश्वर्या भाटी को एक अंग्रेजी अखबार की खबर में छपी तस्वीर को दिखाते हुए कहा कि कल के आदेश के बावजूद अब दुकानों में सब कुछ उपलब्ध है। कृपया इस पर ध्यान दें। 2 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर लगा प्रतिबंध दिवाली पर दो दिनों के लिए सशर्त हटाने आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सर्टिफाइड ग्रीन पटाखे 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे के दौरान जलाए जा सकेंगे। इस साल दिवाली 8 नवंबर को है।

- सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार से निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के लिए कहा।

'जिनके नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से गायब हुए, वे भी फॉर्म-6 भर सकते हैं'

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी किया

नई दिल्ली, 03 नवंबर। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इंटैंसिव रिविज़न/एस.आई.आर.) को लेकर मतदाताओं के लिए बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। आयोग ने कहा है कि जिन लोगों का नाम पहले से मतदाता सूची में दर्ज था, लेकिन एसआईआर के दौरान जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं आया है, वे भी फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं।

आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को भेजे पत्र में कहा है कि ऐसे मतदाताओं का फॉर्म-6 भरना गलत घोषणा नहीं माना जाएगा। इसके लिए उनके खिलाफ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 31 के तहत कोई कार्रवाई भी नहीं होगी।

- चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र भेज कर कहा कि ऐसे मतदाताओं का फॉर्म-6 भरना गलत घोषणा नहीं माना जाएगा तथा उनके खिलाफ जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कार्यवाही नहीं होगी।

हालांकि, इसके लिए शर्त है कि संबंधित मतदाता का नाम किसी दूसरे संसदीय या विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में पहले से दर्ज नहीं होना चाहिए और आवेदन में दी गई जानकारी सही होनी चाहिए।

चुनाव आयोग का यह स्पष्टीकरण दिल्ली हाईकोर्ट के 14 अक्टूबर 2026 के आदेश के बाद आया है। मामला निलोतपल दत्ता और अन्य बनाम भारत निर्वाचन आयोग से जुड़ा है।

दरअसल, एस.आई.आर. के दौरान कई ऐसे मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से छूट गए थे, जो पहले से मतदाता के रूप में पंजीकृत थे। ऐसे लोगों को दोबारा फॉर्म-6 भरने के लिए कहा जा रहा था। इसी को लेकर सवाल उठे थे।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने भी चुनाव आयोग से सवाल किया था कि जब लोगों के नाम पहले से मतदाता सूची में दर्ज हैं, तो उन्हें नए मतदाता की तरह फॉर्म-6 भरने के लिए क्यों कहा जा रहा है।

सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सुझाव दिया था कि जिन मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट सूची से हटाए गए हैं, उनकी सूची सार्वजनिक की जाए। साथ ही यह भी बताया जाए कि अधिकारी किन मतदाताओं से संपर्क नहीं कर पाए।

कोर्ट ने देर से जमा होने वाले पंजीकरण फॉर्म स्वीकार करने और दावे-आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ाने पर भी विचार करने को कहा था।

चुनाव आयोग ने सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस फैसले की जानकारी स्थानीय भाषाओं और उपलब्ध मीडिया माध्यमों से लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि किसी भी मतदाता को आवेदन प्रक्रिया को लेकर परेशानी न हो।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908